जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोन:- 2627612, 2427249 फैक्स:- 0145-2624665 वर्ष: 27 संख्या: 116 प्रभात अजमेर, शुक्रवार 25 नवम्बर, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कहीं पे निगाहें, कहीं पर निशाना

गहलोत ने भला-बुरा पायलट को कहा, पर असल में चुनौती हाई कमान को थी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। हताश और अलग-थलग पड़ चुके अशोक गहलोत ने कांग्रेस नेतृत्व को सीधी चुनौती देकर पार्टी में हलचल मचा दी है। उन्होंने कहा: ''यदि मुझे मुख्यमंत्री पद से आस्थिर किया जाता है तो मैं सरकार गिरा दूंगा।''

हाल ही अडानी द्वारा खरीदे गए एन.डी.टी.वी. को दिए एक साक्षात्कार

- पायलट ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, गहलोत बहुत सीनियर व अनुभवी नेता हैं, अतः उन्हें पार्टी के अपने साथियों को भला बुरा कहना छोड़कर पार्टी की गुजरात चुनाव में जीत व भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के लिये काम करना चाहिये।

में उन्होंने यह हमला बोला। अडानी ने राजस्थान में भारी धनराशि का निवेश किया है। सचिन पायलट के लिए गहलोत ने कहा कि वह मुख्यमंत्री कभी नहीं बन सकते क्योंकि वे गद्दार हैं। उनके निष्ठावानों ने भाजपा से धन लिया। उनके साथ सिर्फ 10 विधायक हैं और वे कभी मुख्यमंत्री नहीं बन सकते और ना जाने क्या-क्या।

उनकी सारी बयानबाजी सचिन पायलट के विरूद्ध थी लेकिन संदेश गांधी परिवार के लिए था जो यह स्पष्ट कर चुका है कि उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ना होगा क्योंकि इस पद के लिए उनकी पसंद सचिन पायलट हैं।

सचिन पायलट भारत जोड़ो यात्रा में राहुल और प्रियंका गांधी के साथ चल रहे हैं और गांधी भाई-बहनों के साथ उनके मेलजोल ने अशोक गहलोत के लिए मिर्ची का ही काम किया है। लेकिन कांग्रेस के सूत्र कहते हैं कि अशोक गहलोत की निराशा का एक बड़ा कारण ये है कि करीब-करीब अधिकांश विधायक उनका साथ छोड़ चुके हैं और वह सत्ता से चिपके रहने के भरसक प्रयास कर रहे हैं।

सचिन पायलट ने इस पर यह कहते हुए प्रतिक्रिया दी है कि गहलोत काफी सीनियर और अनुभवी नेता हैं और उन्हें भारत जोड़ो यात्रा की सफलता सुनिश्चित करते हुए गुजरात विधानसभा चुनाव जीतने पर अधिक फोकस करना चाहिए तथा पार्टी के साथियों को भला-बुरा नहीं कहना चाहिए।

कांग्रेस गुजरात विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया में है, जहां गहलोत पार्टी के प्रमुख पर्यवेक्षक हैं।

सूत्र कहते हैं कि सचिन पायलट पर गहलोत का बेलगाम हमला पार्टी की संभावनाओं को नुकसान पहुँचा कर सिर्फ भाजपा की ही मदद कर सकता है, लेकिन सरसरी तौर पर लगता है कि गहलोत किसी की नहीं सुन रहे हैं।

क्या मुख्यमंत्री के झल्लाने का कारण राहुल प्रियंका के साथ सचिन की यह फोटो प्रसारित होना है, जिसमें उनकी आपसी नज़दीकी और स्नेह नज़र आ रहा है?

- उनके पायलट विरोधी उद्गार में हाई कमान के लिये मैसेज था: ''अगर मुझे मु.मंत्री पद से अस्थिर किया गया तो, मैं सरकार गिरा दूंगा।''
- जैसा कि, हाई कमान अपनी राय दे चुका है कि, उन्हें मु.मंत्री पद छोड़ना होगा तथा इस पद के लिये सचिन पायलट उनकी ''चॉयस'' हैं।
- चर्चा है कि, भारत जोड़ो यात्रा में शरीक हुए पायलट की यात्रा के दौरान राहुल गांधी के साथ नज़दीकी व मित्रता की सोशल मीडिया पर प्रसारित फोटो से गहलोत काफी विचलित व कुंठित हुए, अतः अपने इन्टरव्यू में भारी जहर उगला है।
- पर, कांग्रेस के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, कुंठा का मुख्य कारण है, कांग्रेस के अधिकतर विधायक अब पाला बदल चुके हैं तथा उनका साथ छोड़ चुके हैं और अब सत्ता से चिपके रहना उनके लिये और मुश्किल हो रहा है।

हाई कमान को आभास था, भारत जोड़ो यात्रा का अगला चरण सबसे कठिन होगा

पर, गहलोत से खुल्लम-खुल्ला विद्रोह की उम्मीद नहीं थी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। कांग्रेस के केन्द्रीय नेतृत्व को खुली चुनौती देते हुये, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को उस समय एक बड़ा झटका पहुँचाया, जब उन्होंने अपने धुर प्रतिद्वंदी सचिन पायलट, जो पदयात्रा में शामिल हैं, को ''गद्दार (ट्रेटर)'' कह डाला।

एक समाचार चैनल को दिये गये एक विशेष इन्टरव्यू में गहलोत ने कहा, ''हाईकमान उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बना सकती। एक ऐसा आदमी, जिसके पास 10 विधायक भी नहीं है, जिन्होंने बगावत की, उन्होंने पार्टी के साथ विश्वासघात किया, (वे) गद्दार हैं।

तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा महाराष्ट्र में अपनी यात्रा के दौरान भारी जन-समर्थन पाने के बाद, यात्रा का अगला हिस्सा कठिन होगा, यह तो मालूम था, लेकिन पार्टी के रणनीतिकारों को गहलोत की तरफ से इस प्रकार के खुले विद्रोह की उम्मीद नहीं थी। प्रसंगवश बता दें कि भारत जोड़ो यात्रा कश्मीर तक की कुल 3575 किमी की दूरी में से मोटे तौर पर 2000 किमी की दूरी तय कर चुकी है। इस यात्रा का समापन अगले वर्ष के शुरू में राष्ट्रीय तिरंगे झंडे को फहराये जाने के साथ श्रीनगर में होगा।

अब इसे राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब तथा जम्मू-कश्मीर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राहुल गांधी द्वारा आदिवासी क्षेत्र को दी जा रही तवज्जो से भाजपा भी विचलित सी है तथा हरकत में आयी, और मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री व कुछ अन्य मंत्रियों की मौजूदगी में आदिवासी शहीद टंट्या भील की जन्म स्थली से अपनी यात्रा शुरू की।
- सोशल मीडिया पर भी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान विधायक दिव्या मदेरणा का हाथ पकड़ कर चलने और, माथा चूमने को, गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।
- मु.मंत्री हेमन्त बिस्वा सरमा ने भी राहुल की दाढ़ी पर व्यंगात्मक टिप्पणी की कि, वे ''सद्दाम हुसैन'' जैसे नज़र आते हैं।

राहुल गांधी की दाढ़ी पर ही इतनी टिप्पणियाँ क्यों?

सदा से राजनीतिज्ञ अपना स्टाइल, दाढ़ी और कपड़ों के मार्फत ''सिग्नेचर इमेज'' बनाते रहे हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जो काली-सफेद दाढ़ी बढ़ा ली है, उसे लेकर जनता में काफी दिलचस्पी है। भाजपा शासित असम के मुख्यमंत्री हेमन्त बिस्वा सरमा के अनुसार राहुल गांधी अब सद्दाम हुसैन के हमशक्ल जैसे लगते हैं, जबकि कांग्रेस के निष्ठावान लोगों का कहना है कि राहुल गांधी को अब ''संत राजनेताओं'' की श्रेणी में देखा जा सकता है। मां के लाड़ले की छवि से परे, उनकी यह दाढ़ी उनके व्यक्तित्व को निखारती है और एक ''पार्ट टाइम'' राजनेता की उनकी पूर्व छवि पीछे छूट रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तक, कई राजनेताओं ने समय-समय पर छोटी या बड़ी दाढ़ी रखी है। प्रधानमंत्री की दाढ़ी समय की जरूरत के हिसाब से कई आकार बदल चुकी है। उदाहरण के लिये,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प. नेहरू, अचकन व गुलाब का फूल, वी.पी. सिंह अपने ''फर की टोपी'' पहनते थे व मोदी ''डवलपमैंट उन्मुख'' मु.मंत्री की छवि को उभारने के लिये डिज़ाइनर कुर्ते व जैकेट पहनने लगे थे।
- प. बंगाल के चुनाव के दौरान मोदी ने खुली लम्बी दाढ़ी रखी थी, तब कटाक्ष हुआ था कि, रविन्द्र नाथ टैगोर जैसा दिखने का प्रयास है।

गहलोत की पायलट संबंधी टिप्पणी को खारिज किया जयराम ने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। कांग्रेस महासचिव और मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने गुरूवान को राजस्थान के मुख्यमी अशोक गहलोत के सचिन पायलट के बारे में की गई टिप्पणी को खारिज कर दिया और कहा कि गहलोत वरिष्ठ और अनुभवी राजनेता हैं।

उन्होंने एक बयान में कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस के महासचिव व मुख्य प्रवक्ता ने जयराम रमेश ने कहा कि, दोनों के विवाद को पार्टी के भीतर सुलझा लिया जाएगा।

मु.मंत्री बड़ा दिल रखें, इस्तीफा दें, अडानी के इशारे पर राहुल की यात्रा को पलीता ना लगाएं-आचार्य प्रमोद

मंत्री गुढ़ा बोले, आलाकमान सी.एल.पी. की बैठक बुलाएं, 80 फीसदी विधायक पायलट के साथ नहीं हुए तो मुख्यमंत्री पद का दावा छोड़ देंगे

जयपुर, 24 नवम्बर (का.प्र.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से सचिन पायलट पर लगाए गए आरोपों के बाद पायलट समर्थक और प्रियंका गांधी के नजदीकी आचार्य प्रमोद ने कहा कि अडानी के इशारे पर मुख्यमंत्री को राहुल गांधी की यात्रा को पलीता नहीं लगाना चाहिए। वही मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि 80 फ़ीसदी विधायक यदि आलाकमान के साथ और पायलट के समर्थन में नहीं हो, तो हम अपना दावा छोड़ देंगे। वहीं दूसरी ओर गहलोत समर्थक निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा का दावा है कि 101 विधायक मुख्यमंत्री गहलोत के साथ हैं, और वे पूरे 5 साल मुख्यमंत्री रहेंगे।

मुख्यमंत्री का बयान सामने आने के बाद आचार्य प्रमोद ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को बड़ा दिल दिखाते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। वह तो खुद ही कह चुके हैं कि उनका इस्तीफा तो कांग्रेस अध्यक्ष के पास रखा हुआ है। बड़ा दिल रखना चाहिए, सचिन पायलट कांग्रेस की असेट है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत का यह बयान सचिन पायलट के खिलाफ नहीं बल्कि कांग्रेस आलाकमान, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के भी खिलाफ है।

वहीं पायलट कैंप के मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री भले ही कोई बयान दें, लेकिन अगर कांग्रेस आलाकमान विधायक दल की बैठक बुलाता है और उसमें पायलट के साथ 80 फीसदी विधायक नहीं होते हैं तो हम मुख्यमंत्री पद से अपना दावा छोड़ देंगे। गुढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत विधायकों की वन टू वन मीटिंग और सीएलपी की बैठक से क्यों घबरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जिन विधायकों पर 10-10 करोड़ रुपए लेने के आरोप लगा रहे हैं तो फिर उन्होंने क्या सोच कर उनमें से 5 विधायकों को अपनी कैबिनेट में मंत्री पद देकर बैठा रखा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कम से कम स्वर्गीय हो चुके भंवर लाल शर्मा का तो ध्यान रखें, जिनके निधन होने पर सरदार शहर सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं। वे यह आरोप लगाकर वह भंवर लाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- उधर गहलोत समर्थक संयम लोढ़ा बोले, हाथ खड़े करा लो, आज भी 101 विधायक गहलोत के साथ, पूरे 5 साल रहेंगे मुख्यमंत्री।

मु.मंत्री ने श्रीमहावीरजी में महामस्तकाभिषेक समारोह में हिस्सा लिया

करौली / हिण्डौन, 24 नवम्बर (नि.स.) । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि देश और दुनिया में भगवान महावीर की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। जहां शान्ति और अहिंसा का वातावरण होता है। वहीं ईश्वर का निवास होता है। सारे विश्व के बुद्धिजीवी भारत की पुरातन संस्कृति का सम्मान करते हैं। जिसका मूल कारण इसमें शान्ति और अहिंसा का निहित होना है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुरूवार को करौली के महावीरजी में पंचकल्याणक महोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक समारोह के दौरान उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंचकल्याणक महोत्सव का झण्डारोहण कर शुभारम्भ करने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर की शिक्षाओं से प्रभावित होकर ही महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जिसके पास 10 विधायक नहीं, जिसने बगावत की, जिसे गद्दार नाम दिया गया, उसे कैसे स्वीकार कर सकते हैं'

भारत जोड़ो यात्रा की तैयारी से पहले मुख्यमंत्री गहलोत का सचिन पायलट पर बड़ा हमला

जयपुर, 24 नवम्बर (का.प्र.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान आने से पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि पायलट को कैसे सीएम बना सकते हैं। जिस आदमी के पास 10 विधायक नहीं हैं, जिसने बगावत की हो, जिसे गद्दार नाम दिया गया है, उसे लोग कैसे स्वीकार कर सकते हैं।

ऐसा बयान देकर गहलोत ने स्पष्ट कर दिया है कि मुख्यमंत्री यदि बदला जाता है, तो भी वह सचिन पायलट को तो किसी भी रूप में स्वीकार करने को तैयार नहीं है। इतना ही नहीं गहलोत ने यह भी कहा कि यदि मुझे मुख्यमंत्री नहीं रखना है, तो किसी नए को बना दो, लेकिन नया व्यक्ति सरकार रिपीट नहीं करा सकता और सचिन पायलट को विधायक स्वीकार नहीं करेंगे। ऐसा कहकर एक तरह से अशोक गहलोत ने यह जताने की कोशिश की है कि उनके अलावा और कोई भी सरकार रिपीट कराने की स्थिति में नहीं है।

दूसरी ओर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ मध्यप्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल सचिन पायलट ने गहलोत के बयान पर कहा कि ''वे पहले भी मुझे नाकारा, निकम्मा और गद्दार कह चुके हैं। उन्होंने मुझ पर जो आरोप लगाए हैं, वे बेबुनियाद हैं। ये समय भाजपा से लड़ने का है, ऐसे झूठे आरोप लगाने की जरूरत नहीं है।'' सचिन पायलट ने गहलोत के लिए कहा कि ''वे पार्टी के अनुभवी नेता हैं, उन्हें इतना असुरक्षित नहीं होना चाहिए। हम आज किसी पद पर है, तो जरूरी नहीं है कि हमेशा रहें। पता नहीं कौन मुख्यमंत्री को ऐसी सलाह दे रहा है।'' वहीं गहलोत के इस बयान पर पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने भी कहा कि युवा साथी सचिन पायलट और अशोक गहलोत के मतभेद सुलझा लिए जाएंगे और इससे कांग्रेस मजबूत होगी, फिलहाल भारत जोड़ो यात्रा को सफल बनाना ही सबका लक्ष्य है।

इससे पहले गहलोत ने एक राष्ट्रीय हिंदी चैनल से बात करते हुए कहा कि ''जिसके कारण हम 34 दिन होटलों में बैठे रहे, ये सरकार गिरा रहे थे, अमित शाह भी शामिल थे। धर्मेंद्र प्रधान भी शामिल थे। जो आदमी गद्दारी कर चुका है, उसे हमारे एमएलए और मैंने खुद भुगता है, 34 दिन तक होटलों में रहे हैं, उनको वे कैसे स्वीकार करेंगे ? मुख्यमंत्री रहने के सवाल पर गहलोत ने कहा कि आज तो मैं ही हूं यहां पर। हाईकमान के इशारे की छोड़ो, मुझे तो कोई इंडिकेशन नहीं है। मैं हाईकमान के साथ हूं। पायलट को कोई स्वीकार ही नहीं करेगा।''

गहलोत ने कहा कि ''हाईकमान राजस्थान के साथ न्याय करेगा। सितंबर की बातें हैं। अजय माकन और हाईकमान को अपनी फीलिंग बता चुका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सचिन पायलट का जवाब, वे पार्टी के अनुभवी नेता हैं, उन्हें इतना असुरक्षित नहीं होना चाहिए, हम आज किसी पद पर हैं, तो जरूरी नहीं है कि हमेशा रहें।
- पायलट ने गहलोत के बयान पर कहा, वे पहले भी मुझे नाकारा, निकम्मा और गद्दार कह चुके हैं, उन्होंने मुझ पर जो आरोप लगाए हैं, वे बेबुनियाद हैं।
- गहलोत ने यह भी कहा कि, आज तो मैं ही हूँ यहां पर, हाईकमान के इशारे की छोड़ो, मुझे तो कोई इंडिकेशन नहीं है, मैं हाईकमान के साथ हूँ, पायलट को कोई स्वीकार नहीं करेगा।
- गहलोत ने कहा कि, मानेसर जाकर आने के बाद यदि वो माफी मांग लेते तो मुझे माफी नहीं मांगनी पड़ती, 25 सितम्बर की घटना भी नहीं होती।
- राजस्थान में 25 सितम्बर की घटना को लेकर भी गहलोत ने सचिन पायलट के सिर ठीकरा फोड़ते हुए कहा कि, 25 सितम्बर को पायलट की वजह से माहौल बिगड़ा।

'सचिन पायलट आई लव यू' के नारे लगे

करौली, 24 नवम्बर (नि.स.)। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुरूवार को करौली दौरे पर रहे । इस दौरान श्री महावीरजी में पंचकल्याणक महोत्सव महामस्तकाअभिषेक का आगाज किया।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से लौटते वक्त स्थानीय गुर्जर समाज के युवाओं ने मुख्यमंत्री मुर्दाबाद के नारे लगाए। जब वह कार्यक्रम से हेलीपैड के लिए निकल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- श्री महावीरजी महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम में शामिल होकर जब मुख्यमंत्री हैलीपैड की तरफ लौट रहे थे तब भारी संख्या में युवाओं ने सचिन पायलट आई लव यू और मुख्यमंत्री मुर्दाबाद के नारे लगाए।

विचार बिन्दु

दया और सत्यता परस्पर मिलते हैं, धर्म और शांति एक-दूसरे का साथ देतें हैं। –बाइबल

प्रेस कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया ने मीडिया की स्वतंत्रता हेतु श्री अशोक गहलोत के बयान पर क्यों प्रहार किया?

दिनांक 15.11.2022 के आदेश में जो प्रेस कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया ने, राकेश शर्मा पूर्व पीसीआई सदस्य की लिखित शिकायत पर अपने विवेक से स्वज्ञान से कार्यवाही की है, उसमें अशोक गहलोत मुख्यमंत्री राजस्थान राज्य की टिप्पणी जो उन्होंने दिनांक 16.12.2019 की एक प्रेस कॉन्फरेन्स में, प्रेस के बारे में की थी तथा उस पर गम्भीर नाराजगी जताई थी। श्री गहलोत की वह टिप्पणी खुली धमकी थी कि सरकार उन अखबारों को ही विज्ञापन जारी करेगी जो सरकार की रीति रिवाज व कामकाज को पूरे विश्वास से प्रसारित व प्रचारित करते हैं। यह धमकी अखबारों की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार था। यहां यह लिखना समीचीन होगा कि लगभग 3 वर्षों से राष्ट्रदूत, जो राज्य का एक प्रमुख अखबार है को अपने अनुकूल खबरें प्रकाशित नहीं करने के कारण राष्ट्रदूत को सरकार ने विज्ञापन देना बंद कर दिया।

'राष्ट्रदूत' राजस्थान का तीसरा सर्वाधिक सर्कुलेशन वाला दैनिक समाचार पत्र है। इसके आठ संस्करण प्रकाशित होते हैं। राष्ट्रदूत को राज्य के विभागों, बोर्ड व निकायों से इनके विज्ञापन मिलते थे, अब नहीं मिलने के कारण वह 9वें स्थान पर आ गया है।

श्री अशोक गहलोत ने मीडिया में जो बयान दिया वह इस प्रकार था कि हमारी यानी अशोक गहलोत सरकार की न्यूज छापेंगे तो ही विज्ञापन मिलेगा।

इस प्रकरण में पीसीआई ने सभी संबंधित व्यक्तियों को नोटिस किया, सरकार का स्पष्टीकरण भी लिया। राज्य की विज्ञापन पोलिसी का भी विश्लेषण किया। सभी के उत्तर भी लेने का प्रयास किया। वीडियो भी सुना। विज्ञापनों के बाबत राज्य के एकाउन्ट को भी मंगवाया किन्तु बार बार कहने पर नहीं भेजे। एक जांच कमेटी भी बनाई और रिपोर्ट को फाइल का भाग बनाया। यह भी आपत्ति उठाई कि पीसीआई को सुनवाई का अधिकार नहीं है। प्रेस काउन्सिल ऑफ इण्डिया ने सभी पक्षों को सुनने के बाद तथा प्रेस कॉउन्सिल एक्ट 1978 की भी भावना को समझने का प्रयास किया, अपनी findings दीं, वे इस प्रकार हैं:–

1) Curtailing the amount of advertisement released to a newspaper would impact free speech as advertisements themselves, supplement the cost of publishing the newspaper.

2) Rajasthan CM Ashok Gehlot's statement that his government would only give advertisement to media that report "positive stories about the State Government and cited "extreme displeasure" at its advertisement policy that allegedly discriminated against a news paper for these years.

3) The statements made by the CM, "would restrict the supply and dissamination of news of public interest.

Final decision:

4) "The Press Council on consideration or record of the case and report of the Inqiry Committee accepts reasons, findings and adopts the report of the Committee and decides to express the extreme displeasure about the statement in question made by the Chief Minister of Rajasthan, Shri Ashok Gehlot and disposes of the matter accordingly with aforesaid observations."

इस केस के तथ्यों के बाबत कोई मतभेद नहीं है। इन तथ्यों की पृष्ठभूमि में हम समझने का प्रयास करेंगे कि क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मूल अधिकार नागरिकों और प्रेस (मीडिया) को समान रूप से प्राप्त है?

भारत के संविधान ने अपनी उद्देशिका में देश के प्रत्येक नागरिक को विचार व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है और संविधान ने अनुच्छेद 19 में वाक स्वातंत्रय और अभिव्यक्ति स्वातंत्रय का संरक्षण किया है। प्रेस की स्वतंत्रता का उद्गव भी अनुच्छेद 19(1) से ही है यों अनुच्छेद 19 भी अनुच्छेद 21 का ही एक रूप है।

साधारण आदमी की जहाँ पहुँच नहीं वहाँ प्रेस पहुँच सकता है, उसे प्रेस गेलेरी का अधिकार है। प्रेस को यह अधिकार प्राप्त है और इसलिये प्राप्त है कि मीडिया की भूमिका ट्रस्टी के रूप में है। मीडिया, जनता की आँख व कान होते हैं, अतः मीडिया का कार्य जनता के लिये जानकारी उपलब्ध कराना और प्रकाशित करने का है।

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के प्रथम संविधान संशोधन के द्वारा द्वारा वहां के नागरिकों को मुक्त अभिव्यक्ति व धर्म की स्वतंत्रता प्रदान की है। अनुच्छेद 19(1) (क) में वाक स्वातंत्रय व अभिव्यक्त स्वतंत्रता और अनुच्छेद 19(2) में उन्हें सीमित किया है, क्योंकि अनियमित स्वतंत्रता या प्रेस की निरंकुश स्वतंत्रतः पब्लिक ऑर्डर के लिये संकट पैदा कर सकती है। अतः अनुच्छेद 19(1) के अधिकारों में लोक व्यवस्था, देश की प्रभुता व अखण्डता व सदाचार के हितों में इस पर संविधान में युक्तियुक्त प्रतिबंध है वे अनुच्छेद 19(2) में दिये गये हैं।

इंग्लिश कॉमन लॉ हेरिटेज से देश ने खुली अदालत की प्रणाली को अपनाया है ताकि मीडिया कोर्ट की कार्यवाही को रिपोर्ट कर सके। इस प्रकार मीडिया सार्वजनिक सेवा का ही कार्य करता है और जानकारी जनजन तक पहुंचाता है। पत्रकार व प्रेस मीडिया व इलेक्ट्रोनिक मीडिया का यह कर्त्तव्य है कि सही रिपोर्टिंग करें।

यदि हम सिद्धान्त के रूप से देखें तो यह पायेंगे कि व्यक्ति के अभिव्यक्ति के अधिकार और प्रेस के अधिकार में कोई अन्तर नहीं है। हाँ प्रेक्टिस में अन्तर है। साधारण आदमी की जहाँ पहुँच नहीं वहाँ प्रेस पहुँच सकता है, उसे प्रेस गेलेरी का अधिकार है। प्रेस को यह अधिकार प्राप्त है और इसलिये प्राप्त है कि मीडिया की भूमिका ट्रस्टी के रूप में है। मीडिया, जनता की आँख व कान होते हैं, अतः मीडिया का कार्य जनता के लिये जानकारी उपलब्ध कराना और प्रकाशित करने का है। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया को सरोगेट ऑफ पब्लिक माना है। ट्रस्टी की भूमिका तथा जनता के प्रति कर्त्तव्यनिष्ठा को ध्यान में रखें तो मीडिया को स्टेट की परिभाषा में भी माना जा सकता है। सम्भवतः यही कारण है कि मीडिया को डेमोक्रेसी का चौथा स्तम्भ माना गया है। यह एक Statutory Body है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के कई रूप हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचारों, विश्वासों और दृढ़ निश्चयों को अबाध रूप से मौखिक शब्दों के द्वारा लेखन, मुद्रण व चित्रण के द्वारा अभिव्यक्त करने का अधिकार है वह इस बाबत स्वतंत्र है, किन्तु वह निरंकुश भी नहीं हो सकता। पत्रकार प्रशान्त कनौजिया के केस में न्यायालय ने लक्ष्मण रेखा खींची है।

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के प्रथम संविधान संशोधन के द्वारा वहां के नागरिकों को मुक्त अभिव्यक्ति व धर्म की स्वतंत्रता प्रदान की है, किन्तु भारतीय संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मुक्त अभिव्यक्ति न मानकर इस अधिकार के प्रयोग पर युक्तियुक्त प्रतिबंध आरोपित कर दिये, साथ ही स्पष्ट कर दिया कि प्रतिबंध युक्तियुक्त हो। प्रतिबंध युक्तियुक्त है या नहीं, इसे प्रमाणित करने का दायित्व राज्य का है। सर्वोच्च न्यायालय स्पष्ट करते हुये कहा कि "अधिक अच्छा होगा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हित वृहत्तर सामाजिक हितों के अधीन हो"।

प्रेस कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया ने अपने आदेश में इस तथ्य को माना है कि वस्तुतः तीन सालों में कटौती के कारण समाचार पत्र राष्ट्रदूत की आय में कमी आई है और श्री अशोक गहलोत "Guilty of Bias" है। कई अखबारों ने आलोचना की है। The Economic Times of India व Times of India ने श्री अशोक गहलोत को Guilty of Bias कहा है। News Drum का उल्लेख करते हुये कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया ने कहा है कि राष्ट्रदूत को विज्ञापन की राशि की कटौती कर उसकी आर्थिक स्थिति को कमजोर किया है और उनके इस Discriminatory व्यवहार के लिये Extreme Displeasure जाहिर किया है। इस तरह गहलोत सरकार ने जनता को राजनैतिक समाचारों से वंचित किया है। कई समाचार पत्रों ने प्रेस कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया के आदेश को रेफर किया है। The Hindu ने श्री अशोक गहलोत के इस कथन को कि हम केवल उन्हीं न्यूज पेपरों को विज्ञापन देंगे जो राज्य की स्कीमस् का प्रचार करें"। टीवी चेनलस् ने भी गहलोत के विचारों के विरूद्ध कठोर प्रतिक्रिया दी है।

राज्य सरकार व श्री गहलोत का यह कथन की प्रेस कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया को इस प्रकरण को सुनने का अधिकार नहीं है, प्रेस कॉउन्सिल ने सही नहीं माना। प्रेस कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया के समक्ष राज्य सरकार की ओर से Advertisement Policy पेश की गई है। स्टेट की प्ली है कि उसने कोई भेदभाव नहीं किया। स्टेट ने पत्र दिनांक 12.08.2022 के साथ एक Annexure की ओर प्रेस कॉउन्सिल का ध्यान आकर्षित कर कहा है कि स्टेट द्वारा कोई भेदभाव नहीं है। काउन्सिल ने स्पष्ट किया कि Annexure में कोई भेदभाव करने का उल्लेख ही नहीं है।

सरकार के पब्लिक रिलेशन आफिसर ने दिनांक 24.03.2021 का पत्र (ई-मेल) प्रस्तुत किया, जिसमें प्रेस काउन्सिल एक्ट का उल्लेख कर कहा गया है, इसमें प्रेस काउन्सिल को Censure का अधिकार नहीं है। इस आपत्ति को भी प्रेस काउन्सिल ऑफ इण्डिया ने निरस्त किया है। ये सभी कथन प्रेस काउन्सिल की दिनांक 15.11.2022 के आदेश में विस्तार के साथ दिये हैं, जांच कमेटी की रिपोर्ट भी रेकार्ड पर ली है अतः इस लेख में उन्हें विस्तार नहीं दिया है।

सरकार की ओर से जो उत्तर चीफ सेक्रेटरी, आईएण्डपीआरडी ने पेश किया है, उसमें यह लिखा है कि मुख्यमंत्री हमेशा प्रेस की स्वतंत्रता के पेरोकार रहे हैं और प्रेस काउन्सिल ऑफ इण्डिया ने श्री गहलोत द्वारा प्रेस के बाबत जो उद्‌गार अभिव्यक्त किये, 'भारी नाराजगी' जताई है। श्री गहलोत ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि "न्यूज छापोगे तो ही विज्ञापन मिलेंगे" मीडिया को यह खुली चुनौती थी कि "सरकार उन्हीं अखबारों को विज्ञापन देगी जो सरकार की रीति-नीति के बारे में उसके पक्ष में प्रचार प्रसार करेंगे"। इसी को जांच रिपोर्ट में भेदभाव पूर्ण व्यवहार कहा है और Observe किया है कि भविष्य में इस प्रकार के विचारों से दूरी बनायें आदेश की गम्भीरता इसी से उजागर है कि सभी समाचार पत्रों ने एक स्वर से प्रेस काउन्सिल के आदेश का समर्थन किया है।

प्रेस की स्वतंत्रता पर जो उसे संविधान से प्राप्त है यह गम्भीर प्रहार की असाधारण घटना है। कॉउन्सिल ने सलाह दी है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से किनारा किया जावे, क्योंकि प्रेस पर विशेष कर प्रिन्ट मीडिया पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

जी-20 : विश्वास और विश्वसनीयता का नया भारत

विश्व एक है के उद्‌घोष से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-20 की अध्यक्षता को ग्रहण किया है। विश्व के 20 राष्ट्रों के शिखर सम्मेलन में रिकवर टुगेदर - रिकवर स्ट्रोंगर के चिन्तन से खाद्य-उर्वरक, जलवायु, पर्यावरण, ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल ट्रांसपेरेंसी जैसे ज्वलंत वैश्विक चिंतन के विषयों पर निर्भिकता से प्रधानमंत्री ने शिखर सम्मेलन में अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, चीन के प्रमुख महाशक्तियों को उद्‌बोधन के माध्यम से आगाह किया।

'युद्ध के युग' को समाप्त कर 'वसुधैव कुटुम्बकम' की प्रेरणा से विश्व को एकजुट रखना आज की प्राथमिकता है। दुनिया को संकट से उबारने के लिए भारत का राष्ट्रीय पुष्प कमल 'एक विश्व, एक परिवार, एक भविष्य' की आशा से विपरीत परिस्थितियों में उबर कर कमल के स्वरूप में खिलते रहने की प्रेरणा देता है। पिछले 11 महीनों से चल रहे रूस, यूक्रेन युद्ध ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की कई समस्याओं को बढ़ाया है। जी-20 के मंच पर भारत के प्रधान सेवक ने संयुक्त राष्ट्रसंघ की युद्ध को रोकने के प्रयासों की विफलता को निर्भिकता से सामने रखा।

दो विश्व युद्धों के विनाशकारी परिणामों को झेल चुके 193 से अधिक देशों ने संयुक्त राष्ट्र संघ पर संभावित युद्धों के संवाद से समाधान का मंच वर्ष 1945 में प्रदान किया था। किन्तु महासभा और सुरक्षा परिषद के मध्य पर्याप्त विचार-विमर्श के बावजूद भी यह लड़ाई जारी है। तालीबान की कबायली बगावत का कोई समाधान नहीं हो सका। श्रीलंका के राष्ट्राध्यक्ष भवन को भीड़ ने घेरा, पाकिस्तान की सेना और सरकार के मध्य तनाव के बावजूद आतंकवाद परमाणु आक्रमण की चेतावनी यदा-कदा गीदड़ भभकी जारी है। ऐसे ग्लोबल विश्व में कोरोना के संकट से उबरे राष्ट्रों को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर अनेकानेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन परिस्थितियों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्वस्त होकर कहा कि यह पहली या तीसरी दुनिया नहीं है, सम्पूर्ण विश्व एक है जिसके सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी विकास के सामूहिक प्रयास करने होंगे।

एशिया के शोध संस्थान मार्गन स्टेनली के मुखिया चेतन अहा ने पर्याप्त शोध कर भविष्यवाणी की है कि वर्ष 2027 तक भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगी जो कि अमेरिका और चीन के बाद प्रमुखतः विदेशी निवेशकों का महत्वपूर्ण केन्द्र बन जायेगा। भारत की जीडीपी आने वाले दस वर्षों में वर्तमान 3.4 ट्रिलियन डालर से 8.5 ट्रिलियन डालर तक दुगुनी से अधिक हो जायेगी।

जिस भारत को विश्व की उभरती अर्थव्यवस्था माना जा रहा है उस भारत के द्वारा जी-20 के नेतृत्व ने विकसित राष्ट्रों को भारत की बढ़ती महत्ता का परिचय करवाया है। प्रधानमंत्री ने इण्डोनेशिया के बाली में कहा कि दुनिया का विकास भारत को साथ लेकर चलने से ही होगा। भारत की विशालता में

डॉ. निमिषा गौड़

सांस्कृतिक, कला, नवाचार, कर्मठता, ईमानदारी सभी का समावेश है।

वर्ष 2014 के बाद से बदलते भारत के परिवेश में जरूरतमंद देशों को सम्पर्क-सहायता सहयोग से मजबूत दूरदर्शिता का परिचय करवाया। अब नया भारत स्पीड और स्कील से 21वीं सदी में मजबूत स्थान ग्रहण कर रहा है। भारतीय नागरिकों को निःशुल्क वेक्सीनेशन के साथ-साथ आवश्यकतानुसार खाद्यान और दवाईयां भी उपलब्ध करवाई गई।

आज आत्मविश्वास से भरे भारत में 135 करोड़ देशवासियों के विश्वास और विश्वसनीयता ने वैश्विक मंच पर सम्मान हासिल किया है। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में जिस स्पीड से विज्ञान और तकनीकी को नियमित दिनचर्या के जीवन में शामिल किया है, यह अभूतपूर्व है।

सरकार की आम जन तक पहुंच न केवल सुनिश्चित हो सकी है अपितु प्रशासन में पारदर्शिता व जवाबदेहिता ने तंत्र के प्रति लोक की प्रतिबद्धता को स्वीकारा है। इस बदलते परिवेश में शासकीय नीतियों की कथनी और करनी की खाई के युग को समाप्ति की ओर ले गया है।

हाल ही के वित्त वर्ष में नवम्बर तक 10.54 लाख करोड़ रूपये प्रत्यक्ष कर संग्रहण किया है जो भारत की डिजिटल लेन-देन से बढ़ती पारदर्शी अर्थव्यवस्था को परिलक्षित कर रहा है। भारतीय अर्थ के उच्च स्तरीय पैमाने को ख्याति प्राप्त अर्थशास्त्री भी सराह रहे हैं। गांव की सब्जी बेचने वाले, या नियमित रोजगार से जीवन व्यापन करने वालों से लेकर बहुआयामी व्यापारियों तक की जीवनचर्या में डिजिटल लेन-देन अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। भारत सरकार के इस अभूतपूर्व दूरदर्शी कदम की सराहना जी-20 शिखर सम्मेलन में अध्यक्षता ग्रहण करते समय मिली जिसमें भारत को डिजिटल अभियान के आगाज में तेजी से बदलाव के कारण डिजिटल क्रांति की ध्रुव स्थिति में पाया। जी-20 की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य विकासशील देशों की आवाज बनने का आगाज करते हुए कहा कि ग्लोबल ग्रोथ के लिए भारत की ऊर्जा सुरक्षा के प्रयास भी महत्वपूर्ण है। इस विश्वसनीयता के परिणामस्वरूप नवम्बर 2022 तक भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार 544.72 अरब डॉलर के अब तक के ऐतिहासिक रिकार्ड स्तर पर आया है। आज भारतीय स्टार्टअप का डंका भी दुनिया में बजने लगा है जिससे आई.टी. शिक्षा, स्वाथ्य सेवा, कृषि सहित अनेक औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। हाल ही में वृद्धजनों एवं विकलांग बुजुर्गों को सीधी पेंशन देने के लिए 20 दिनों में 25 लाख डिजिटल लाईफ प्रमाण पत्रों को फोटोमय प्रमाणिकता के साथ बनाया गया। अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोनाथन फाइनर ने जी-20 शिखर सम्मेलन के डिक्लेरेशन संयुक्त बयान में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बॉइडन की भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति वैश्विक विश्वसनीयता को स्वीकारने हुए वैश्विक मुद्दों पर भारत से उम्मीदें रखने के लिए प्रतिबद्धता भी जताई। आज जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करने वाले भारत की सहज विकासमान गति को वैश्विक प्रेरक स्वरूप में सामूहिक विकास का आदर्श प्रतिमान मानकर आगे बढ़ा जाएगा। विश्व के शक्तिशाली देशों के मध्य युद्ध के अर्न्तद्वन्द्व को भारत का अन्त्योदय दर्शन रोक सकता है। अब विनाश नहीं विकास से दुनिया को एकजुट कर नया भारत, नई दुनिया के नवीन प्रतिमानों को गढ़ेगा। दिसम्बर 2022 से भारतवासी जी-20 के राष्ट्राध्यक्षों की मेजबानी देश के विभिन्न राज्यों की सनातन सांस्कृतिक विविधताओं और परम्पराओं की समृद्धि के साथ करेंगे।

जी-20 के अद्‌भुत स्वागत को आतुर है विश्व गुरु भारत।

–डॉ. निमिषा गौड़,
(शिक्षाविद, स्वतंत्र टिप्पणीकार)

अलवर राज्य के संस्थापकः रावराजा प्रतापसिंह

राजा विराट के पिता वेणू ने मत्स्यपुरी नामक नगर बसाया जो वर्तमान में माचाड़ी के नाम से प्रसिद्ध है। उसके बाद राजा विराट ने बैराठ नामक नगर की स्थापना की थी। इस प्रकार ऐतिहासिक दृष्टि से अलवर राज्य प्रागैतिहासिक कालीन राज्य है।

महाजनपद काल में यह क्षेत्र मत्स्य महाजनपद के अन्तर्गत आता था जिसकी राजधानी विराटनगर थी जो बाद में मौर्य साम्राज्य के अधीन भी रहा। पूर्व मध्यकाल में यह क्षेत्र गुर्जर प्रतिहारों के अधीन रहा जिनका मुख्यालय राजौरगढ था, जहां महाराजाधिराज श्री सावट तथा मथनदेव प्रमुख राजा हुए। जिनकी प्राचीन राजधानी देवती थी। 14-15 वीं सदी में यहां पर बडगुर्जर राजाओं का राज्य रहा जिसकी राजधानी माचाडी थी। तत्कालीन माचाड़ी राज्य में चंपना देवी एवं प्रला देवी नाम प्रमुख रानीयों का शासन में प्रभाव रहा। सन 1482 ई. में अलावल खां खानजादा ने अलवर का किला निकुंभ क्षित्रयों से छीनकर उसे अपना मुख्यालय बनाया था। अलावल खां का पुत्र हसन खां मेवाती बड़ा ही वीर, प्रतापी, विद्याप्रेमी और देषप्रेमी था, जिसने मुगल बादशाह बाबर के खिलाफ राणा सांगा का सहयोग किया जो बाबर की सेना से लड़ते हुए 17 मार्च, 1527 को वीरगति को प्राप्त हुआ। राणा सांगा पर विजय प्राप्त करने के उपरान्त बाबर ने 7 अप्रेल, 1527 को अलवर में प्रवेश किया। बाबर ने मेवातियों के साथ में वैवाहिक सम्बंध स्थापित कर उठा मेवातियों को नियंत्रित करने की रणनीति अपनायी। इस प्रकार मेवात पर मुगलों का अधिकार हो गया। सन16वीं शताब्दी में माचाडी के हेमू ने मुगलों को परास्त कर दिल्ली पर अधिकार किया तथा विक्रमादित्य की उपाधि धारण कर दिल्ली के सम्राट बने जिनको पानीपत के द्वितीय युद्ध में घायल होने पर मुगलों द्वारा बन्दी बना लिया गया। बाद में उनको मृत्युदण्ड दिया गया। अकबर ने प्रशासनिक दृष्टि से मेवात को दो जिलों अलवर और तिजारा में विभक्त किया। सन् 1761ई. में जब दिल्ली के मुगल शासक कमजोर हो गये तो भरतपुर के शासक सूरजमल जाट ने अलवर दुर्ग पर कब्जा कर लिया।

राव प्रतापसिंह का उदय ऐसे समय हुआ जब 18वीं शताब्दी एवं मुगल साम्राज्य दोनों का उतरार्द्ध का समय था तथा विभिन्न धर्मों एवं जातियों के साहसी लोग विघटित साम्राज्य के खंडहरों पर अपने लिए प्रभुत्व एवं भाग्य बनाने का प्रयास कर रहे थे।

25 नवम्बर, 1775 ई. में रावराजा प्रतापसिंह द्वारा अलवर राज्य की स्थापना से पूर्व भौगोलिक दृष्टि से यह क्षेत्र निम्नलिखित पाँच देशों में विभक्त था–

1. राठ देशः राज्य की उत्तरी - पश्चिम में स्थित है, जो दिल्ली के प्रसिद्ध राजा पृथ्वीराज का वंशज होने का दावा करते हैं। चौहान राजपूत मदन ने सन 1170 ई. में मुण्डावर की स्थापना की। उनके वंशज हंसाजी ने राव की उपाधि प्राप्त की।

2. वाल देशः- अलवर राज्य की पश्चिमी सीमा पर स्थित है और मुख्य रूप से शेखावत राजपूतों के कब्जे में था। कहा जाता है कि शेख जी के पुत्र रायमल इस राज्य (वर्तमान बानसूर क्षेत्र) में वाल परिवारों के पिता थे। इसका क्षेत्रफल 226 वर्गमील था।

3. राजावत देशः- राज्य के दक्षिण-पश्चिमी में स्थित यह क्षेत्र वर्तमान थानागाजी क्षेत्र से मेल खाता है। भानगढ़ यहां का सबसे बड़ा शहर था। एक समय यहां जयपुर के राजावत राजपूतों के कब्जे में क्षेत्र का एक हिस्सा रहा, वे आमेर के राजा भगवंत सिंह के वंशज थे। इसका क्षेत्रफल 365 वर्गमील था।

4. मेवातः- नरू खण्ड को छोड़कर राज्य का शेष भाग मेवात में है, जिसमें आधे से अधिक क्षेत्र शामिल हैं। अलवर नगर इसी क्षेत्र में स्थित है। यहां के अधिकांश निवासी मेव हैं, वे मुसलमान हैं, लेकिन राजपूत मूल के होने का दावा करते हैं। मेवो के कबीले में सबसे अधिक नाई, सिंगल और दूलौत हैं। इसका क्षेत्रफल 1160 वर्गमील था। एक मेवाती कवि ने मेवात की भौगोलिक स्थिति का निम्न शब्दों में वर्णन किया है:-

"इत दिल्ली, उत आगरो, इत अलवर बैराठ,
कालो पहाड़ सुहावनों, जाके बीच बसो मेवात।"

5. नरूखण्डः- यह क्षेत्र नरूका राजपूतो का देश राज्य के दक्षिण-पूर्व में स्थित है। नरूका राजपूतों ने राज्य के आधार का निर्माण कर अलवर राज्य की स्थापना की। इसका क्षेत्रफल 755 वर्गमील था।

अलवर राज्य के राजा कच्छवाहा राजवंश की लालावत नरूका शाखा के हैं। अलवर के नरेश आमेर के चौदहवें राजा राव उदयकरण के ज्येष्ठ पुत्र बरसिंह के वंशज हैं। वरसिंह के पौत्र नरू से नरूका शाखा चली और नरू के पुत्र राव लाला

डॉ. डी. सी. मीना

से लालावत नरूका कहलाये।

इनके वंशज कल्याण सिंह ने मिर्जा राजा जयसिंह के पुत्र कीर्ति सिंह के साथ मिलकर कामां (भरतपुर) के उपद्रवी मेवों का दमन किया। एक स्थानीय किवदन्ती उस कारण से संबंधित है जिसने कल्याणसिंह को माचाड़ी लौटने के लिए प्रेरित किया। ऐसा कहते हैं कि उन्होने सती होने से ठीक पहले खेरात सिंह की विधवा से निर्देश मांगा जिसने सती होने से ठीक पहले उत्तर दिया किः-

"जाओ बस, अब देश में, राव कल्याणजी आप,
आगे कुल में होंगें, प्रताप एक प्रताप।"

कल्याण सिंह के पांच पुत्रों में आनन्द सिंह माचाडी के, श्याम सिंह पाडा के, जोधसिंह पाई के, अमर सिंह खोहरा के एवं ईश्वरी सिंह पलवा के जागीरदार बने।

माचाडी के जागीरदार आनन्द सिंह (उठासिंह) के बाद हाथीसिंह, मुकन्द सिंह व तेजसिंह माचाड़ी की गद्दी पर बैठे। तेजसिंह के दो पुत्र हुए, जोरावर सिंह एवं जालिम सिंह। जोरावर सिंह के पुत्र मौहब्बत सिंह माचाडी के जागीरदार बने, जो 1756 में बरवाड़े के युद्ध में जयपुर की ओर से लडते हुए वीरगति को प्राप्त हुआ। मौहब्बत सिंह की मृत्यु के बाद इनके पुत्र प्रतापसिंह माचाड़ी के जागीरदार बने। प्रताप सिंह का जन्म माचाडी में 01 जून 1740 को मौहब्बत सिंह एवं उनकी रानी बख्तकंवर के घर हुआ। पिता की मृत्यु के बाद प्रतापसिंह को एकमात्र जन्मसिद्ध अधिकार के रूप में उल्वर क्षेत्र के नरूखंड में ढाई गांव विरासत में मिले और उन्हे तब तक "अढाई गांव का ठाकुर" कहा जाता था। प्रतापसिंह की ऊर्जा, अभिव्यक्ति, शारीरिक शक्ति एवं व्यक्तिगत चरित्र ने उन्हे आमेर दरबार में एक प्रमुख व्यक्ति बना दिया। जयपुर दरबार में राजा के दाहिनी ओर (प्रथम सीट) बैठने को लेकर प्रताप सिंह का चौमूं के ठाकुर जोधसिंह से विवाद हो गया। विवाद को शांत करने के लिए राजा द्वारा आदेश पारित किया गया कि एक दिन राव प्रताव सिंह एवं दूसरे दिन जोधसिंह उसी स्थान पर बैठेंगे लेकिन राव प्रताव सिंह चौमूं के ठाकुर जोधसिंह की आखों में खटकने लगे। प्रतापसिंह ने सर्वप्रथम अपने मुखिया के आदेश की पालना करते हुए उनियारा के अशांत नरूकाओं को शांत करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। यहीं से आमेर प्रमुख और प्रतापसिंह के बीच भय एवं अविसश्वास की शुरूआत हुई।

गंगाधर तांतिया के नेतृत्व में रणथम्भौर के किले पर मराठों ने चढाई कर दी तब प्रतापसिंह ने बड़ी वीरता दिखाते हुए 18 नवम्बर, 1759 को काकोड के युद्ध में मराठों को हरा दिया तथा रणथम्भोर पर महाराजा माधोसिंह का अधिकार हो गया। रणथम्भौर विजय के बाद प्रतापसिंह की प्रसिद्दि बहुत बढ़ गई। राजा माधोसिंह को ज्योतिषियों एवं कुछ दरबारियों ने भड़का दिया जिससे राजा माधोसिंह ने शिकार करने के बहाने प्रताप सिंह पर हमला कर दिया, लेकिन प्रताप सिंह बाल-बाल बच गये। प्रताप सिंह ने जान बचाने के लिए इस क्षेत्र को छोडना ही उचित समझा एवं राजगढ चले गये। माचाड़ी के राव प्रतापसिंह ने इन सभी परिस्थतियों को बहुत ही चतुराई से अपने लिए अनुकूल बनाया। बाद में महाराजा जवाहर सिंह के शिविर को छोड़कर अलवर की ओर से जयपुर जाकर मावंडा और मंडोली के युद्ध में प्रतापसिंह ने जयपुर नरेश का साथ दिया एवं युद्ध में जीत जयपुर नरेश की हुई। प्रतापसिंह के लिए यह युद्ध पूरी तरह साकार हुआ। जयपुर नरेश माधोसिंह ने पहले तो इस जीत की खुशी में उन्हें न केवल अपनी पिछली गलतियों के लिए क्षमा किया गया, बल्कि माचाड़ी की जागीर को बहाल कर दिया और राजा शब्द को उनके पूर्व शीर्षक के साथ जोड़ने का समर्थन किया तथा राजगढ़ में किला बनाने की अनुमति दी। जयपुर में माधोसिंह की मृत्यु के बाद हुए विकार में उसने टहला, राजपुर, प्रतापगढ, अजबगढ और गाजी का थाना पर कब्जा कर लिया। अलवर की चौकी का वेतन जो उस समय भरतपुर वहन करता था, राज्य में प्रचलित अराजकता के कारण बकाया था। इसके कमाण्डर फौजदार नवलसिंह ने टहला में प्रतापसिंह से मुलाकात कर आपसी वार्तालाप से 25 नवम्बर, 1775 को अलवर को सौंप दिया। इस प्रकार अलवर रियासत का एक स्वतंत्र राज्य के रूप में उदय हुआ। प्रताप सिंह की मृत्यु जनवरी 1791 ई. को हुई। प्रतापसिंह के कोई संतान नहीं थी। अतः उसने मृत्यु के पहले थाना के ज़ागीरदार धीरसिंह के पुत्र बख्तावरसिंह को गोद लेकर उसे अपना उत्तराधिकारी बना दिया था। अपने उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए उसने 12 कोटड़ियों के लड़कों को इकट्ठा किया। उनके सामने विभिन्न प्रकार के खिलौने व अस्त्र-शस्त्र रख दिये और उन्हे अपनी पसन्द की वस्तुए लेने को कहा गया। बख्तावरसिंह ने तब और बालकों की भांति खिलौने पसन्द न कर ढाल-तलवार पसन्द की। अतः प्रतापसिंह ने रक्त संबंध में निकटता की बजाय योग्यता के आधार पर बख्तावरसिंह को अपना उत्तराधिकारी चुना।

बख्तावरसिंह ने भी रावराजा प्रतापसिंह की विलय नीति का पालन किया। सन् 1803 में लासवाड़ी की लड़ाई में मराठों के खिलाफ अंग्रेज जनरल लार्डलेक की मदद की थी। इसके बाद में राज्य का उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में राठ का परगना, हरियाणा तथा मेवात के कुछ हिस्से अलवर राज्य को मिल गये। पुनः 28 नवम्बर 1803 की एक सनद द्वारा परगना इस्माइलपुर और मुंडावर तथा सूबा शाहजहांपुर में से दरबारपुर, रताई, नीमराणा, मांढन, धीलोट, बीजवाड, सराय, दादरी, लोहारू, बूडलाव और भौंकर अलवर राज्य को मैत्री स्वरूप दिये गये। 15 अक्टूबर सन् 1805 में अंठोजों एवं बख्तावर सिंह के बीच एक इकरारनामा हुआ जिसके तहत अलवर से दादरी, बुधवाना और भावना के परगने के बदले में अंठोजों ने तिजारा, टपूकडा एवं कठूमर के परगने अलवर राज्य को दे दिये गये। एक लाख रूपये देकर किशनगढ का किला भी प्राप्त किया गया।

इस प्रकार अलवर राज्य की उत्पत्ति एक उल्लेखनीय व्यक्ति की प्रतिभा एवं कौशल के कारण हुई जिसने जयपुर के महाराजाओं के अधीन ढ़ाई गांव की अपनी मूल विरासत का विस्तार कर एक स्वतंत्र राज्य की स्थापना की जो आकार में इंग्लैण्ड की दो कांउटियों के बराबर था जिसको बख्तावर सिंह ने पूर्ण आकार दिया। अलवर राज्य की स्थापना के लगभग 100 वर्ष बाद प्रताप सिंह की नीतियों का अनुसरण कर यूरोप में जोसेफ मैजिनी, कावूर एवं गैरीवाल्डी ने 1870-71 ई. में इटली का तथा बिस्मार्क ने जर्मनी का एकीकरण किया।

–डॉ. डी. सी. मीना,
आर.ए.एस.

राशिफल शुक्रवार 25 नवम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीष मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, ज्येष्ठा नक्षत्र सांय 5:21 तक, सुकर्मा योग प्रातः 8:43 तक, बालव करण दिन 12:06 तक, चन्द्रमा सांय 5:21 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-वृष, बुध-वृश्चिक, गुरू-मीन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 8:17 तक, लाभ-अमृत 8:17 से 10:52 तक, शुभ 12:14 से 1:32 तक, चर 4:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:58, सूर्यास्त 5:29

मेष

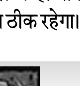

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृष

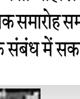

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन

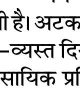

आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क

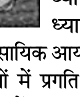

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

सिंह

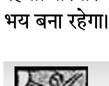

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में आपसी अनबन बढ़ने का भय बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या

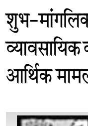

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा।

तुला

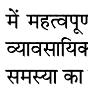

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक

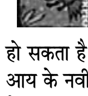

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय के नवीन स्त्रोत सामने आयेंगे। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

धनु

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

मकर

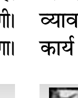

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कुंभ

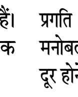

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मीन

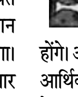

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

आप भी आइए, म्युचुअल फ़ंड्स के मैदान में!

MUTUAL FUNDS सही है

म्युचुअल फ़ंड निवेश बाज़ार के जोखिमों के अधीन हैं, योजना से जुड़े सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें।

संक्षिप्त

एबीवीपी की कार्यकारणी घोषित

अजमेर, (कासं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अजमेर की मधुकर नगर इकाई एवं दयानंद नगर इकाई का एक दिवसीय नगर अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ। सरस्वती माता और स्वामी विवेकानंद के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर पदाधिकारियों का परिचय करवाया गया। प्रथम सत्र में महानगर मंत्री विकास गोरा ने संगठन परिचय दिया और कार्यकर्ताओ को एबीवीपी के गौरवमय इतिहास का वर्णन किया। द्वितीय सत्र में महानगर विस्तारक प्रतिक ने आचार विचार एवं कार्यपद्धति की जानकारी देते हुए बताया की वर्ष भर में एबीवीपी छात्रों हितों को सर्वोपरि रखते हुए समाज के बीच कार्य करती है। महानगर मंत्री गोरा ने मधुकर नगर के लिए लक्ष्यराज सैनी और दयानंद नगर के लिए विकास सिवासिया की सर्वसहमति से घोषणा की।घोषणा सत्र में नवीन दायित्वों की घोषणा करते हुए मधुकर नगर के लिए जीसीए इकाई अध्यक्ष आकाश सिंह राजावत, मोनू सिंह ,उमेश टांक अन्य कार्यकर्ताओ ने नवीन दायित्ववान कार्यकर्ताओ का अभिनंदन किया।

हादसे में महिला व वृद्ध की मौत

भीलवाड़ा। शहर के सदर थाना इलाके से गुजर रहे भीलवाड़ा हलेड मार्ग पर एक तेज रफ्तार बजरी भरे ट्रैक्टर ने सवारियों से भरे ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला और वृद्ध की मौत हो गई, आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर मोर्चरी के बाहर कई घंटों प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार रोड पर एक तेज रफ्तार अवैध बजरी भरा ट्रैक्टर सड़क पर सरपट दौड़ रहा था उसने ग्रामीण इलाकों से शहरी क्षेत्र में आ रहे एक सवारियों से भरे ऑटो को हलेड रोड के निकट टक्कर मार दी, हादसा इतना भीषण था की एक वृद्ध रामेश्वर जाट और हलेड की रहने वाली सुगना पत्नी कैलाश सुवालका की मौके पर ही मौत हो गई। मौत की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गयी आक्रोशित भीड़ ने अवैध बजरी माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और मृतक परिवारों को मुआवजा देने की मांग करते हुए मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। समझाइश के बाद पुलिस ने मामला शांत करवाया।

शैक्षिक सम्मेलन केकड़ी में

सरवाड़, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील का 60वां प्रदेश महाअधिवेशन केकड़ी में 25-26 नवंबर को होने जा रहा है सम्मेलन में प्रदेश के हजारों शिक्षक भाग लेंगे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि पूर्व चिकित्सामंत्री और गुजरात प्रभारी रघु शर्मा रहेंगे व अध्यक्षता केसर लाल चौधरी करेंगे सम्मेलन में अधिक से अधिक शिक्षको को भाग लेने की अपील की वही सम्मेलन केकड़ी के नगरपालिका रंगमंच पर आयोजित होगा यह जानकारी शिव प्रकाश शर्मा ने दी उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में अधिक से अधिक शिक्षक भाग लेंगे। इस अवसर पर अब्दुल मजीद आसाम, राजेंद्र सिंह राठौड़, राजेंद्र यादव,अब्दुल रज्जाक, अब्दुल सलाम हरसोरी, आदित्य दाधीच, महबूब अली, सुभाष जांगिड़, गोपाल चौधरी, रामअवतार साहू ,रोशन अली, लालचंद रतावल, अब्दुल वहाब ने विद्यालयों में पहुंचकर सम्मेलन का न्यौता दिया।

सड़क हादसे में एक युवक की मौत

मसूदा, (निसं)। मसूदा थानांतर्गत ग्राम कुशलपुरा निवासी दिनेश सिंह पुत्र नारायण सिंह उम्र 21 वर्ष की ट्रैक्टर की टक्कर से मौत हो गई वही दूसरा युवक जयसिंह घायल हो गया ।दोनो युवकों को मसुदा चिकित्सालय लाया गया।जहा डॉक्टर ने दिनेश सिंह को मृत घोषित कर दिया व जय सिंह का प्राथमिक उपचार किया गया ।जयसिंह की हालत गम्भीर होने के कारण डॉक्टर द्वारा रेफर किया गया । घटना की जानकारी मसूदा पुलिस को दी गई मसुदा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शव को मसूदा चिकित्सालय की मोर्चरी में रखाया जहा मृतक दिनेश का गुरुवार को पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौप दिया।

सीरियल से आया था पत्नी की हत्या का विचार

अजमेर, (कास)। शादी करीब के 25-26 दिन बाद पत्नी की हत्या बुधवार को की गई हत्या के मामले में गुरूवार को नया मामला सामने आया है, आरोपी पति मुकेश ने हत्या से पहले क्राइम पेट्रोल सीरियल देखा था।

सीरियल से उसे हत्या करने की तरकीब मन में आई, उसने पत्नी की चाकू से गला रेत दिया ओर सांसे निकलने तक पेट पर चाकू से लगातार वार करता रहा। मृतका जेनिफर की मां ने पुलिस से आरोपी को फांसी की सजा दिलवाने की मांग की है। डीएसपी छवी शर्मा ने बताया कि आरोपी मुकेश सिंधी ने बुधवार सुबह रसोई में नाश्ते के लिए पोहा और दूध गर्म कर रहा था। इस दरम्यान उसका जेनिफर से दहेज को लेकर झगड़ा हो गया। पति ने पूछताछ में बताया कि शादी में 4 लाख रुपए खर्च हुए थे। इनमें से वह 2 लाख रुपए किसी से उधार लेकर आया था।

नाश्ता बनाने के दौरान पत्नी से इन्हीं रुपए को लेकर झगड़ा शुरू हो गया। वह चाह रहा था कि ये 2 लाख रुपए जेनिफर उसे दे। इसके लिए उसने पीहर से रुपए मंगवाने की बात कही। इस बात को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी पति मुकेश कुमार ने चाकू से गला काट डाला। इस दौरान जेनिफर की चीख निकल पड़ी। इसके बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

डीएसपी के अनुसार मुकेश ने पूछताछ में बताया कि वह टीवी पर क्राइम पेट्रोल सीरियल देखता था। इसी से उसे लाश ठिकाने लगाने और सबूत मिटाने की तरकीब उसके दिमाग में आई। इसी तरकीब के जरिए उसने पूरे घर में पोंछा लगाया और शव को पुष्कर की पहाड़ियों में फेंका ताकि वह पकड़ा नहीं जाए। आरोपी मुकेश ने हत्या करने के बाद अपनी बुजुर्ग मां को भी कॉल कर बताया था कि उसने पत्नी का गला रेत कर हत्या कर दी। जिस पर उसकी मां ने उसे कहा था कि वह पुलिस के पास चला जाए। इस दौरान पुलिस ने कलेक्ट्रेट के पास से उसे पकड़ लिया था।

एफएसएल टीम ने जुटाए सबूत :- बुधवार देर रात अंधेरा होने के चलते पुलिस ने घटनास्थल को सीज कर दिया था। गुरुवार सुबह डीएसपी छवी शर्मा, थाना प्रभारी अरविंद चारण मुकेश को लेकर द्वारका नगर स्थित उसके घर पहुंचे। जहां उससे घटना की जानकारी ली गई। इसके साथ ही मौके पर एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। मौके से साक्ष्य जुटाए गए हैं। पूछताछ में सामने आया कि इस पूरे घटनाक्रम को आरोपी ने करीब 2 घंटे में ही अंजाम दिया था। पुलिस की ओर से घटनास्थल से वारदात में उपयोग में लिए गए चाकू बरामद कर लिए है। इसके साथ ही वारदात में उपयोग में ली गई स्कूटी और सबूत मिटाने के लिए की गई सफाई के उपयोग में लिए गए कपड़े भी बरामद कर लिए है।

गौरतलब है कि बुधवार को द्वारका नगर गली नंबर-4 चौरसियावास निवासी 36 साल के कपड़ा कारोबारी मुकेश कुमार केशवानी ने अपनी 32 साल की पत्नी जेनिफर की घर में गला रेत कर बेरहमी से हत्या कर दी थी। आरोपी पति ने पत्नी के शव को बोरे में डाला और उसे स्कूटी पर ले गया और पुष्कर की पहाड़ियों में फेंक दिया। पड़ोसियों ने उसे पत्नी की बॉडी को ले जाते हुए देख लिया था। पड़ोसियों ने क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस को सूचना दी और पुलिस ने जेनिफर के परिवार की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया था। हत्या के एक दिन पहले 22 नवंबर को मुकेश और जेनिफर घूमने के लिए पुष्कर भी गए थे। इसके अगले ही दिन मुकेश ने पत्नी की हत्या कर दी।

मेडिकल बोर्ड से करवाया पोस्टमॉर्टम :- गुरुवार को क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस की ओर से जेएलएन हॉस्पिटल की मोर्च्यूरी में जेनिफर के परिजनों को बुलाया गया। पुलिस की ओर से मेडिकल बोर्ड का गठन कर पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई की गई। पोस्टमॉर्टम के बाद बाद शव को मां और उसके छोटा भाई को सौंप दिया।

3 विषयों की मॉडल उत्तर कुंजियाँ जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा प्राध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के म्यूजिक, संस्कृत (ग्रुप-ए), ड्राइंग (ग्रुप-सी) विषयों की मॉडल उत्तर कुंजियाँ वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। आयोग द्वारा 11 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2022 तक इस परीक्षा का आयोजन किया गया था। आयोग के उप सचिव सुनील रांका ने बताया कि यदि किसी भी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 26 नवंबर से 28 नवंबर को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है।

आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करनी होंगी। इस परीक्षा के मॉडल प्रश्न-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आपत्ति प्रामाणिक (स्टैंडर्ड, ऑथेंटिक) पुस्तकों के प्रमाण सहित ऑनलाइन ही प्रविष्ट करें । वांछित प्रमाण संलग्न नहीं होने की स्थिति में आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। उक्त परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त यदि कोई अन्य व्यक्ति आपत्ति दर्ज करवाते हैं, तो उन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

इंदिरा रसोई योजना का निरीक्षण

बिजयनगर, (निसं)। जिला कलेक्टर अन्शदीप ने पुराने बस स्टैंड स्थित आश्रय स्थल एवं इंदिरा रसोई योजना का औचक निरीक्षण किया उपखंड अधिकारी संजू मीणा तहसीलदार सत्यवीर सिंह यादव अधिशासी अधिकारी विकास कुमावत से जिला कलेक्टर अंशदीप ने आश्रय स्थल एवं इंदिरा रसोई योजना के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आश्रय स्थल संचालक मुकेश सेन से आश्रय स्थल मे ठहरने वालेलोगों के संदर्भ में जानकारी ली।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि घीसी बानू पत्नी श्री अब्दुल जब्बार शाह निवासी तारों का खेड़ा बिजयनगर के खसरा संख्या 3950 में विद्यमान भूखंड प्राइवेट मानचित्र के अनुसार जरिए इकरार बेचाननामा खरीद किया था। उक्त भूखंड घीसी बानू का खरीदशुदा है जो कि दिनांक 3/7/2002 से पूर्व के निष्पादित मूल इकरारनामा रास्ते में गिर जाने से गुम हो गए हैं जिसकी काफी तलाश के जाने पर भी नहीं मिले। मूल दस्तावेज़ चेन से खातेदार उसका मूल इकरारनामा गुम हो गया है जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट ऑनलाइन दर्ज करवा रखी है जिसकी ईमित्र रसीद संख्या 22491275185/दिनांक 24/11/2022 है। यह कि उक्त भूखंड का पट्टा हेतु मुझ द्वारा आम सूचना प्रकाशन कर्ता के नाम से नगरपालिका बिजय नगर में आवेदन कर रखा है। जिस किसी को भी आपत्ति हो वह सात दिवस के भीतर समय अवधि में नगर पालिका बिजयनगर में आपत्ति दर्ज करवा सकता है बाद मियांद गुजरने पर उक्त खसरे में विद्यमान भूखंड संख्या 59 का पट्टा नियम अनुसार नगर पालिका बिजयनगर द्वारा मेरे नाम पर जारी कर सकती है। भवदीय

मिट्ठू लाल पुत्र मूलाराम हरिजन ग्राम लोडियाना तहसील बिजयनगर जिला अजमेर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि लादूराम पुत्र श्री हीरा वेद नाई के द्वारा ग्राम चौसला गोपाल बाड़ी खसरा नंबर 3980, 3981, 3982 में विद्यमान भूखंड संख्या 59 प्राइवेट मानचित्र के अनुसार जरिए इकरार बेचान नामा खरीद किया था। उक्त भूखंड लादूराम वल्द हीरालाल का खरीदशुदा है जोकि दिनांक 18/7/1996 से पूर्व के निष्पादित मूल इकरारनामा के दस्तावेज कहीं गिर जाने से गुम हो गए जिसकी काफी तलाश करने पर भी नहीं मिले हैं। मूल दस्तावेज़ चेन से खातेदार उसका मूल इकरारनामा गुम हो गया है जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट ऑनलाइन दर्ज करवा रखी है जिसकी एलआर नंबर 1516215/2022 दिनांक 23/7/2022 है। यह कि उक्त भूखंड का पट्टा हेतु मुझ द्वारा आम सूचना प्रकाशन कर्ता के नाम से नगरपालिका बिजय नगर में आवेदन कर रखा है। जिस किसी को भी आपत्ति हो वह सात दिवस के भीतर समय अवधि में नगर पालिका बिजयनगर में आपत्ति दर्ज करवा सकता है बाद मियाद गुजरने पर उक्त खसरे में विद्यमान भूखंड संख्या 59 का पट्टा नियम अनुसार नगर पालिका बिजयनगर द्वारा मेरे नाम पर जारी कर सकती है। भवदीय

मुन्नी पत्नी चुन्नी लाल बेरवा निवासी तारों का खेड़ा बिजयनगर जिला अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

न.नि.अ./22-23/एम.बी.1896 दिनांक: 24-11-22

आपत्ति सूचना

श्री प्रवीण कुमार यादव पुत्र स्व. श्री विजय कुमार यादव निवासी 241 मेन रोड रिलायंस फ्रेश के पास वैशाली नगर अजमेर द्वारा एक सम्पति/भूखण्ड संख्या 241-ए, 241-बी 242 अंकित है जिस पर ए.एम.सी नं. 124/1 अंकित है जो वाके आनासागर सरक्यूलर रोड, थोक तेलियान अजमेर अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 487.73 व.मी. है भूमि के आवासीय से वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक उपयोग हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानसार हैं।

पूर्व - भूखण्ड संख्या 243 / पश्चिम - इसी सम्पत्ति का शेष भाग
उत्तर - इसी सम्पत्ति का शेष भाग व बाद योजना के अन्य भूखण्ड / दक्षिण - रास्ता आम सड़क आनासागर सरक्यूलर रोड

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

न.नि.अ./22-23/एम.बी.1897 दिनांक: 24-11-22

आपत्ति सूचना

श्री प्रवीण कुमार यादव पुत्र स्व. श्री विजय कुमार यादव निवासी 241 मेन रोड रिलायंस फ्रेश के पास वैशाली नगर अजमेर द्वारा एक सम्पति/भूखण्ड संख्या 241-ए, 241-बी 242 अंकित है जिस पर ए.एम.सी नं. 124/1 अंकित है जो वाके आनासागर सरक्यूलर रोड, थोक तेलियान अजमेर अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1114.82 व.मी. है भूमि के आवासीय से वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक उपयोग हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानसार हैं।

पूर्व - इसी सम्पत्ति का शेष भाग / पश्चिम - भूखण्ड संख्या 240
उत्तर - यू.आई.टी. योजना के अन्य भूखण्ड / दक्षिण - रास्ता आम सड़क आनासागर सरक्यूलर रोड

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

खरीदशुदा जमीन पर बदनियती से कब्जा करने का मामला दर्ज

केकड़ी, (निसं)। शहर में इन दिनो कुछ ऐसे लोगो का गिरोह सक्रिय है जो लोगो की खरीदशुदा जमीन को दोबारा खरीद कर उस पर बदनियती से कब्जा करने की कोशिश करते है। सिटी पुलिस थाने में इसी तरह का एक मामला दर्ज हुआ है।

पलिस के अनुसार इस संबंध में केकड़ी निवासी प्रज्जवल टांक ने सरसड़ी निवासी रामदेव पुत्र रामसुख गुर्जर व भैरूलाल जाट पुत्र बरदाराम जाट के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में प्रज्जवल टांक ने बताया कि उसके पिता पीयूष टांक ने रामदेव पुत्र रामसुख गुर्जर निवासी सरसड़ी से खसरा नंबर 2534 में काटी गई बीएल मार्केट कॉलोनी के प्लॉट सं. 1, 2 व 3 और इनके पीछे पड़त प्लॉट क्षेत्रफल 3661 वर्ग फीट को जरिए रजिस्टर्ड विक्रय पत्र से 6 नवंबर 2013 को खरीद कर कब्जा लिया था।

इसी कॉलोनी के प्लॉट संख्या 4 और 5 को रामदेव गुर्जर ने लालचंद माली को बेचा हुआ था। जो प्लॉट भी प्रज्जवल टांक के पिता ने जरिए रजिस्टर्ड 10 फरवरी 2014 को लालचंद माली से खरीद कर कब्जा प्राप्त कर लिया। खरीदशुदा प्लॉट पर सुरक्षार्थ बाउंड्री वॉल बनाकर गेट की जगह छोड़ दी। उनकी संपत्ति के पड़ौस में ही भेरु लाल जाट की संपत्ति है। भेरूलाल प्रार्थी की संपत्ति खरीदकर उसकी संपति की कीमतों में वृद्धि की नियत रखता था। इसके चलते रामदेव गुर्जर व भेरू लाल जाट ने आपस में मिलकर प्रार्थी को कहा कि वह उसकी संपत्ति भेरु लाल जाट को बेच दे।

प्रार्थी ने बेचने से मना कर दिया। जिसके बाद आरोपित रामदेव गुर्जर व भेरू लाल जाट की यह जानते हुए कि खसरा नंबर 2534 कि संपूर्ण आराजियाता जिस पर जरिये रजिस्टर्ड प्लॉट है बावजूद रामदेव गुर्जर ने जमीन को भेरु लाल जाट को बेच दी। रामदेव गुर्जर व भेरू लाल जाट ने आपराधिक षड्यंत्र रचते हुए प्रार्थी के साथ धोखाधड़ी की है। भैरुलाल जाट को भी यह जानकारी थी कि प्रार्थी के पिता के पक्ष में कॉलोनी के प्लॉट संख्या 1 से 5 व उसके पीछे स्थित प्लॉट की रजिस्ट्री है। इसके बावजूद प्रार्थी को हानि पहुंचाने की नियत से प्रार्थी को अवैध रूप से बेदखल करने की नियत से धोखाधड़ी में शामिल होते हुए संपत्ति खरीदी है। सिटी थाना पुलिस ने प्रज्वल टाक पुत्र स्व. पीयूष कुमार टाक की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फैक्ट्री से कीमती कार्ड लेकर नौकर फरार

अजमेर, (कास)। आदर्श नगर थाना क्षेत्र स्थित पालरा इंडस्ट्रीज एरिया में एक नौकर फैक्ट्री में लगी कीमती कार्ड लेकर फरार हो गया। इस मामले की शिकायत मालिक द्वारा थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए अनुसंधान शुरू कर दिया है। पीडित् मालिक हर्षवर्धन ने बताया कि पालरा इंडस्ट्रीज एरिया में उसकी श्रीनाथ पैकेजिंग इंडस्ट्रीज के नाम से फैक्ट्री है, जहां पर डिजाइनिंग और प्रिंटिंग के साथ ही पैकेजिंग का काम किया जाता है। इस फैक्ट्री में सभी काम डिजिटल रूप से किया जाता है, जिसके कारण 10 से 12 लाख रुपए के कार्ड फैक्ट्री में लगाए गए हैं। मालिक हर्षवर्धन ने फैक्ट्री में कार्यरत कर्मचारी गुंजन सिंह पर 8 इलेक्ट्रोनिक कार्ड चुराने का आरोप लगाते हुए जिसके संपूर्ण दस्तावेज पुलिस को दिए हैं। गुंजन सिंह बिहार दरभंगा का रहने वाला है, जो पिछले लंबे समय से फैक्ट्री में ही काम कर रहा था।

Name Change

I Nirmala Devi Samyani resi. H.No. 185/24. chand Bavri, Ved Brahmanand Marg, Ajmer (Raj.) I have changed my name from Nirmala Devi Samyani to Nirmala Samyani. so that in future I shall be known by this name only.

नाम परिवर्तन

मैं अनीता माचिवाल अपना नाम अनीता माचिवाल (ANITA MACHIWAL) से सरला खंडेलवाल (SARLA KHANDELWAL) करवा लिया है। भविष्य में मुझे सरला खंडेलवाल (SARLA KHANDELWAL) W/O AJAY MACHIWAL (अजय माचिवाल) से ही जाना व पहचाना जावे। सभी सरकारी दस्तावेजों में मेरा नाम सरला खंडेलवाल (SARLA KHANDELWAL) ही है अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

पता- सरला खंडेलवाल अजय माचीवाल 479/12 गली नं. 1 न्यू गोविन्द नगर रामगंज गुर्जर छात्रावास के पास अजमेर

आवाहान प्रपत्र

न्यायालय श्रीमान् जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजमेर उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र प्रार्थना पत्र 46 /2017 श्रीमति धनवन्ती पत्नि स्व श्री सम्पत्त सिंह ज्योतियाना, आयु- 60 वर्ष, जाति- निवासी- मकान संख्या 769/29, नागबाई, पीपल का कुआ, धोलाभाटा रोड, अजमेर -प्रार्थीया

बनाम

1. श्रीमान मुख्य कारखाना प्रबंधक, कैरिज कारखाना, अजमेर
2. श्रीमति कल्पना पनि स्व. श्री चंचल कुमार, आयु- 30 वर्ष, निवासी- मकान संख्या 769 / 29, नागबाई, पीपल का कुआ, धोलाभाटा रोड, अजमेर
3. मास्टर मयंक ज्योतियाना नाबलिग जरिये प्राकृतिक माता एवं संरक्षिका श्रीमति कल्पना पत्नि स्व0 श्री चंचल कुमार, आयु- 30 वर्ष, निवासी- मकान संख्या 769/29, नागबाई, पीपल का कुआ, धोलाभाटा रोड, अजमेर
4. श्रीमान प्रबंधक भारतीय बीमा निगम, कार्यालय अजमेर। -अप्रार्थीगण

प्रपत्र वास्ते सूचनाः-

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित को जरिये इस प्रपत्र के सूचित किया जाता है, कि श्रीमति धनवन्ती पनि स्व श्री सम्पत्त सिंह ज्योतियाना, आयु 60 वर्ष, जाति, निवासी मकान संख्या 769/29, नागबाई, पीपल का कुआ, धोलाभाटा रोड, अजमेर ने इस न्यायालय के समक्ष एक प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम, 1925 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि मृतक चंचल कुमार द्वारा छोड़ी राशि जिसका विवरण अनुसूची अ में दिया गया है, जिसके बाबत उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र प्रदान किया जावे। अतः जिस किसी व्यक्ति को उक्त मृतक चंचल कुमार की छोड़ी गई राशिया जिसका विवरण अनुसूची ''अ'' में किसी भी प्रकार अभिरूचित, कोई ऐतराज हो तो इस प्रपत्र के जरिये सूचित किया जाता है कि वह इस न्यायालय के समक्ष तारीख पेशी दिनांक 01-12-2022 को प्रातः 10.00 AM पर उपस्थित होकर अपने एतराज पेश कर सकते है। और कार्यवाही मुकदमा मे भी भाग ले सकते है। बसब्त मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत के आज दिनांक 29-10-202 को जारी किया गया।

आदेशानुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश, वरिष्ठ मुंसरिम जिला एवं सेशन न्यायाधीश अजमेर

तीस परिवारों को पट्टे बांटें

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। नगर परिषद द्वारा काफी समय मकान के मालिकाना हक के लिये परेशान वार्ड नं. 47 के वाशिंदो को बड़ी राहत देते हुए 30 से अधिक परिवारों को मकान के पट्टे वितरण किये गये। पट्टा वितरण समारोह में पार्षद शंकर शर्मा के सार्थक प्रयासों के चलते सभापति दिनेश सिंह राठौड व कार्यवाहक आयुक्त परसाराम सैनी ने जरूरतमंद तीस से अधिक घर वालों को पट्टे वितरित किये। सभापति राठौड ने कहा की प्रशासन शहरों के संग अभियान को लेकर निरंतर आमजन को सौगात दी जारी है, इसी के चलते अजमेर जिले में किशनगढ़ नगर परिषद ने रिकार्ड कायम कर सर्वाधिक पट्टे वितरण किये। वार्डवासियो ने पट्टा मिलने पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभापति दिनेश सिंह राठौड, आयुक्त परसाराम सैनी, पार्षद शंकर शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान पार्षद विक्रम गुर्जर, सुरेन्द्र सिंह, बलराम सामरिया, मानाराम जाट, मानवेंद्र सिंह खंगारोत, मनीष टेलर, सहित हिमांशु टाक, कौशल नायक एवं वार्डवासी, अधिकारी उपस्थित रहे। पार्षद शंकर शर्मा अपने वार्ड में 230 से अधिक मकानो के पट्टे वितरित करा चुके हैं।

शिक्षकों की कमी पर स्कूल की तालाबंदी की

मसूदा, (निसं)। मसूदा ब्लॉक के दौलतपुरा सेकंड के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में गुरुवार को विद्यार्थियों ने शिक्षको की कमी को लेकर स्कूल की तालाबंदी कर दी। बच्चों ने मौके पर पहुंचे शिक्षकों को भी स्कूल में प्रवेश नही दिया।

मामला मसूदा उपखण्ड के दौलतपूरा द्वितीय गांव का है। जहां गुरुवार को शिक्षकों की कमी को लेकर विद्यार्थियों व ग्रामीणों ने स्कूल के मेंन गेट पर ताला जड़ दिया। विद्यार्थियों का कहना है स्कूल उच्च माध्यमिक होने के बावजूद नाम मात्र के शिक्षक पढ़ाते है। जिससे उनका भविष्य अंधकार में जाता नजर आ रहा है। बच्चों का कहना है कक्षा 9 से लेकर 12 तक कोई भी शिक्षक नही है जो भी शिक्षक है वह कक्षा 1 से 8 तक ही पढ़ाने वाले है। छात्राओं ने अपनी पीड़ा मीडिया को बताई की एक तो विद्यालय में अध्यापक की कमी साथ ही यहा महिला टीचर नहीं होने के कारण हमारी परेशानियां नहीं बता सकते है।

इस पर शिक्षा अधिकारी शिवकुमार दुबे से वार्ता की तो उन्होंने बताया कि विद्यालय पर्याप्त शिक्षक है। अभी तीन को डेपुटेशन पर लगाया गया है। जब विद्यालय के अध्यापकों ने बताया कि यहां पर आठवीं तक के अध्यापक पद पर है। कक्षा 9 से 12 वी तक व्याख्यता नहीं है। शिक्षा विभाग के अधिकारी मीडिया व ग्रामीणों को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। तालाबंदी के दौरान अध्यापकों को भी विद्यालय में प्रवेश नहीं करने दिया। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल की तालाबंदी को ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारा स्कूल के प्रिंसिपल कार्यवाहक अमरचंद को आदेश दिए गए कि जिन विद्यार्थियों ने तालाबंदी की है उनके खिलाफ पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाएं।

नरेगा श्रमिकों ने थाने पर प्रदर्शन किया

आसीन्द, (निसं)। आसींद उपखंड क्षेत्र की शंभूगढ़ पंचायत मुख्यालय पर चल रहे नरेगा कार्य के मजदूरों ने गुरुवार प्रातः एकत्रित होकर शंभूगढ़ थाना मुख्यालय पर पहुंचे आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया नरेगा मजदूरों ने बताया कि घेवर चंद पिता नानूराम कीर राजनीतिक द्वेषता के चलते नरेगा कार्य स्थल पर पहुंचता है एवं नरेगा कार्यों की मोबाइल में फोटो खींचकर उच्च अधिकारियों को झूठी शिकायतें दर्ज करवाता है जिसे लेकर नरेगा श्रमिकों में रोष व्याप्त है वही नरेगा श्रमिकों ने बताया कि ग्राम पंचायत शंभूगढ़ के द्वारा नियमित रूप से नरेगा के कार्य संचालित हो रहे हैं।

वादपदों के स्थिरीकरण के लिये प्रतिवादी को सम्मन

(आदेश 5 नियम 1 व 5 व्यवहार प्रक्रिया संहिता) [व्यवहार प्रक्रिया संहिता के परिशिष्ट 'ख' का फार्म सं. 1]

न्यायालय श्रीमान् उपखण्ड अधिकारी महोदय रूपनगढ़

श्री गिरधारी व अन्य वादी

बनाम

श्री रतन वगैरह प्रतिवादी

व्यवहार वाद संख्यांक-27/सन् 2022

श्री रतन पुत्र रामेश्वर जाति जाट निवासी सुरसुरा तहसील रूपनगढ़ जिला अजमेर

चूंकि वादीगण ने आपके विरूद्ध नकल संलग्न है के लिए एक वाद संस्थित किया है अतः आपको एतद् द्वारा आहूत किया जाता है कि आप या तो स्वयं या ऐसे अधिवक्ता जो कि सम्यकरूपेण अनुदिष्ट हों व वाद सम्बन्धी सब सारवान प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ हो या जिनके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो कि ऐसे सब प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ हो, के द्वारा दिनांक 21/12/22 के दिवस को 2 बजे दावे का उत्तर देने हेतु इस न्यायालय में उपस्थित हों और आगे आपको एतद् द्वारा यह भी निर्देश दिया जाता है कि उस दिन आप अपने प्रतिरक्षा का लिखित कथन पेश करें और उसी दिन वे सब प्रलेख जो आपके अधिपत्य या अधिकार में हों व जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा व प्रतिपादन या प्रतिदावा आधारित करते हों भी प्रस्तुत करें तथा जहां आदेश किसी अन्य प्रलेख की आपके आधिपत्य या अधिकार में हो या न हो, गर अभी प्रतिरक्षा या प्रतिवादन या प्रतिदावा के समर्थन में साक्ष्य के रूप में भरोसा रखते हों, उन प्रलेखों की अपने लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। सूचित रहे कि पूर्ववर्णित दिवस को आपके द्वारा अपनी उपस्थिति में व्यतिक्रम होने पर कथित वाद आपकी अनुपस्थिति में सुना व अवधारित किया जावेगा। आज दिनांक 18/11/22 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी

रीडर उपखण्ड अधिकारी न्यायाधीश रूपनगढ़ अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक : न.नि.अ./22-23/एम.बी/1652 दिनांक : 20.10.2022

आपत्ति सूचना

श्री आसन पारप्यानी पुत्र श्री देवजीमल पारप्यानी, श्री जितेन्द्र पारप्यानी पुत्र श्री देवजीमल पारप्यानी, श्री देवजीमल पारप्यानी पुत्र स्व. श्री सूरतमल पारप्यानी, निवासीगण 925/28, मयानी अस्पताल के पास, आशागंज, अजमेर द्वारा एक सम्पति/भूखण्ड ए.एम.सी. नं. 15/118 = 626/23 = 400/30 का भाग है जो वाकै ब्ल्यू केसल, पड़ाव, अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 55.88 व.मी. है, भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार है :-

पूर्व में :- रास्ता / पश्चिम में :- इसी ए.एम.सी. नं. का भाग
उत्तर में :- इसी ए.एम.सी. नं. का भाग है / दक्षिण :- इसी ए.एम.सी. नं. का भाग

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस सम्बन्ध में कोई आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नही किया जाएगा। उपायुक्त, नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नियमन/22-23/10974 दिनांक: 07/03/2022

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है श्री दामोदर साहू पुत्र श्री बाबूलाल साहू एवं श्रीमति तनूजा साहू पनि श्री दामोदर साहू निवासी सन्दडा रोड ब्यावर ने नगर परिषद, ब्यावर की सीमा में आबादी मौहल्ला सेन्दड़ा रोड, प्यारीलाल बगीची मार्ग ब्यावर पर स्थित म.नं. 19 में से दक्षिणी हिस्सा क्षेत्रफल 272.00 वर्गगज भूमि के वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू उपयोग परिवर्तन चाहा है। अतः इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के भीतर-भीतर निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। अन्यथा बाद नियाद आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

सीमायें (साईट प्लान के अनुसार)

पूर्व- कॉलेज सनातन धर्म महाविद्यालय की भूमि / पश्चिम - आम सड़क सेन्दड़ा रोड
उत्तर - भूमि का रेस्ट पार्ट / दक्षिण - अन्य का मकान

आयुक्त नगर परिषद, ब्यावर

सूचना

स्टेट लेवल एन्वायरमेन्ट इम्पेक्ट एसेसमेन्ट ऑथोरिटी जयपुर (राज.) के पत्र क्रमांक F1(4)SEIAA/SEAC-Raj/Sectt/Project/Cat.B2(20412)/2021-22 Jaipur दिनांक 22/11/2022 द्वारा **मैसर्स एलिट निर्माण इण्डिया,** पता-003 साईनाथ अप्स, विंग ए भंडारवाला, मलाल-वेस्ट,भुजाल तालाब के सामने, पीसी मार्ग, मुम्बई सीटी (महाराष्ट्र) के पक्ष में स्वीकृत खनन पट्टा प्लॉट सं. 166/2021 क्षैत्रफल 1.0327 हैक्टर निकट ग्राम हाथीसर, तहसील आसीन्द जिला भीलवाडा के पक्ष में पर्यावरण कलीरियेन्स जारी कि गई है। पर्यावरण कलीरियेन्स की प्रति राजस्थान प्रदुषण नियंत्रण मण्डल (राज.) (SEIAA) राजस्थान जयपुर व सम्बन्धित विभागों में उपलब्ध है तथा इसे राजस्थान प्रदुषण नियंत्रण मण्डल की वेबसाईट www.rpcb.nic.in पर भी देखी जा सकती है।

कार्यालय आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डल : अजमेर

क्रमांक : 1965 जाहिर आम सूचना दिनांक: 22/11/22

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 3/3-H नाका मदार अजमेर योजना में श्री राजकुमार पुत्र स्व. श्री चेलाराम को आवंटित कर दिनांक 22.06.1990 को मकान का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री राजकुमार पुत्र स्व. श्री चेलाराम ने कब्जा लेने के पश्चात् आवास का बेचान जरिए इकरारनामा, मुख्तायरनामा, वसीयतनामा के श्रीमती सुमित्रा सिंघल पत्नी श्री दीवान चन्द सिंघल को कर दिया गया था। इसके पश्चात् मण्डल द्वारा श्रीमती सुमित्रा सिंघल पत्नी श्री दीवान चन्द सिंघल के पक्ष में दिनांक 30.06.2010 को नियमितिकरण के आदेश जारी किये गये। श्रीमती सुमित्रा अग्रवाल की मृत्यु दिनांक-21.12.2021 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री अनिल सिंघल पुत्र स्व. श्री दिवान चन्द अग्रवाल द्वारा मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया था। अब श्री अनिल सिंघल पुत्र स्व. श्री दिवान चन्द अग्रवाल ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वंय के नाम हस्तांतरण करने हेतु प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया है। श्री अनिल सिंघल पुत्र स्व. श्री दिवान चन्द अग्रवाल का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

आवासीय अभियंता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड अजमेर

कार्यालय ग्राम पंचायत कंवलियास, पंचायत समिति हुरड़ा, जिला भीलवाड़ा

क्रमांक- ग्राप.कवं/2022/76 दिनांक - 22/11/2022

निविदा सूचना 2022-23

ग्राम पंचायत कंवलियास की ओर से विभिन्न कार्यों हेतु ग्राम पंचायत की SFC/FFC के उपयुक्त श्रेणी में विभिन्न राजकीय एवं मान्यता प्राप्त पंजिकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित विकास कार्यों की मोहर बन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धी सभी शर्तें कार्यालय समय में ग्राम पंचायत में देखी जा सकती है।

UBN NO. ZBL2223WSOB01390
NIB NO. ZBL2223AO624

सरपंच, ग्राम पंचायत कंवलियास, पंचायत समिति हुरड़ा, जिला भीलवाड़ा
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत कंवलियास, पंचायत समिति हुरड़ा, जिला भीलवाड़ा

ट्रक-बाइक की टक्कर से अधेड़ की मौत

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर के नए बायपास पर कानस पुलिया के पास ट्रक और मोटरसाइकिल की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार की दर्दनाक मौत हो गई। एसआई हरफूल मीणा ने बताया कि गुरुवार की सुबह टोंक जिले के रजवास गांव निवासी 56 वर्षीय घासीलाल बैरवा पुत्र नाथूलाल बैरवा मोटरसाइकिल पुष्कर से अजमेर की तरफ जा रहा था कि उसी दौरान सामने से तेज गति से जयपुर से नागौर की तरफ जा रहे ट्रक ने मोटरसाइकल को चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल कई मीटर तक घसीटती गई और सड़क के नीचे कच्चे रास्ते पर उतर गए इस दौरान ट्रक के नीचे आने से मोटरसाइकिल सवार के चीथड़े उड़ गए और घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वही मोटरसाइकिल ट्रक में फंस गई प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि मौके पर कानस पुलिया पर ना तो कोई दिशा सूचक लगे और नवीन निर्माणाधीन बायपास होने की वजह से मोटरसाइकिल सवार गफलत में गलत दिशा में प्रवेश कर रहा था। इसी दौरान ट्रक और बाइक में टक्कर हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पुष्कर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया वही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले विभाग में कार्यरत था मृतक :- मृतक घासी लाल बेरवा के साले और मृतक की तलाशी के दौरान मिले परिचय पत्र के आधार पर पुलिस जांच में पता चला कि मृतक भारत सरकार के अंतर्गत आने वाले वित्त मंत्रालय के सीमा शुल्क केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर विभाग जयपुर में हेड हवलदार पद पर कार्य था फिलहाल कार्यालय आयुक्त केंद्रीय उत्पाद शुल्क स्टेचू सर्किल जयपुर में अपनी सेवाएं दे रहा था। इसके अलावा बूढ़ा पुष्कर के पास अजमेर से पुष्कर की तरफ आ रही ट्रेन की चपेट में आकर एक मजदूर बुरी तरह घायल हो गया रेलवे पुलिस ने घायल अवस्था में मजदूर को पुष्कर के अस्पताल पहुंचाया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद अजमेर रेफर कर दिया गया।

सूचना पर पुष्कर पुलिस भी मौके पर पहुंची जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश के उमरिया जिले के निमनिया के पास नरोजाबाद का रहने वाला 19 वर्षीय करन पुत्र प्रेमाराम बायका बुढा पुष्कर के पास के होटल में मजदूरी का कार्य कर रहा था वह सुबह टहलता हुआ अजमेर पुष्कर रेलवे लाइन पर आ गया सामने से आ रही अजमेर पुष्कर ट्रेन ने सीटियां दी तो वह पटरी से हटने की बजाय उल्टा सामने आ गया। ट्रेन की चपेट में आने से उसके सिर और हाथ में गंभीर चोट आई रेलवे सुरक्षा बल के हवलदार रामकिशोर यादव ने बताया कि घायल अवस्था में उसे ट्रेन से फाटक तक और बाद में आपातकालीन सेवा 108 की मदद से अस्पताल लाया गया और पुलिस को भी सूचना दी गई मौके पर पुष्कर थाने के एसआई हरफूल मीणा पहुंचे। पुष्कर अस्पताल में सीनियर स्टाफ नर्स सविता पाराशर मनोज वैष्णव सहित स्टाफ ने प्राथमिक उपचार किया पुष्कर थाने के एसआई हरफूल मीणा ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद इलाज के लिए अजमेर रेफर कर दिया गया और मामले की जांच की जा रही है।

भीलवाड़ा में गोलीबारी में एक युवक की मौत, भीड़ ने हॉस्पिटल में तोड़फोड़ की

प्रशासन ने 48 घंटे के लिए नेट बंद किया, माहौल बिगड़ने पर शहर में हर जगह पुलिस जाब्ता तैनात

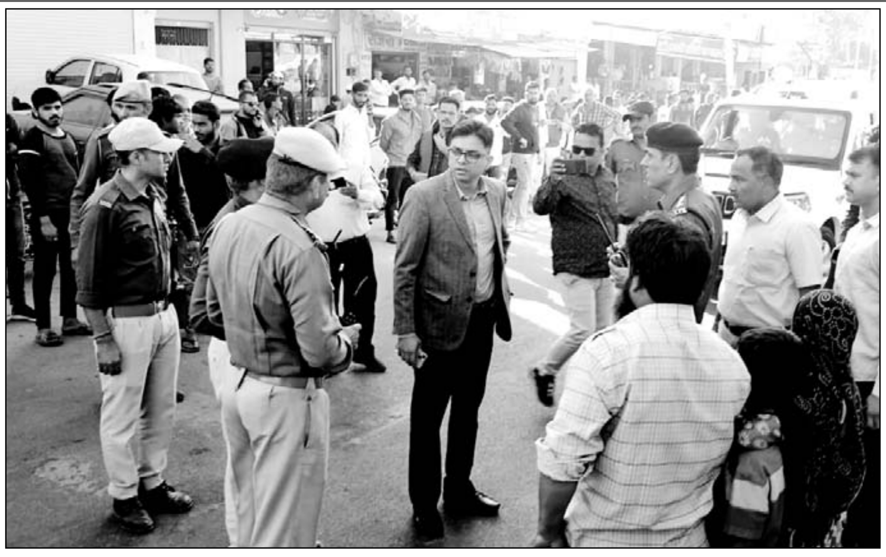

भीलवाड़ा में तनाव के बाद पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने मोर्चा संभाला।

- मामले को आदर्श तापड़िया हत्याकांड से जोड़ा जा रहा है, पुलिस ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की
- गोली मारकर बदमाश भाग गए, बदमाशों की तलाश में पुलिस ने नाकाबंदी की

भीलवाड़ा, (निस)। शहर के कोतवाली थाना इलाके में गुरुवार को दिनदहाड़े गोलीबारी में एक युवक की मौत हो गई। दो युवकों पर 4 राउंड फायर किए गए थे। अचानक हुई फायरिंग से चौराहे से निकल रहे लोग डर गए और बचने के लिए इधर-उधर छुप गए। गोली मारकर बदमाश भाग गए। माहौल बिगड़ने पर शहर में हर जगह पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। बदमाशों की तलाश में नाकाबंदी की गई है। वही प्रशासन ने 48 घंटे के लिए नेट बंद भी कर दिया है। मामले को मई महीने में हुए आदर्श तापड़िया हत्याकांड से जोड़ा जा रहा है। हालांकि अभी तक पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नही की है।

एएसपी जयेष्ठा मैत्रेयी ने बताया कि रूकमद्दीन उर्फ टोनी और इब्राहिम पठान उर्फ भूरा नाम के दो युवक बड़ला चौराहे से हरणी महादेव की तरफ जा रहे थे। इस दौरान दो बाइक पर चार बदमाश आए और दोनों को घेर लिया। इसके बाद लगातार गोली चलाने लगे। एक गोली इब्राहिम पठान उर्फ भूरा के लगने पर मौके पर ही मौत हो गई। वहीं टोनी घायल हो गया। आस-पास के लोग कुछ समझ पाते उससे पहले ही बदमाश भाग गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को महात्मा गांधी हॉस्पिटल पहुंचाया। इस मामले में पुलिस ने कुछ संदिग्ध को हिरासत में भी लिया गया है। युवक की मौत के बाद उसके परिजनों और अन्य लोगों ने हॉस्पिटल में हंगामा खड़ा कर दिया। गुस्से में भीड़ ने हॉस्पिटल मे तोड़फोड शुरू कर दी। पुलिस जाब्ता हॉस्पिटल पहुंचा और भीड़ को खदेड़ा। गोलीबारी के बाद भीलवाड़ा में तनाव का माहौल हो गया है। शहर में हर तरफ पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। हमलावरों की तलाश में नाकाबंदी भी की गई है। इधर, प्रशासन ने अगले 48 घंटों तक नेटबंदी कर दी है। इसको लेकर संभागीय आयुक्त ने आदेश जारी कर दिए है।

एसपी आदर्श सिद्धू का कहना है कि पुलिस ने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। आस-पास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे है। घायल का इलाज चल रहा है। सीओ सीटी नरेंद्र दायमा, सीओ ग्ररमीण रामचंद्र चौधरी सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे लगातार समझाइश के प्रयास कर रहे हैं। वही दूसरी और इस मामले को मई माह में हुए आदर्श तापड़िया हत्याकांड से जोड़कर देखा जा रहा है। भीलवाड़ा में 10 मई की रात को कोतवाली थाना इलाके के शास्त्री नगर में आदर्श तापड़िया स्कूटी पर जा रहा था। इस दौरान बाइक पर सवार दो युवकों ने उसे रोका और उसके सीने में चाकू मार दिया था। जिससे उसकी मौत हो गई थी। आदर्श ही हत्या के बाद शहर में तनाव की स्थिति हो गई थी। उसे दौरान लोग सड़कों पर उतर आए थे और तनाव के निपटने के लिए प्रशासन ने जिले में नेटबंदी भी कर दी थी। हालांकि, पुलिस अभी इस मामले में आधिकारिक पुष्टि नही कर रही है, लेकिन सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली है की आदर्श हत्याकांड में संदेह के घेरे में चल रहे इब्राहिम और टोनी दोनो से भाई के खून का बदला लेने के लिए आदर्श के भाई मयंक तापड़िया ने ही हमला किया है।

वहीं दूसरी और इस मामले में मुस्लिम सद्भाव कमेटी ने मृतक के आश्रितों को 50 लाख का मुआवजा घायल के परिवार को 10 लाख की आर्थिक सहायता के साथ ही हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी और षडयंत्र रचने वाले षड्यंत्र कार्यों को बेनकाब करने की मांग की है। देर रात तक एमजी हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर लगातार मुस्लिम समाज का प्रदर्शन जारी रहा।

एक लाख की रिश्वत लेते नगर परिषद आयुक्त गिरफ्तार

परिषद आयुक्त जोधाराम विश्नोई ने एक महीने पहले ही कार्यभार संभाला था

बालोतरा नगर परिषद आयुक्त को जोधपुर एसीबी टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

बालोतरा, (कासं)। जोधपुर एसीबी टीम ने गुरुवार को एक लाख की रिश्वत लेते नगर परिषद आयुक्त जोधाराम विश्नोई को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जोधाराम विश्नोई ने एक महीने पहले ही बालोतरा में नगर परिषद आयुक्त का कार्यभार संभाला था।

बालोतरा में गुरुवार को जोधपुर एसीबी टीम ने ट्रैप की कार्रवाई की। जिसमें नगर परिषद आयुक्त जोधाराम विश्नोई को 1 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। एसीबी कार्रवाई की जानकारी मिलने पर आयुक्त के आवास पर बडी संख्या में लोगों की भीड एकत्रित हुई। इसके बाद सुरक्षा के लिए बालोतरा पुलिस टीम तैनात की गई। जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे परिवादी की शिकायत पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टीम जिला परिषद आयुक्त के आवास पर पहुंची।

टीम ने रिश्वत लेते आरोपी जोधाराम विश्नोई को गिरफ्तार किया। साथ ही उनके कब्जे से 1 लाख रुपए बरामद किए। फिलहाल टीम ने अभी तक इस संबंध में जानकारी नहीं दी है। सूत्रों के अनुसार नगर परिषद आयुक्त ने पट्टे देने की एवज में परिवादी से पैसे लिए थे। बताया गया कि कॉमर्शियल पट्टे के मामले में आरोपी जोधाराम विश्नोई ने रिश्वत की मांग की थी।

इस पर परिवादी ने एसीबी में शिकायत दी। शिकायत की पुष्टि कर को टीम ने कार्रवाई की। बता दें कि जोधाराम विश्नोई ने 1 महीने पहले ही बालोतरा में नगर परिषद आयुक्त का कार्यभार संभाला था। इससे पहले भी विश्नोई बाडमेर में 1 हजार 468 फर्जी पट्टा प्रकरण मामले में लंबे समय तक फरार रहे थे। जानकारी के अनुसार विश्नोई को एक बार निलंबित भी किया गया था।

दो भाइयों में जमीनी विवाद में कार को लगाई आग

लाम्बाहरिसिंह थाना क्षेत्र के गुलगांव में आपसी विवाद में जीप में आग लगा दी।

मालपुरा, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह थाना क्षेत्र के गुलगांव में दो सगे भाई जोरावर सिंह व नरपत सिंह के बीच चल रहे जमीनी विवाद मामले में तहसीलदार के आदेशों पर गिरदावर व पटवारी के साथ खेत में रिकार्ड जांच के दौरान जोरावर के भाई नरपत सिंह व उसके बेटों के साथ आये लोगों ने जोरावर व उसके सीरी से मारपीट कर जीप को आग लगा दी। इससे जीप व जीप में रखा राजस्व रिकॉर्ड जलकर राख हो गया।

पीड़ित जोरावर सिंह ने बताया कि तहसीलदार के आदेशों पर हल्का गिरदावर अक्षय शर्मा व पटवारी प्रवीण कुमार के साथ वो अपने खेत पर रिकार्ड जांच कर रहे थे तथा उसका सीरी

कार और राजस्व रिकॉर्ड राख

हंसराज बैरवा खेतों मे जुताई कर रहा था। इसी दौरान उसके भाई व भतीजों सहित अन्य लोग कार व मोटरसाईकिल पर सवार हो खेत पर पहुंच गाली-गलोच कर मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान हमलावरों ने मौके पर खडी जोरावर सिंह की जीप को आग लगा दी। जीप में लगी आग से जीप व उसमे रखा गिरदावर पटवारी का राजस्व रिकार्ड भी जलकर राख हो गया। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची लाम्बाहरिसिंह पुलिस ने घायल जोरावर व उसके सीरी हंसराज बैरवा को मालपुरा अस्पताल पहुंचाया। मेडिकल के बाद हंसराज बैरवा ने थाने मे एक दर्जन लोगो के विरूद्ध मामला दर्ज करवाया है। तो वही गिरदावर व पटवारी ने भी जीप मे रखे राजस्व रिकार्ड जल जाने का प्रार्थना पत्र सौंपा।

हंसराज व गिरदावर पटवारी की और से दी रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। मामले मे थानाधिकारी ने बताया कि पांच दिन पूर्व दोनो भाईयो मे हुए विवाद पर 13 जनो को पाबंद किया गया था। दोनो पक्षो के बीच विवाद के स्थाई समाधान के लिए रिसिवर नियुक्ति के लिए इस्तगासा दायर किया गया है। मामले की जांच डीवाईएसपी सुशील मान कर रहे है।

सांभर में खराब सड़कें और टूटी नालियों से लोग परेशान

सांभर के गौरव पथ पर पिछले 6 माह से गहरे गड्ढे दुर्घटना को न्योता दे रहे हैं।

सांभरझील, (निसं)। पर्यटक नगरी का दर्जा प्राप्त सांभर उपखंड मुख्यालय के प्रमुख रास्ते वाहन चालकों व राहगीरों के लिए बेहद कठिन साबित हो रहे हैं। विगत 20 दशकों में पालिका प्रशासन की ओर से लाखों रुपए खर्च कर सीसी सडकें बनाई जा चुकी हैं लेकिन देखने में प्रायः आया है कि जब भी सड़कें क्षतिग्रस्त हो जाती है तो उन्हें ठीक करवाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते हैं। सडकों की खस्ताहाल व्यवस्था को दुरुस्त करवाने के लिए जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी निष्क्रिय बनी हुई है। टूटी फूटी सडकों से गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए यह सफर आसान नहीं है। इसकी वजह से अनेक दफा दुर्घटना के मामले भी

पालिका प्रशासन की पैचवर्क कार्यों के प्रति लापरवाही

सामने आते हैं लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग अपनी आंख मूंदे बैठा है। इसके अलावा सडक को क्रॉस करती नालियां सबसे ज्यादा लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई है।

नवीन अदालत भवनों की ओर जाने वाला गौरव पथ पर विगत 6 माह से एक तरफ बालू रेत की चादर सी बिछी हुई है। यहां प्रवेश करते ही दो गहरे गड्ढे हैं, पास ही जलदाय विभाग की पेयजल लाइन लीकेज होने से सड़क पर पानी जमा होने से सडक और ज्यादा खराब हो गई है। इसके अलावा सीता सागर जाने वाला मार्ग पर सांभर साल्ट के फाटक को क्रॉस करने के दौरान टूटी नालियां व क्षतिग्रस्त सडक, पुरानी कोतवाली से लेकर पांच बत्ती चौराहे तक जाने वाले अनेक जगहों पर गड्ढे, न्यू मार्केट साल्ट फाटक से लेकर पांच बत्ती चौराहा तक अनेक जगहों पर टूटी सीसी सडक, सिंधी बाजार जाने वाला मार्ग भी सबसे ज्यादा खराब है।

इसके अलावा अनेक मौहलों में बनी सडकों को क्रॉस करती नालियां इतनी खतरनाक स्थिति में है कि कोई भी वाहन आसानी से नहीं निकल सकता है। जिम्मेदार लोग इस मामले में पूरी तरह से चुप्पी साधे बैठे हैं जिसकी वजह से आम जनता को इस समस्या का सामना करना पड रहा है।

स्कूल में टॉयगन ले जाने पर चार बच्चे सस्पेंड

पाली, (निसं)। जन्मदिन पर मामा ने ड्रेस लाने के लिए रुपए दिए तो भांजा टॉयगेन ले आया। पापा से डांट के डर से बैग में डालकर स्कूल ले गया। दोस्तों को दिखाने के चक्कर में एक टीचर ने उसे पकड़ लिया। प्रिंसिपल तक मामला पहुंचा तो चार स्टूडेंट को 7 दिन के लिए संस्पेड कर दिया गया। पुलिस ने बच्चों के माता-पिता को हिदायत देकर छोड़ा।

मामला पाली शहर के पुलिस लाइन के पास महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल का है। टीचर को क्लास 6 के एक स्टूडेंट के पास टॉय गन होने की जानकारी मिली थी। बच्चे के बैग की तलाशी कर गन को लिया गया। टॉय गन बिल्कुल ऑरिजनल गन जैसी दिख रही थी। टीचर ने प्रिंसिपल गजेन्द्र दवे को इस बारे में बताया। इसके बाद बच्चे से पूछताछ की गई। बच्चे ने बताया कि 9 क्लास में पढ़ने वाले उसके दोस्त ने बैग में रखने के लिए दी थी।

9 क्लास के स्टूडेंट ने बताया कि उसके बर्थ-डे पर मामा ने 1500 रुपए ड्रेस लाने के लिए दिए थे। बाजार गया तो उसे एक टॉय गन पसंद आ गई। खेलने की इच्छा के चलते 1500 रुपए में टॉय गेन खरीद ली। पापा की डांट से बचने के लिए बैग में डालकर स्कूल लेकर आ गया। दोस्तों को दिखाने पर टीचर तक बात पहुंच गई। स्टूडेंट बोला कि, गन उसने चोरी नहीं की।

स्कूल प्रिंसिपल गजेन्द्र दवे ने बताया कि मामले में चार स्टूडेंट के नाम सामने आए। चारों के परिजनों को स्कूल बुलाया गया और उन्हें बच्चों की हरकत के बारे में बताया गया। इस तरह की चीजे स्टूडेंट स्कूल में लाएंगे तो यहां का माहौल खराब होगा। टॉय गन 9वीं कक्षा के स्टूडेंट के परिजनों को सौंपी गई। प्रिंसिपल ने मामले में चार स्टूडेंट को 7 दिन के लिए स्कूल से संस्पेड कर दिया है। मौके पर पुलिस को भी बुलाया गया।

श्रमिक की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार श्रमिक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार सवेरे प्रतापनगर थाना क्षेत्र देबारी घाटे में ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे मे कुचला जाने से बाइक चालक ओरडी निवासी निरूत्तम पुत्र भेरूलाल धनकर की मौत हो गई। निरूत्तम मजदूरी करता था एवं बाइक पर घर से उदयपुर की तरफ जा रहा था।जहां बीच रास्ते पिछे से आए ट्रेलर ने उसे कुचल दिया।

दहेज प्रताड़ना के केस में पति को सजा

जोधपुर, (कासं)। फलोदी के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 1 तरूणकांत तिवाड़ी ने दहेज प्रताड़ना के एक मुकदमे में दोषी पति को विभिन्न धाराओं में साढे तीन साल की सजा और जुर्माने से दंडित किया। फलोदी निवासी इंदिरा ने 7 अगस्त 2012 को परिवाद पेश कर पति पर दहेज के तंग परेशान और मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया था।

परिवाद के अनुसार उसकी शादी वर्ष 2005 में नई बस्ती मथानिया निवासी मुरली उर्फ मुरलीधर पुत्र रामूराम के साथ हुई थी। कुछ समय ठीक गुजरने के बाद पति ने उसे दहेज के तंग परेशान और मारपीट करना शुरू कर दिया। इसी बीच उसके बेटा भी हुआ। पति ने उसका स्त्रीधन छीन लिया और बेच कर शराब पी गया। एक दिन पति ने इंदिरा से मारपीट कर घर से निकाल दिया, जिसके बाद 3 अगस्त 2012 को वह अपने पिता के घर आ गई। 5 अगस्त 2012 को पति मुरली शराब पीकर अपने ताऊ के लडक़ों के साथ आया और उसके पिता व माता के साथ मारपीट की। उसके परिवाद पर पुलस थाना में 498 ए व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ।

अपराध सिद्ध होने पर मजिस्ट्रेट ने धारा 498 ए में एक साल साधारण कारावास एवं 5 हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाई। जुर्माना अदा नहीं करने पर 5 दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। धारा 323 में 6 माह, धारा 506 में एक साल और धारा 406 में एक साल साधारण कारावास की सजा से दंडित किया। परिवादी की ओर से एडवोकेट भूपेन्द्र भार्गव ने पैरवी की।

ठेकेदार ने डेढ़ साल बाद भी नहीं लगाए खेजड़ी के पौधे

हनुमानगढ़, (निसं)। कोर्ट परिसर में एससी-एसटी कोर्ट व पारिवारिक कोर्ट के भवन निर्माण करने के लिए काटे गए 250 पेड़ों के बदले पेड़ नहीं लगाने पर पर्यावरण प्रेमियों ने आक्रोश जताया है।

जिला कोर्ट परिसर में कोर्ट भवन के निर्माण के लिए कॉन्ट्रेक्टर की ओर से बिना अनुमति खेजड़ी के करीब 250 पेड़ काटने को लेकर पैदा हुए विवाद के बाद हुए समझौते के करीब डेढ़ साल बाद भी कॉन्ट्रेक्टर की ओर से खेजड़ी के पेड़ नहीं लगाए गए। तब तय हुआ था कि कॉन्ट्रेक्टर की ओर से खेजड़ी के 250 पौधे मय ट्री गार्ड लगाए जाएंगे। कंपनी से 250 पौधे लगवाने की मांग को लेकर गुरुवार को अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा ने जिला एवं सेशन न्यायाधीश और उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल में शामिल एडवोकेट रामकुमार बिश्नोई ने बताया कि जिला कोर्ट परिसर में एससी-एसटी कोर्ट व पारिवारिक कोर्ट के भवन निर्माण करने के समय जून 2021 में कॉन्ट्रेक्टर की ओर से यहां बिना स्वीकृति के अवैध रूप से राज्य वृक्ष खेजड़ी पेड़ काटे गए थे। उस समय जिला एवं सेशन न्यायाधीश संजीव मागो और तत्कालीन कलेक्टर नथमल डिडेल की ओर से मध्यस्थता कर कंस्ट्रक्शन कंपनी और वृक्ष प्रेमियों के मध्य समझौता करवाया गया।

भवन निर्माण के लिए 250 पौधे काटे थे

समझौते के अनुसार उस समय निर्माण करने वाली फर्म सिद्धू कंस्ट्रक्शन कंपनी की ओर से 30 जून 2021 को लिखित अनुबंध किया गया था कि निर्माण करने वाली फर्म खेजड़ी के 250 पौधे स्वयं के खर्च पर कोर्ट परिसर में मय ट्री गार्ड लगाएगी और दो वर्ष तक इनकी देखभाल करेगी। बिश्नोई ने बताया कि अनुबंध के तहत पेड़ों की सार-सम्भाल करना तो दूर कम्पनी की ओर से खेजड़ी का एक भी पेड़ नहीं लगाया गया है जो अनुबंध का उलूंघन है। रामकुमार बिश्नोई ने बताया कि शनिवार को नवनिर्मित कोर्ट भवन का लोकार्पण राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधिपति मनोज गर्ग की ओर से किया जाना है। बिश्नोई ने बताया कि काटे खेजड़ी के पेड़ों के स्थान पर बिश्नोई समाज एवं वृक्ष प्रेमियों की ओर से शनिवार को वृक्षों की आत्मिक शांति के लिए विरोध स्वरूप हवन कर विरोध प्रकट करने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान ओम बिश्नोई, राजेश बिश्नोई, जूडो कोच विनीत बिश्नोई, विक्रमजीत बिश्नोई, जयपाल गोदारा, विकास झोरड़, कमलदीप चहल, मनदीप सिंह, बृजमोहन, ओम बिश्नोई आदि मौजूद थे।

शराब से भरी कार जब्त, एक गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। खेरवाड़ा थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान छह लाख रूपये की अवैध शराब से भरी कार जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान खेरवाड़ा थानाधिकारी साबिर खान के नेतृत्व में गठित दल ने खेरवाड़ा हाइवे होटल भाग्योदय के सामने नाकाबंदी की।इस दौरान आई कार को रोका चालक से मोतीसिंह पुत्र जुगतसिंह निवासी मीठडा बाडमेर था। पूछताछ में संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर तलाशी ली तो उसमें छह लाख रूपये मूल्य की हरियाणा निर्मित अवैध शराब पाई गई। इस पर पुलिस ने शराब से भरी कार जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

वहीं टीडी थाना पुलिस ने तीन लाख रूपये की अवैध शराब से भरी कार जब्त की। जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान टीडी थानाधिकारी कमलेन्द्रसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने थाने के सामने आइवे पर नाकाबंदी का तो चालक नाकाबंदी तोड़ भागने लगा। पुलिस द्वारा पीछा करने पर चालक सेरा की तरफ जंगल में कार छोड़ कर फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर अवैध शराब से भरी कार जब्त की। कार में करीब तीन लाख रूपये की अवैध शराब के 54 कर्टन भरे थे।

पावटा सहित आसपास के क्षेत्र में डेंगू का खतरा बढ़ा

अस्पतालों में बुखार के मरीजों की भारी भीड़

पावटा अस्पताल में भर्ती मरीज।

पावटा, (निसं)। इन दिनों बुखार के मरीजों की संख्या में जबरदस्त इजाफा हो रहा है। प्राइवेट से लेकर सरकारी अस्पतालों तक मरीजों की लाइन लगी हुई है। पावटा सहित आसपास के क्षेत्र में भी डेंगू के लगातार मरीज मिल रहे हैं। सरकारी आंकड़ा भले ही ज्यादा मरीजों की पुष्टि न करता हो लेकिन प्राइवेट लैबों में हो रही जांचों में डेंगू की पुष्टि हो रही है।

ठंड शुरु हो चुकी है लेकिन दिन में तापमान बढ़ा हुआ रहता है। इसके चलते सर्दी, जुकाम, बुखार के मरीजों में बहुत ज्यादा इजाफा हो गया है। वहीं खतरनाक डेंगू भी तेजी से पांव पसार रहा है। गुरूवार तक के सरकारी आंकडे की बात करें तो डेंगू व वायरल के मरीज ज्यादा हैं। जिनका इलाज जारी है। पावटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. देवेंद्र शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एस के वर्मा, अशोक जाट, पावटा गुप्ता हॉस्पिटल से डॉ.रवि गुप्ता, अंजलि गुप्ता ने बताया कि इस समय मौसम के बदलाव के चलते सर्दी, जुकाम बुखार के मरीज बढे हुए हैं। वायरल संक्रमण के चलते बुखार के मरीजों की संख्या ज्यादा है। उन्होंने बताया कि डेंगू मलेरिया से बचाव के लिए घर के नजदीक पानी का जमाव न होने पाए, साफ सफाई का ध्यान रखें।

डॉ. अशोक जाट व प्राईवेट गुप्ता हॉस्पिटल डॉ. रवि गुप्ता ने बताया कि डेंगू के प्रमुख लक्षणों की बात करें तो भूख कम लगना, ठंड लगकर बुखार आना, सिर और आंखों में दर्द होना, शरीर और जोडों में दर्द होना पेट के निचले हिस्से में दर्द होना, जी मिचलाना उल्टी दस्त आना, गंभीर स्थिति में आंख और नाक से खून आना, शरीर में लाल निशान, चक्कते और खुजली होना। यदि इनमें से कोई लक्षण हैं तो तुरन्त जांच कराकर इलाज शुरू कर देना चाहिए।

'ब्रुसेलोसिस रोग' से ग्रसित एक दिन में चार रोगी मिले

बीकानेर, (कासं)। डेंगू- मलेरिया प्रकोप के बीच अब जानवरों से इंसानों में फैलने वाली बीमारी ब्रुसेलोसिस का डर भी सताने लगा है। पीबीएम हॉस्पिटल में पिछले 24 घंटे में बुखार पीड़ित पांच रोगियों की जांच में से चार में इस बीमारी की पुष्टि हुई है। इनमें से दो की हालत खराब होने के कारण भर्ती रखा गया है। रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग को भेजी गई है जहां से उन इलाकों में स्क्रीनिंग की जाएगी जहां रोगी रिपोर्ट हुए हैं।

तेज बुखार, बदन में दर्द, सांस लेने में तकलीफ के रोगियों का कई दिनों तक इलाज होने के बाद भी जब फर्क नहीं आया तो ब्रुसेलोसिस की आशंका में जांच करवाई गई है। मेडिकल कॉलेज की लैब में पांच सैंपल की जांच की गई इनमें से चार में ब्रुसेलोसिस की पुष्टि हुई है। इनमें से दो भर्ती हैं। पशु रोग विशेष

दो भर्ती, लक्षण- बुखार,बदन दर्द, सांस में तकलीफ

डा.नरेश शर्मा के मुताबिक, संक्रमित जानवर के आस-पास लंबे समय तक रहने, उसका कच्चा दूध पीने, कच्चा मांस खाने के साथ ही पशु के प्रसव के दौरान सावधानी-सतर्कता नहीं रखने से भी यह बीमारी जानवरों से इंसानों में फैलने का खतरा रहता है। नेशनल एनिमल डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम (एनएडीसीपी) में वैक्सीनेशन के लिए ब्रुसेलोसिस को भी शामिल किया गया है। ब्रुसेलोसिस के टीके भी फ्री लगाने का आदेश सरकार ने दिया है। इसके लिए वर्ष 2019 से 2024 तक पांच साल के लिए 13343 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

कांग्रेस नेता गोपाल केसावत की बेटी अहमदाबाद में मिली

जयपुर पुलिस अहमदाबाद से युवती को लेकर जयपुर के लिए रवाना हो गई है

- अब तक की जांच में सामने आया कि युवती स्कूटी छोड़कर ऑटो से बस स्टैंड पहुंची, जहां बस पकड़कर अकेली अहमदाबाद के लिए रवाना हो गई थी।
- पुलिस ने गुजरात में उसके दो-तीन कॉन्टैक्ट्स का पता लगाया। इस दौरान उसके अपने एक दोस्त के पास होने की जानकारी मिली।

जयपुर,(कासं)। राजधानी के प्रताप नगर इलाके से चार दिन गायब हुई कांग्रेस नेता की बेटी गुजरात के अहमदाबाद में मिल गई है। पुलिस ने उसे सकुशल दस्तयाब किया है। पुलिस टीम अहमदाबाद से युवती को लेकर जयपुर के लिए रवाना हो गई है।

डीसीपी ईस्ट करण शर्मा ने बताया 20 नवंबर की शाम को कांग्रेस नेता गोपाल केसावत की बेटी अभिलाषा केसावत (21) गायब थी। लड़की ने पिता को फोन पर कहा था कि कुछ लड़के पीछा कर रहे हैं। पापा, जल्दी आ जाओ। पिता ने सोमवार देर रात थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ बेटी के अपहरण का मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया था कि अभिलाषा स्कूटी से सब्जी लेने के लिए एनआरआई सर्किल तक गई थी। नहीं लौटी तो परिवार ने ढूंढना शुरू किया। इस बीच 21 नवंबर की सुबह स्कूटी एयरपोर्ट रोड पर लावारिस खड़ी हुई मिली थी। इस पर डीसीपी ईस्ट करण शर्मा ने पुलिस टीमें बनाकर युवती की तलाश में भेजी। इस दौरान पुलिस को सीसीटीवी खंगालने पर पता चला कि युवती एयरपोर्ट रोड पर अपनी स्कूटी छोड़कर ऑटो से बस स्टैंड गई। जहां वह अकेली बस में बैठकर अहमदाबाद के लिए रवाना हो गई। वहीं उसकी लास्ट लोकेशन भी वहीं मिली। इस इनपुट को डबलप करते हुए पुलिस ने युवती गुजरात में कंटैक्टस का पता लगाया। इस दौरान पुलिस को उसके मिलने वाले दो-तीन लोगों के बारे में जानकारी मिली। जांच पड़ताल में पुलिस को युवती अहमदाबाद में उसके दोस्त के पास होने का पता चला। इस पुलिस टीम ने गुरूवार को अहमदाबाद पहुंचकर उसे एक सलून से सकुशल दस्तयाब कर लिया है। पुलिस टीम युवती को लेकर जयपुर के लिए रवाना हो गई है। जयपुर पहुंचने के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया जाएगा। डीसीपी ने बताया कि लड़की अपनी इच्छा से घर छोड़कर गई थी। क्या कारण रहा इसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में विरोध दर्ज कराएंगे संविदाकर्मी

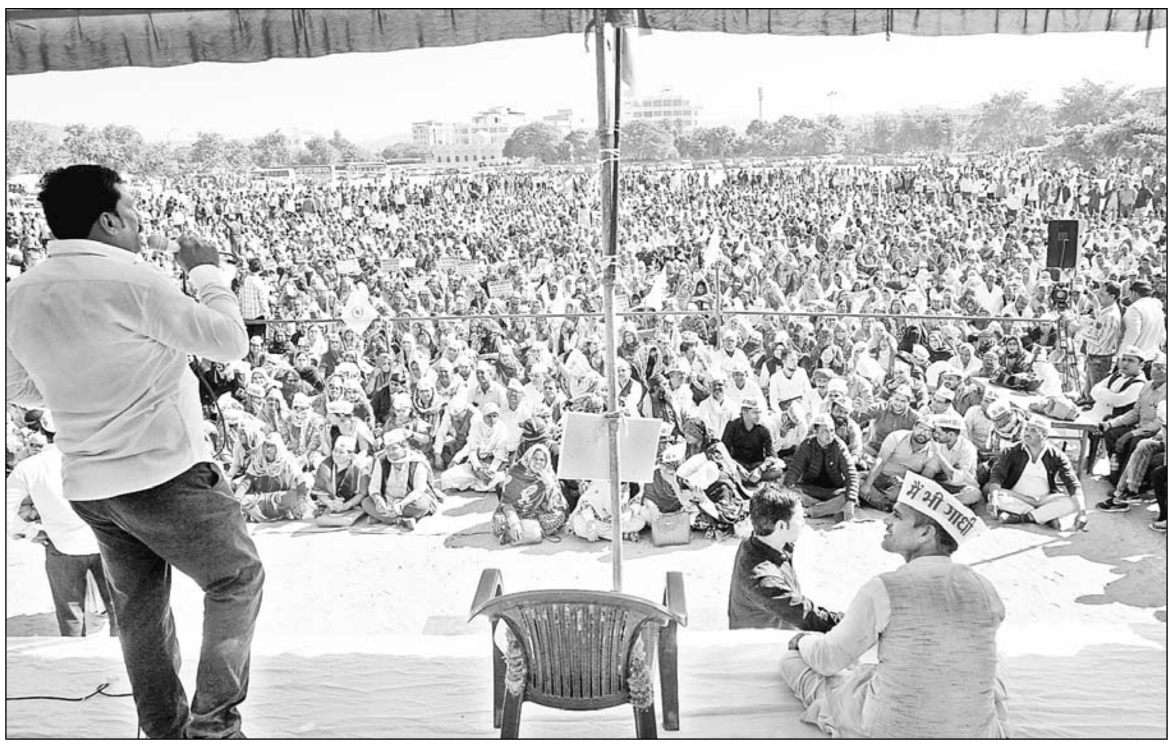

जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में गुरूवार को प्रदेशभर में हजारों संविदा कर्मचारियों ने गहलोत सरकार के खिलाफ हुंकार भरी।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में गुरूवार को प्रदेशभर में हजारों संविदा कर्मचारियों ने गहलोत सरकार के खिलाफ हुंकार भरी। राजस्थान में अलग-अलग सरकारी विभागों में संविदा पर कार्यरत इन कार्मिकों ने राजस्थान सिविल सेवा पदों पर संविदा कार्मिक रखे जाने वाले नियम का विरोध जताते हुए धरना दिया। संविदाकर्मियों ने साफ चेतावनी दी है कि अगले माह राजस्थान में जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा होगी, तब वे अपना विरोध दर्ज कराएंगे।

इन संविदा कार्मिकों की मुख्य मांग यह थी कि हाल ही में जारी संविदा कार्मिकों के नियम में विभिन्न विभागों में पिछले 15 से 20 वर्षों से भी अधिक अवधि से कार्यरत संविदा कार्मिकों के अनुभव को शून्य मानते हुए 5 वर्ष के लिए पुनः संविदा पर रखा जा रहा है। जिसमें कहीं भी नियमितीकरण का कोई भी खाका नहीं है। संविदा संयुक्त मोर्चा के संयोजक शमशेर खां भालू ने कहा कि यह एक सांकेतिक विरोध-प्रदर्शन था, अगर सरकार ने जल्द ही संविदा कार्मिकों को नियमित नहीं किया तो बड़े स्तर पर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

डीजीपी ने कुश्ती विजेताओं को सम्मानित किया

जयपुर। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने पुलिस मुख्यालय मे 71वीं अखिल भारतीय पुलिस कुश्ती कलस्टर-2022 के मैडलिस्ट राजस्थान पुलिस के खिलाड़ियों को गुरुवार को सम्मानित किया गया।

डीजीपी मिश्रा ने अभिनंदन समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों ने पदक विजेता खिलाड़ियों को शुभकानाएं दी एवं उनके उल्लेखनीय खेल प्रदर्शन की सराहना की। समारोह में उपस्थित पदक विजेता खिलाड़ियों ने डीजीपी मिश्रा को अखिल भारतीय पुलिस प्रतियोगिता में किये गये खेल प्रदर्शन के सम्बंध मे जानकारी दी। राजस्थान पुलिस के मुख्य खेल अधिकारी तथा एडीजी आर्म्ड बटालियन जंगा श्रीनिवास राव ने बताया कि महाराष्ट्र पुलिस द्वारा पुणे में आयोजित 71वीं अखिल भारतीय पुलिस कुश्ती कलस्टर-2022 में राजस्थान पुलिस के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन दिखाते हुए 6 स्वर्ण पदक, 9 रजत पदक एवं 6 कांस्य पदक सहित कुल 21 पदक प्राप्त किये है। कबड्डी के पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान की विजेता ट्रॉफी तथा महिला वर्ग में द्वितीय स्थान की उप विजेता ट्रॉफी के अलावा बॉडी बिल्डिंग महिला चैंपियनशिप की ट्रॉफी प्राप्त की।

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने पुलिस मुख्यालय में 71वीं अखिल भारतीय पुलिस कुश्ती कलस्टर-2022 के मैडलिस्ट राजस्थान पुलिस के खिलाड़ियों को गुरुवार को सम्मानित किया।

राजस्थान हाईकोर्ट को जल्द मिलेंगे आठ नए न्यायाधीश

जयपुर, (का.सं.)। न्यायाधीशों की कमी से जूझ रहे राजस्थान हाईकोर्ट को जल्द ही आठ नए न्यायाधीश मिलेंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने न्यायिक कोटे से छह और वकील कोटे से दो नामों की सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी है। केंद्र सरकार इन नामों पर विचार करने के बाद जल्द ही इनके नियुक्ति वारंट राष्ट्रपति भवन से जारी होंगे।

जानकारी के अनुसार न्यायिक कोटे से राजेंद्र प्रकाश सोनी, अशोक कुमार जैन, योगेंद्र कुमार पुरोहित, भुवन गोयल, प्रवीर भटनागर और आशुतोष कुमार का नाम भेजा गया है। वहीं वकील कोटे से अनिल उपमन और नूपुर भाटी का नाम सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने केंद्र सरकार को भेजा है। गौरतलब है कि तत्कालीन सीजे अकील कुरैशी के समय इन नामों की सिफारिश हाइकोर्ट कॉलेजियम ने सुप्रीम कोर्ट को भेजी थी। मालूम हो कि राजस्थान हाइकोर्ट में न्यायाधीशों के 50 पद स्वीकृत हैं।

जयपुर म्यूजिक स्टेज में बेहतरीन कलाकारों का होगा दबदबा

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 के समानांतर चलने वाले जयपुर म्यूजिक स्टेज में दुनिया के बेहतरीन परफ़ॉर्मर अपनी कला का जादू दिखायेंगे। श्रोताओं को अपने सुरों से मंत्रमुग्ध कर देने वाले, जयपुर म्यूजिक स्टेज का आयोजन 19 से 21 जनवरी को होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर में किया जायेगा, जिसमें देश-दुनिया के नामी कलाकार दस्तक देंगे।

हर साल की तरह, म्यूजिक स्टेज इस साल भी विविधता, खोज और सहयोग के अपने वादे पर खरा उतरते हुए कई नए प्रयोगों को समर्थन देगा। इस साल भी जयपुर म्यूजिक स्टेज के मंच पर संगीत की विभिन्न विधाओं के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे और साथ ही दूसरे कलाकारों की साझेदारी में कुछ अद्भुत भी रचेंगे।

संगीत के इस महाउत्सव में शामिल होने वाले कलाकार हैं फ्यूज़न बैंड पक्षी; कंटेम्परर्री इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक प्रोडक्शन हाउस लिफाफा; बीसी मंजुनाथ, दर्शन दोशी, नाथू लाल सोलंकी, प्रमथ किरण और प्रवीण डी.राव के साथ रिदम्स ऑफ़ इंडिया; ट्रांस-कल्चरल म्यूजिकल फैक्टरी ऑफ़ आइडियाज पीटर कैट रिकॉर्डिंग कंपनी (पीसीआरसी), निओ-क्लासिकल बैंड शैडो एंड लाइट, और निओ-फोक फ्यूज़न बैंड कबीर कैफे।

राजस्थान ग्रामीण पर्यटन नीति लागू

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित हुई। इसमें राज्य कार्मिकों को पदोन्नति के अधिक अवसर देने, राजस्थान के पर्यटन को बढ़ावा देने, राजस्थान सिविल सेवा (भूतपूर्व सैनिकों का आमेलन) नियम में संशोधन, राजस्थान बेघर उत्थान एवं पुनर्वास नीति के प्रस्ताव पर अनुमोदन सहित कई अहम निर्णय लिए गए हैं।

मंत्रिमंडल ने राजस्थान ग्रामीण पर्यटन योजना-2022 का अनुमोदन किया है। बजट घोषणा वर्ष 2022-23 की पालना में तैयार योजना से ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित की जाने वाली पर्यटन इकाईयों यथा ग्रामीण गेस्ट हाउस, कृषि पर्यटन इकाई, कैम्पिंग साइट, कैरावेन पार्क की स्थापना से गांवों में रोजगार सृजित होंगे और ग्रामीण हस्तशिल्प को संरक्षण मिलेगा। वहीं, देशी-विदेशी पर्यटक राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से रूबरू हो सकेंगे।

मंत्रिमंडल बैठक में 'राजस्थान बेघर उत्थान एवं पुनर्वास नीति-2022' का अनुमोदन किया गया।

एनओसी जारी करने के बाद भी बकाया वसूली निकालने पर कोर्ट नाराज

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने चौपहिया वाहन खरीदने के बाद आरटीओ की ओर से एनओसी जारी करने के बावजूद पुराने चालान बताकर वसूली निकालने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार की ओर से याचिकाकर्ता के चालान समाप्त करने के आश्वासन के बाद याचिकाकर्ता को आदेश दिए कि वह धौलपुर आरटीओ के समक्ष तीस नवंबर को पेश हो। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश सीताराम की अपील पर दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में प्रमुख परिवहन सचिव आनंद कुमार अदालत में पेश हुए। अदालत ने अधिकारी से पूछा कि जब एक बार एनओसी जारी हो चुकी है तो आरटीओ पुराने चालान के आधार पर सात साल बाद वसूली क्यों की जा रही है। इस पर राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि पहले ऑनलाइन व्यवस्था नहीं होने के कारण ऐसा हुआ है। इसलिए अब याचिकाकर्ता को जारी चालान को पन्द्रह दिन में वापस ले लेंगे। इस पर अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता प्रकरण के निस्तारण के लिए आरटीओ के समक्ष पेश हो। अपील में अधिवक्ता सतीश खंडेलवाल ने कहा कि अपीलार्थी ने जोधपुर से एक ट्रक खरीदा वर्ष 2014 में था। इसे लेकर जोधपुर आरटीओ ने एनओसी भी जारी कर दी थी। वहीं बाद में अपीलार्थी ने वाहन को अपने नाम करवाकर धौलपुर आरटीओ में पंजीकृत करा लिया। वर्ष 2021 में जब वह फिटनेस कराने पहुंचा तो विभाग ने बताया कि उसके वर्ष 2010 और वर्ष 2013 के ओवरलोडिंग के चालान की करीब दो लाख रुपए की राशि जमा नहीं हुई है।

तबादले पर रोक

जयपुर। हाईकोर्ट ने मेल नर्स के पद पर कार्य कर रही महिला नर्सिंग ऑफिसर को सरप्लस कर उसका तबादला दूसरे जिले में करने के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में चिकित्सा सचिव और झुंझुनूं सीएमएचओ को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश सुनीता की याचिका पर दिए।

मंत्री और विधायक की समझाइश के बाद भी धरने से उठने को तैयार नहीं हुए पार्षद

हैरिटेज नगर निगम में संचालन समितियां सात दिन में बनवाने का आश्वासन दिया मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और विधायक अमीन कागजी ने, लेकिन पार्षदों ने नहीं दिखाया भरोसा

हैरिटेज नगर निगम मुख्यालय में धरने पर बैठे पार्षदों को मनाने मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और विधायक अमीन कागजी पहुंचे। फोटो-राष्ट्रदूत

- बताया जा रहा है कि कांग्रेस के चार विधायकों में रुतबेदार कमेटियों और उनकी संख्या को लेकर टकराव है, इस कारण बीते दो साल से यह कार्य अटका हुआ है
- हैरिटेज निगम में कांग्रेस का बोर्ड बनवाने में मददगार रहे नौ निर्दलीय पार्षदों को दो साल बीतने के बाद भी चेयरमैन की कुर्सी नहीं मिली तो अब खुलकर सामने आई है नाराजगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। कांग्रेस ने निर्दलीय पार्षदों के जोड़-तोड़ से जयपुर हैरिटेज नगर निगम में मुनेश गुर्जर को महापौर तो बना दिया, लेकिन 2 साल का कार्यकाल बीतने के बावजूद संचालन समितियां न तो मेयर बना पाई और न ही राज्य सरकार। अब गहलोत सरकार के विरोध में कांग्रेस व निर्दलीय पार्षद खुलकर उतर आए है। हैरिटेज नगर निगम में बुधवार सुबह धरने पर बैठे पार्षदों ने रात भी धरना देते हुए गुजारी। गुरूवार सुबह मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और विधायक अमीन कागजी ने धरनास्थल पर पहुंचकर 7 दिन में संचालन समितियां गठित करवाने का आश्वासन भी दिया, लेकिन धरने पर बैठे पार्षदों ने मंत्री और विधायक पर भरोसा नहीं दिखाया।

सूत्रों के मुताबिक मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने तो इतना बोल दिया कि इन कमेटियों पर पहला हक निर्दलीय पार्षदों का ही है। उन्होंने कहा कि 7 दिन के अंदर सभी विधायक एक साथ बैठकर नाम फाइनल कर देंगे और कमेटियां बना देंगे। हालांकि धरने पर बैठे पार्षद अपनी जिद पर अड़े रहे और स्पष्ट शब्दों में कह दिया जब तक कमेटियां नहीं बनेगी, तब तक धरने से नहीं उठेंगे। सूत्रों की मानें तो नगर निगम हैरिटेज क्षेत्र में 4 विधानसभा क्षेत्र आते है। इसमें सिविल लाइन्स और आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र से 10-10 से ज्यादा पार्षद जीतकर आए है, जबकि किशनपोल और हवामहल में 10 या उससे कम है। सिविल लाईन्स विधायक प्रताप सिंह और आदर्श नगर विधायक रफीक खान चाहते है कि कमेटियां जीते हुए पार्षदों के अनुपात में हो, जबकि अन्य दो विधायक महेश जोशी और अमीन कागजी चाहते है कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में बराबर-बराबर कमेटियां मिले। इस कारण से अब तक ये चारों विधायक कमेटियों के लिए नाम फाइनल नहीं कर पाए है। सूत्रों का कहना है कि टकराव का मूल कारण कमेटियों की संख्या के साथ-साथ अच्छी कमेटियां का भी है। विधायक चाहते है कि अच्छी कमेटियां वे अपने चहेते पार्षदों को दिलवाए। इसमें भवन निर्माण समिति, लाइसेंस समिति, वित्त समिति, सफाई समिति, लाइट और उद्यान समिति प्रमुख है। इस कारण भी अब तक न तो संख्या तय कर पाए और न ही चैयरमेन के नामों की सूची।

बताया जा रहा है कि कमेटियां की संख्या पर हुए इस विवाद को खत्म करने के लिए पिछले साथ इन विधायकों ने 21 निर्धारित कमेटियों के अलावा अतिरिक्त 7-8 समितियां बनाने का प्रस्ताव तैयार करके नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल को भिजवाया था, लेकिन धारीवाल ने इन अतिरिक्त कमेटियों को बनाने से साफ मना कर दिया। क्योंकि नगर निगम ग्रेटर में जब 21 कमेटियों के अलावा 7 अतिरिक्त कमेटियां बनी थी, तब राज्य सरकार ने एक आदेश जारी करते हुए सभी कमेटियों को रद्द कर दिया था।

ज्ञात रहे कि हैरिटेज नगर निगम में 100 सदस्यों वाले बोर्ड में कांग्रेस के 47 सदस्य है। यहां 11 निर्दलीय पार्षदों में से 9 लोगों ने समर्थन देते हुए कांग्रेस बोर्ड बनाने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा कांग्रेस का मेयर बनाने में भी इन्ही निर्दलीयों ने अहम भूमिका निभाई है। तब कांग्रेस ने इनको वादा किया था कि संचालन समितियों में सभी को प्रमुखता से जगह दी जाएगी। लेकिन अब ये पार्षद खुद को ठगा सा महसूस कर रहे है।

न्यायिक कर्मियों का सामूहिक अवकाश जारी

जयपुर। न्यायिक अफसर के निवास पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सुभाष मेहरा के आत्मदाह से जुड़े मामले को लेकर जिला न्यायालय सहित जयपुर मेट्रो प्रथम व द्वितीय के न्यायिक कर्मचारी गुरुवार को भी सामूहिक अवकाश पर रहे। वहीं कर्मचारी संघ व आंदोलन संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों ने हाईकोर्ट की ओर से मामले में गृह विभाग के विशेष सचिव युधिष्ठिर शर्मा की कमेटी से वार्ता की। कमेटी से करीब पौने दो घंटे हुई वार्ता में संघर्ष समिति के अध्यक्ष बद्रीलाल चौधरी, जिलाध्यक्ष सतवीर सिंह, नरेन्द्र यादव व सतीश गुप्ता सहित मृतक कर्मचारी के आश्रित शामिल हुए। कर्मचारियों ने कमेटी को अपनी मांगों और घटना की जानकारी दी।

वर्ल्ड रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का रहा दबदबा

जयपुर, (का.सं.)। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड, नई दिल्ली के तत्वाधान में उत्तर पश्चिम रेलवे खेलकूद संघ, जयपुर द्वारा आयोजित यूएसआईसी वर्ल्ड रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप प्रतियोगिता 2022 में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा कायम रहा एवं पुरूष, महिला तथा मिश्रित युगल के फाइनल में जगह बनाई है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार महिला युगल सेमीफाइनल मे सुतीर्था मुखर्जी/प्राप्ति सेन (भारत) एवं स्त्रोनादोवा कारोबीना/एस. जाना (चैक गणराज्य) ने अपने मुकाबले जीत कर फाइनल में जगह बनाई। इसी प्रकार पुरूष युगल के सेमीफाइनल में रोनित भाजा/अनुक्रम जैन (भारत) एवं अनिर्बन घोष/अनिर्बन नन्दी (भारत) ने फाइनल में जगह बनाई।

मिश्रित युगल सेमीफाइनल में अनिर्बन घोष/सुतीर्था मुखर्जी (भारत) ने फ्लिबोर ज्बीनेक/ स्त्रोनादोवा कारोबीना (चैक गणराज्य) को 0-3 से एवं अनुक्रम जैन/पोयमंती वैश्य (भारत) ने रोहित भाजा/प्राप्ती सेन (भारत) को 2-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

आज पुरूष एवं महिला एक मुकाबले भी प्रारम्भ हुए। विभिन्न लींग मैचों के बाद आयोजित क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा कायम रहा एवं भारत के रोनित भाजा, अनिबेन नन्दी, अनुक्रम जैन एवं अनिर्बन घोष ने पुरूष एकल सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसी प्रकार महिला क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में सुतीर्था मुखर्जी (भारत), स्त्रोनादोवा कारोबीना (चैक गणराज्य), पोशमंति वैश्य (भारत) एवं प्राप्ति सेन (भारत) ने मैच जीतकर सेमी फाइनल में जगह बनाई।

उत्तर-पश्चिम रेलवे खेलकूद संघ, जयपुर की ओर से आयोजित यूएसआईसी वर्ल्ड रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप प्रतियोगिता में देशी-विदेशी टीमों ने भाग लिया।

फायरिंग से पहले रैकी करने वाला बदमाश भी गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। मुरलीपुरा पुलिस ने विवाहिता अंजलि पर फायरिंग से पहले इलाके की रैकी करने वाले बदमाश मोहम्मद जुबैर निवासी जौहरी बाजार को गिरफ्तार किया है। दरअसल अंजलि ने मोहम्मद लतीफ के साथ लव मैरिज की थी, इस कारण उसका जेठ अब्दुल अजीज व अन्य परिवारजन नाराज थे।

आरोपी अब्दुल अजीज ने अपने परिचित मोहम्मद राजा को कहकर अंजलि पर फायरिंग करवाई थी। आरोपी राजा ने चूडी बनाने वाले अपने परिचित मो.कलीम आर आबिद को वारदात के लिए तैयार किया। तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस पूछताछ में सामने आया कि जौहरी बाजार निवासी मोहम्मद जुबैर भी पिछले 15-20 दिनों से कलीम और आबिद के साथ स्कूटी पर घूमकर इलाके की रैकी कर रहा था।

वैश्यावृत्ति मामले में दो दलाल गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। चित्रकूट थाना पुलिस ने वेश्यावृत्ति के मामले में दो दलालों को गिरफ्तार किया है। वहीं बाहरी राज्यों से बुलाई गई दस लड़कियों को दस्तयाब किया हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी वाट्सएप के जरिए पहले लड़कियों की फोटो मंगवाते थे और पैसे के लेनदेने का सौदा करते थे। पुलिस इस मामले में गहनता से जांच कर रही हैं। पुलिस ने बताया कि बुधवार रात को मुखबिर से सूचना मिली कि चित्रकूट निवासी सुमित शर्मा उर्फ चिंटू शर्मा महिलाओं से वेश्यावृत्ति करवाता है। जयपुर में अलग-अलग जगह लड़कियों को ठहराता है। इस पर पुलिस ने दबिश देकर दो जनों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी वेश्यावृत्ति के लिए ऑनलाइन ग्राहक बुक कर लड़कियां भिजवाते है। आरोपी सुमित ने इस काम के लिए चार मोबाइल नंबर ले रखे हैं। पुलिस ने उसे करणी विहार थाना अंतर्गत जीडीसी क्लब के पास पकड़ा। उसके मोबाइल में बड़ी संख्या लड़कियों की फोटो मिली है, जो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के जरिए ग्राहकों को भेजी हुई थी। वेश्यावृत्ति के लिए पैसों की लेन-देन की बातचीत भी मिली। आरोपी सुमित को गिरफ्तार किया गया और लड़कियों को वेश्यावृत्ति के लिए ग्राहकों के पास पहुंचाने और वापस लाने का काम करने वाले मूलतः नीमकाथाना स्थित चीचडोली हाल मोती नगर निवासी हेमेन्द्र सिंह उर्फ हैप्पी राजपूत (24) को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने बताया कि शहर में अलग-अलग जगह 10 लड़कियां ठहरा रखी है, जिन्हें वेश्यावृत्ति के लिए लाया गया है। आरोपी सुमित से वेश्यावृत्ति के लिए भेजी जाने वाली लड़कियों से कमिशन के तौर पर लिए गए 18800 रुपए भी बरामद किए।

धार्मिक स्थल तोड़ने व पुलिस द्वारा लाठीचार्ज के विरोध में बंद रहा आबूरोड

पुलिस ने पथराव करने वाले करीब दो दर्जन लोगों को हिरासत में लिया

आबूरोड, (निसं)। आबूरोड़ सातपुर में बुधवार को हाईकोर्ट के आदेश के बाद अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान तालाब किनारे अतिक्रमण की जद में बने हनुमान मंदिर को भी हटाया। मंदिर हटाने के दौरान मौके पर लोगों का विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। आक्रोशित भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। पुलिस पर किए गए पथराव में एएसपी, सीओ सहित चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। बुधवार को धार्मिक स्थल तोड़ने व पुलिस द्वारा लाठीचार्ज के विरोध में गुरुवार को भाजपा व हिन्दू संगठनों की ओर से आबूरोड बन्द का आव्हान किया। भाजपा के बन्द का आबूरोड असर देखने को मिला। सुबह से ही बाजार बन्द रहे।

आबूरोड में मंदिर तोड़ने के बाद विधायक जगसीराम कोली (बीच में) के साथ हनुमान चालीसा का पाठ करते भाजपा कार्यकर्ता।

रेवदर विधायक जगसीराम कोली के नेतृत्व में सुबह शहर में रैली निकाली गई और जंहा हनुमान मंदिर तोडा गया। उस स्थल पर जाकर हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। हनुमान चालीसा के पाठ के बाद तहसीलदार को ज्ञापन सोप गया। ज्ञापन में अतिक्रमण हटाने की याचिका लगाने वाले कांतिलाल उपाध्याय का अतिक्रमण तोड़ने की मांग की गई। साथ पुलिस पर आरोप लगाया की लाठीचार्ज के दौरान महिलाओं और बच्चियों को भी पिटा गया। साथ ही निर्दोष लोगों को भी गंभीर धाराओ में फंसाया गया। जिन्हे तुरंत रिहा करने की मांग की गई।

रेवदर विधायक जगसीराम कोली ने कहा कि प्रशासन अतिक्रमण हटाने में दोहरे मापदंड अपना रहा है याचिकाकर्ता खुद अतिक्रमण कर रहा है। जिसके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष दिनेश खंडेलवाल ने कहा कि हम उच्च न्यायालय के आदेश का सम्मान करते है। हमारी धार्मिक भावनाये आहत हूँ। फिर भी हमने कडवा घूंट पीया। हो सकता है मंदिर हटाने से आक्रोशित लोगों ने गलती कर दी हो पर पुलिस को समझाईश करनी चाहिए। कई लोगों को बिना वजह फसाया जा रहा है। जों निर्दोष है उन्हें तुरंत रिहा किया जाए और कांतिलाल के अतिक्रमण पर कार्रवाई की जाए। मांगे नहीं जाने पर आगामी समय में अनिश्चितकालीन आबूरोड बन्द रखा जाएगा। आबूरोड बन्द के दौरान पुलिस का भारी जाब्ता मौजूद रहा शहर थानाधिकारी सरोज बैरवा, सदर थानाधिकारी प्रवीण कुमार रीको थानाधिकारी हरचंद देवासी सहित बडी मात्रा में पुलिस बल तैनात रहा।

सातपुर में बुधवार को तालाब की पाल पर बने मंदिर को हाईकोर्ट के आदेश के बाद मंदिर व तालाब पर बने अन्य अतिक्रमण को हटाया गया। सुबह 6 बजे से पुलिस का भारी जाब्ता सातपुर पंहुचा जंहा एडीएम कालूराम खौड के नेतृत्व में कार्रवाई शुरू की गई। मौके पर पहुंचे भाजपा ग्रामीण मण्डल के अध्यक्ष दिनेश खंडेलवाल ने प्रशासन से हनुमान की मूर्ति को अन्य मंदिर में शिफ्ट करने को कहा। जिस पर पुलिस प्रशासन की टीम ने मूर्ति को निकाल सातपुर के अन्य मंदिर में शिफ्ट की। मौके पर जेसीबी की मदद से मंदिर को तोडा वही तालाब की जद में आ रहे अन्य अतिक्रमण को भी मौके से तोडा गया।

■ हाईकोर्ट के आदेश के बाद अतिक्रमण हटाया गया था

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद भाजपा व हिन्दू संगठनों के नेताओं ने मंदिर तोड जाने के विरोध में सांकेंतिक रूप से गिरफ्तारी दी। पर स्थानीय लोग सड़क पर जमे रहे। पुलिस ने लोगों से समझाइश की पर लोग नहीं माने तो पुलिस ने सड़क पर बैठे लोगों को उठाया और अपने घर जाने को कहा। आक्रोशित लोग जैसे ही गलियों में गए तो गलियों में जाकर पथराव शुरू कर दिया। पथराव में एएसपी देवाराम चौधरी के नाक पर चोट लगी वही माउंट आबू सीओ योगेश शर्मा के मुँह पर चोट लगी। साथ ही अन्य दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। लोगों के पथराव के बाद पुलिस ने मौके पर हल्का बल प्रयोग और लाटीचार्ज किया। गलियों में जाकर पुलिस ने पथराव करने वाले करीब दो दर्जन लोगों को हिरासत में लिया।

जिला कलैक्टर डॉ भवरलाल चौधरी ने बताया कि सातपुर निवासी कांतिलाल उपाध्याय द्वारा हाईकोर्ट में याचिका लगाई की थी। तालाब की 14 बीघा भूमि पर अतिक्रमण है। जिसके बाद हाईकोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई की गई।

मेघवाल और धाणक समाज के लोगों ने कांग्रेस का हाथ थामा

विधायक डॉ. कृष्णा पूनियां को केलों से तौलकर किया स्वागत

राजगढ़ में हो रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर बीजेपी व बसपा छोड़ कांग्रेस का हाथ थामा।

सादुलपुर, (निसं)। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की अध्यक्ष एवं सादुलपुर विधायक पदमश्री डॉ.कृष्णा पूनिया के नेतृत्व में कालानाताल ग्राम पंचायत के गाँव खारिया गोदारा, कानावासी, कालानाताल के दर्जनों मेघवाल और धाणक समाज के लोगों ने राजगढ़ में हो रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर बीजेपी व बसपा छोड़ कांग्रेस का हाथ थामा है। वहीं उक्त कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया को केलो से तौला कर भव्य स्वागत किया।

इस दौरान महेंद्र सिंह मेघवाल, लोकराम मेघवाल, अशोक मेघवाल, डूंगरराम मेघवाल, सुभाष चंद्र मेघवाल, चाननमल मेघवाल, मंगलचन्द मेघवाल, मानसिंह मेघवाल, राजेश कुमार पुत्र दौलत राम मेघवाल, संदीप मेघवाल, संजय मेघवाल, मेवा सिंह मेघवाल, अजीत पुत्र लोकराम मेघवाल, हरिराम भगत, कालाना टिब्बा से मुंशीराम मेघवाल, रामकुमार मेघवाल, महावीर मेघवाल, फतेह सिंह मेघवाल, उम्मेद सिंह मेघवाल सहित दर्जनों मेघवाल और धाणक समाज के लोगों ने बीजेपी और बसपा छोड़ कांग्रेस पार्टी का हाथ थामा और विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया में विश्वास जताया।

इस दौरान बीजेपी बसपा छोड़ कर कांग्रेस ज्वॉइन करने पर सभी लोगों को पगड़ी और साफा पहनाकर स्वागत किया गया। मेघवाल और धाणक समाज के लोगों ने कहा कि हम विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया के विकास कार्यों से प्रेरित होकर सबको बिना भेदभाव के साथ लेकर चलने वाली कार्यशैली को देखते हुए कांठोस पार्टी में शामिल हुए हैं। जिससे कांग्रेस पार्टी में विश्वास जताया और आने वाले चुनावों में समाज के लोगों को जागरूक करेंगे। विधायक डॉ कृष्णा पूनिया ने कहा कि आप सभी हमारे कांग्रेस परिवार के सदस्य हैं, हम उनका स्वागत करते हैं।

इस दौरान मंच पर चरणसिंह काजला सरपँच, जेठूराम पूर्व सरपंच, रामकरण मेघवाल गोपाल पूर्व प्रिंसिपल, शिशुपाल पूनिया, दौलतराम मेघवाल, शंकर लाल धानक, चंद्रभान खीचड़, सवाईसिंह पचार, चंद्रभान चाहर, ईश्वर सिंह पूनिया पूर्व सरपंच बैरासर, नाहर सिंह मेघवाल, सतवीर बागोत, ओम प्रकाश मेहरा व नगर अध्यक्ष पवन सैनी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भवन सीज करने का विरोध, हंगामा किया

जोधपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर स्थित देवी रोड चांदणा भाखर में गुरूवार की सुबह हंगामा हुआ। नगर निगम दक्षिण के अधिकारी एक मकान को सीज करने पहुंचे। तब भवन मालिक ने सीज मकान में पीछे के हिस्से से अपनी स्कूली बच्ची को अंदर डालकर हंगामा कर दिया। जिस पर बाद में पुलिस भी वहां पहुंची। बच्ची को मकान से मुक्त कराने के बाद निगम की तरफ से राजकार्य में बाधा डालने का केस भवन मालिक के खिलाफ दर्ज करवाया गया है। आरोपी को फिलहाल गिरफ्तार नहीं किया गया है।

प्रतापनगर थानाधिकारी देवीचंद ढाका ने बताया कि देवी रोड, चांदणा भाखर में रहने वाला राजेंद्र सोनी अपने भवन को निर्माण दो मंजिला करवा रहा है। भवन के नीचे के पिलर को नाले से उठाया गया है जोकि अतिक्रमण की श्रेणी में आता है। इसके लिए उसे नगर निगम की तरफ से नोटिस भी जारी किए गए। मगर वो नहीं माना। तब निगम ने उसके मकान को सीज करने के आदेश जारी कर दिए।

गुरूवार की सुबह नगर निगम दक्षिण के आरएएस अधिकारी चंपालाल स्टाफ के साथ पहुंचे। तब मकान से सामान निकालने को कहा गया और सीज की कार्रवाई आरंभ की गई। इस बीच मकान मालिक राजेंद्र सोनी ने अपनी एक बच्ची जोकि स्कूल से आई थी उसे भवन के पीछे की खिडक़ी से दाखिल करवा दिया और बाद में निगम के खिलाफ हंगामा करने लगा। बच्ची के अंदर होने की बात पर बखेड़ा खड़ा कर दिया। इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस वहां पहुंची।

थानाधिकारी ढाका ने बताया कि बच्ची को भवन से मुक्त करवाने के साथ भवन को सीज कर दिया गया है। निगम अधिकारी चंपालाल ने राजेंद्र सोनी के खिलाफ राजकार्य में बाधा उत्पन्न करने का केस दर्ज करवाया है। उसे गिरफ्तार नहीं किया गया है।

बिल जमा नहीं करवा नकदी हड़पी

उदयपुर, (कासं)। बिजली बिल जमा नहीं करवा नकदी हड़पने वाले ई-मित्र संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित भीलों का बेदला निवासी धनराज पुत्र बंशीलाल प्रजापत ने सूर्या स्टेट हिरणमगरी हॉल देहलीगेट स्थित ई-मित्र संचालक जय गखरेजा पुत्र रमेश के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि अक्टूबर माह में आरोपी को विद्युत बिल जमा करवाने के लिए 28 हजार रूपये का भुगतान किया था। आरोपी ने बिल जमा नहीं करवाया। इसका पता चलने पर उगाही की तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं देकर टालमटोल करना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

डॉक्टरों पर लापरवाही का केस दर्ज

जोधपुर, (का.सं.)। जोधपुर शहर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र में आए एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों एवं प्रबंधन के खिलाफ इलाज में कोताही बरते जाने और युवक को अपंग किए जाने का केस बासनी थाने में दर्ज हुआ है। युवक की मां ने कोर्ट में इस्तगासा दायर कर बासनी थाने में नामजद डॉक्टरों के खिलाफ रिपोर्ट दी है। पुलिस ने इसमें अब अनुसंधान आरंभ किया है।

बासनी पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में एच सेक्टर यूआईटी कॉलोनी निवासी इंदू बाला पत्नी घनश्याम सैनी ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका पुत्र जयेश सैनी गत 16 अगस्त को डायरेक्टर ऑफ टेक्रिकल एजुकेशन कार्यालय से निकल कर अपनी स्कूटी से वीरदुर्गादास ओवर ब्रिज से घर की तरफ आ रहा था। तब ओवरब्रिज के समीप एक ट्रक चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उसके पुत्र जयेश के टक्कर मार दी थी। जिस पर उसके पुत्र के बायें पैर में गंभीर चोट लगने पर मथुरादास माथुर अस्पताल ले जाया गया था। बेटे की दुर्घटना की जानकारी अन्य लोगों से उसे मिली थी।

रिपोर्ट में बताया कि उसके पुत्र का बायां पैर फ्रेक्चर हो गया था। तब वह अपने पुत्र जयेश को लेकर बासनी औद्योगिक क्षेत्र स्थित निजी अस्पताल मेडिपल्स लेकर आई। 17 अगस्त को अस्पताल के एक डॉक्टर राहुल ने बताया कि बेटे के पैर में तीन फ्रेक्चर है। इस पर 18 अगस्त को ऑपरेशन का बोला गया। मगर पीड़िता ने कहा

■ युवक को अपंग किए जाने का केस बासनी थाने में दर्ज

कि वह पेमेंट आरजीएचएस योजना के तहत करेंगी। इस पर अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि वह इसका पेमेंट पहले कर दें बाद में योजना से पेमेंट उठा लेना। इस पर अस्पताल में पेमेंट को जमा करवाया गया।

18 की शाम को उसके पुत्र का ऑपरेशन किया गया और 20 को छुट्टी दे दी गई। मगर घर आने पर उसके पैरों सूजन के साथ रक्तस्त्राव रूकने से वह एक जगह पर काला पड़ना शुरू हो गया। कोई हलचल भी पैर में नहीं हो रही थी। तब पुन: अस्पताल में दिखाया गया। तब अन्य डॉक्टर ने फिर से ऑपरेशन की बात की और रकम जमा करवाई गई। डॉक्टर ने बताया कि उसके पुत्र का ऑपरेशन या इलाज किसी जानकार से करवाया। यहां अस्पताल में सुविधा नहीं है, उसे लेकर अहमदाबाद जाएं।

रिपोर्ट में बताया कि उसके पुत्र जयेश को बाद में अहमदाबाद लेकर गए। मगर यहां पर पैर को काटना पड़ा। आरोप है कि मेडिपल्स अस्पताल के डॉक्टरों की लापरवाही से उसके पुत्र का पैर काटना पड़ा और वह अपंगता का जीवन जीने को विवश हुआ है। कोर्ट से मिले इस्तगासे पर बासनी पुलिस ने मामला दर्ज किया है। इसमें अब अठिम अनुसंधान किया जा रहा है।

पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए बरी किया

जोधपुर, (कासं)। विशिष्ट न्यायालय पॉक्सो एक्ट जोधपुर महानगर की अदालत ने एक बहुचर्चित प्रकरण में आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए बरी करने का आदेश पारित किया है। दुष्कर्म के बाद गर्भवती हुई नाबालिग की मां ने जिस व्यक्ति पर आरोप लगाया था उसका मृत जन्मी बच्ची के साथ डीएनए मैच नहीं हुआ। साथ ही पीड़िता ने कोर्ट में आरोपी द्वारा दुष्कर्म किए जाने से इनकार कर दिया। वहीं पीड़िता कोर्ट में दो अन्य लोगों पर दुष्कर्म का आरोप लगाया। उनका डीएनए भी मैच नहीं हुआ।

जोधपुर शहर के एक थाने में एक महिला ने 3 फरवरी 2021 में मामला दर्ज कराया कि उसकी 17 वर्षीय बेटी की तबीयत खराब होने पर वह उसे अस्पताल लेकर गई। वहां डॉक्टर ने जांच कर बताया कि यह पांच माह की गर्भवती है। बेटी से पूछने पर उसने बताया कि क्षेत्र में ही दुकान चलाने वाले गोविन्द लाल ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में चालान पेश किया। बाद में पीड़िता ने एक मृत बच्ची को जन्म दिया।

आरोपी के तरफ से अधिवक्ता फमेश कल्ला, स्नोहा पुरोहित व किशोर कुमार सिसोदिया ने कोर्ट को बताया कि आरोपी पर उक्त आरोप बेबुनियाद झूठे व मनगढंत हैं। नाबालिग बच्ची ने 164 के बयानों में आरोपी का नाम नहीं लिया है। ऐसी स्थिति में पुलिस ने कोई शिनाख्त परेड नहीं करवाई। वहीं नाबालिग पीड़िता ने जिस मृत बच्ची को जन्म दिया और डीएनए टेस्ट आरोपी के साथ मैच नहीं हुआ। बहस के दौरान पीड़िता ने कहा कि मेरी मम्मी ने उक्त मामला अपने मन से दर्ज करवाया है। वहीं आरोपी के मोबाइल से पीड़िता की कोई फोटो व वीडियो नहीं मिला है।

बहस के समय पीड़िता ने ही एक आश्चर्यजनक बात कही कि मेरे साथ दो अन्य लोगों ने दुष्कर्म किया है। जिस पर पुलिस ने उन दोनों आरोपियों का डीएनए जांच करवाई, लेकिन उनका भी मिलान नहीं हुआ है। इससे साफ जाहिर है कि पीड़िता व उनकी माता असली आरोपी को खुद ही बचा रही है और न्यायालय का समय खराब कर रही है। कल्ला ने इस तरह के मामलों में सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट की नज़ीर का भी उल्लेख किया।

आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। चालानी गार्ड को धक्का देकर भागे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। खेरवाड़ा थाना पुलिस ने चालानी गार्ड को धक्का देकर भागे हत्या के आरोपी करनाउवा खेरवाड़ा निवासी मनीष पुत्र गुलजारीलाल को गिरफ्तार किया।

मनीष हत्या के मामले में जेल में बंदी था। जिसे पुलिस खेरवाडा न्यायालय में 23 नवंबर को पेशी पर लेकर आई थी। सांय पेशी बाद लौटते समय वाहन में बिठाने के दौरान चालानी गार्ड को धक्का देकर भाग गया था। जिसे पुलिस दल ने पिछा कर पकड लिया था। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

प्रेमी युगल के हत्यारे तांत्रिक को न्यायालय ने जेल भेजा

उदयपुर, (कासं)। गोगुंदा के निकट उबेश्वर के जंगलों में प्रेमी युगल की निर्ममतरीके से हत्या के आरोपी तांत्रिक भालेश जोशी को कोर्ट ने जेल भेज दिया है। इससे पूर्व पुलिस ने रिमांड अवधि के दौरान आरोपी से बाइक, कपड़े व बैग बरामद किए।

ज्ञातव्य है कि गत 18 नवबर को गोगुन्दा के केलावाडी जंगल में अज्ञात युवक व युवती का शव पडा मिला था। हत्यारे ने प्रेमी युगल को पहले झांसे में लेकर दोनों के शरीर पर फेविक्विक उड़ेल दिया था जिससे दोनों चिपक गए थे और इसके बाद धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी थी। मृतकों की शनाख्त पलोदड़ा फला पदमावत हॉल राजकीय प्रा. वि. खाना खेड़ी के अध्यापक राहुल पुत्र चतरसिंह मीणा के रूप में तथा युवती की शिनाख्त मदार निवासी सोनू कुंवर पुत्री भूरसिंह के रूप में की थी।

पुलिस ने मामले का 72 घंटे में खुलासा करते हुए हत्यारे आरोपी तांत्रिक भालेश जोशी को गिरफ्तार किया था। हत्यारे भालेश को न्यायालय ने तीन दिन के रिमांड पर भेजा था। गुरूवार को रिमांड अवधि समाप्त होने पर पुलिस ने पुनः तांत्रिक भालेश को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

रिमांड अवधि के दौरान पुलिस ने आरोपी से हत्या में उपयोग ली गई बाइक, कपड़े व बैग बरामद कर लिए है। गौरतलब है कि मृतक युवक और युवती दोनों ही तांत्रिक से पहले ही संपर्क में थे। लेकिन तांत्रिक ने खुद को बदनाम करने की आशंका के चलते दोनों की निर्मम तरीके से हत्या कर दी।

पुजारी पर दुष्कर्म का आरोप

बीकानेर, (कासं)। जिले के एक एरिया से नाबालिग के साथ दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया। आरोप लगाया जा रहा है कि सात वर्ष की लड़की से मंदिर के पुजारी ने दुष्कर्म किया है। घटना की जानकारी मिलने के साथ ही पुलिस पुजारी की तलाश में जुट गई है, जो घटना के बाद से फरार था। जिसे अब राउंडअप किया गया है। थाने में लड़की की मां ने एफआईआर करवाई है कि उसकी बेटी स्कूल गई थी, वो नहीं आई तो मां देखने गई।

रास्ते में मंदिर के पास बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। अंदर देखा तो पुजारी उस नाबालिग के साथ दुष्कर्म कर रहा था। महिला ने जैसे-तैसे अपनी बेटी को बचाया। बाद में पुजारी वहां से फरार हो गया। इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। जिसने देर रात लड़की का मेडिकल मुआयना करवाया। इसके बाद से पुजारी की तलाश की गई है। अलग अलग दल बनाकर दबिश दी गई। सुबह तक पुजारी पुलिस के हाथ नहीं लगा था। अभी पुलिस मेडिकल रिपोर्ट का भी इंतजार कर रही है। पुलिस का एक दल मौके पर भी पहुंचा है, जहां से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुजारी घटना के बाद से फरार था लेकिन बाद में गुरुवार सुबह राउंड अप कर लिया गया।

उपचुनाव में अशोक पींचा को जीतायें: कटारिया

सरदारशहर, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र के गणमान्य प्रबुद्ध जन व्यापारी, वकील, उद्योगपति, सभी समाजों के गणमान्य नागरिकों की एक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बनवारी जांगिड ने की। विशिष्ट अतिथि जितेंद्र सिंह शेखावत, ओम जोशी नेपाल, हिमांशु दूगड गांधी विद्या मंदिर अध्यक्ष, बनवारीलाल सिंघल विधायक अलवर, कन्हैयालाल चौधरी विधायक मालपुरा, ओम सारस्वत, डॉ. अविनाश पारीक आदि ने संबोधित किया। नेता प्रतिपक्ष गुलाब कटारिया ने बताया कि राजस्थान में अशांति, भ्रष्टाचार, लव जिहाद, बेरोजगारी भत्ता नहीं देना, किसानों का कर्ज माफ करना आदि की झूठी घोषणाएं करते हैं इनके घोषणापत्र में कोई काम नहीं हुए। पिछले 4 वर्ष से सरकार गुटबाजी के चलते होटलों में बैठे हैं इसलिए अब इस उपचुनाव में अशोक पींचा को जीता कर इस भ्रष्टाचार रूपी सरकार को उखाड फेंकना है। संचालन दुनीचंद जोशी ने किया।

भाजपा प्रत्याशी अशोक पींचा ने गांवों का दौरा किया:- सरदारशहर विधानसभा उपचुनाव के रण में ग्रामीण जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान भाजपा

■ भाजपा की प्रबुद्ध जन बैठक आयोजित

प्रत्याशी अशोक पींचा ने मालासर, कांगड, चैनपुरा, देवीपुरा, हुडेरा, नोसरिया, गोलसर, हंसासर, छोटडिया, मेलूसर, गोगासर मे ग्रामीण संपर्क कर देव तुल्य बुजुर्गों से आशीर्वाद प्राप्त कर आने वाली 5 दिसंबर को भाजपा के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की।

चूरू जिले के सासंद राहुल कस्वां ने सरदारशहर विधानसभा उपचुनाव 2022 में 5 दिसंबर को भाजपा के पक्ष में विकास के नाम पर मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज संपूर्ण भारत में भारतीय जनता पार्टी के नाम का डंका बज रहा है और राजस्थान भी आने वाले समय में अछूता नहीं रहेगा इस अवसर पर रतनगढ विधायक अभिनेश महर्षी, शिवचंद साहू, पूर्व प्रधान सत्यनारायण सारण, प्रधान प्रतिनिधि मधुसूदन राजपुरोहित, श्यामलाल शर्मा, पूर्व नपा उपाध्यक्ष मुरलीधर सैनी आदि उपस्थित रहे।

नकदी और जेवरात चोरी

उदयपुर, (निसं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में स्थित सूने मकान का चोर ताल तोड़ कर सोने चंदी के जेवरात व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित टेक्टनोक्रेट सोसायटी बेदला रोड़ निवसी प्रकाश चन्द्र जोशी पुत्र रामचन्द्र जोशी ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि 14 नवंबर को मेरी पुत्री की तबीयत खराब होने पर उसे जयपुर छोड़ने के लिए गया था। दो दिन पूर्व लैटा तो मकान का ताला टूआ हुआ था एवं करीब 11 तोला सोने के जेवरात एवं 25 हजार रूपये नकदी गायब मिली। मामले में पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। वहीं सुखेर थाना पुलिस ने कैलाशपुरी निवासी पुष्करलाल पुत्र हेमा की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के खिलाफ 22 नवंबर को देवपुरा पेट्रोलपंप के सामने से पीकअप वाहन चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया।

महिला के जेवरात लूटे

उदयपुर, (कासं)। मवेशी लेकर घर लौट रही महिला के बाइक सवार अज्ञात बदमाश जेवरात लूट ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार खेरोदा थाना क्षैत्र खेडली गांव निवासी चुन्नीबाई (55)पत्नी केसुलाल 23 नवंबर सांय मवेशी लेकर खेत से घर लौट रही थी।

प्रोडक्शन वारंट पर तीन आरोपी गिरफ्तार

पांच मिनट में लग्जरी गाड़ियां चोरी करने का मामला

अजमेर, (कास)। अजमेर में लग्जरी वाहन चोरी की बढ़ती वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए गठित संयुक्त टीम आदर्श नगर थाना पुलिस व जिला स्पेशल टीम ने कार्यवाही करते हुए गत दिनों गैंग का खुलासा किया था। लग्जरी गाडियां चोरी करने के मामले में क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने गुरुवार को तीन आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने मामले में आरोपी तस्कर रामनिवास से पूछताछ के बाद 4 क्रेटा व एक आई 20 गाड़ियां बरामद की है।

जिला एसपी चूनाराम जाट (बीच में बैठे हुए) व पुलिस टीम (पीछे)।

■ तस्कर से चार क्रेटा व एक आई-20 गाड़ी बरामद की

उल्लेखनीय है कि पुलिस ने गत दिनों 11 लग्जरी गाडियां बरामद की थी, जिसमें आरोपियों ने 100 से ज्यादा वारदात करना कबूल किया था। जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने बताया कि आदर्श नगर थाना पुलिस ने लग्जरी गाडियां चोरी करने के मामले में आरोपी कुंजीलाल गुर्जर, विनोद मीणा, विमल शर्मा व रामनिवास विश्नोई को गिरफ्तार कर 11 लग्जरी गाडियां बरामद की गई थी जिन्हें पूछताछ के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया था।

मामले में क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट पर तीनों आरोपियों कुंजीलाल गुर्जर, विनोद मीणा व रामनिवास विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी रामनिवास विश्नोई ने गाडियां कुंजीलाल से पांच गाडियां चोरी की खरीदना बताया जो कि रामनिवास के मकान के पास खड़ी होना बताया। पुलिस ने आरोपी रामनिवास की निशादेही पर 4 क्रेटा और एक आई20 लग्जरी गाडियां बरामद की गई।

पांड्या एक 'नेचुरल लीडर' है। वह आपको इस बात की इजाजत देते है कि आप जैसा चाहे वैसा खेलो। और उन्होंने आईपीएल में गुजरात टाइटंस की खिताबी जीत में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। - डेविड मिलर

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज, हार्दिक पांड्या के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जोफ्रा आर्चर

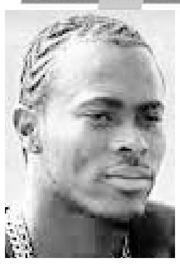

एमआई केपटाउन ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को अगले साल जनवरी से शुरू हो रहे एसए-20 लीग के उद्घाटन सत्र के लिए वाइल्डकार्ड के रूप में अनुबंधित करने की बुधवार को घोषणा की। लंबे समय से कोहनी की समस्या के कारण आर्चर ने मार्च 2021 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है जिसके बाद पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर हो गया था। वह बुधवार को अबुधाबी में इंग्लैंड की मुख्य टीम के खिलाफ एक मैच में इंग्लैंड लायंस के लिए खेले। आर्चर को मुंबई इंडियंस ने पिछली आईपीएल नीलामी में आठ करोड़ रुपये में अनुबंधित किया था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

डी कॉक ने कहा, युवा खिलाड़ियों के लिये महत्वपूर्ण होगी एसए-20

जोहान्सबर्ग, 24 नवंबर। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने गुरुवार को कहा कि स्वदेश में होने वाली फ्रेंचाइजी लीग एसए20 जैसा बड़ा टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों के विकास के लिये महत्वपूर्ण साबित होगा। डी कॉक ने दक्षिण अफ्रीका की नयी टी20 लीग के बारे में कहा, यह एक नया टूर्नामेंट है, इसलिए मुझे लगता है कि कुछ अप्रत्याशित देखने को मिलेगा। हमारे पास ऐसे कई टूर्नामेंट हैं लेकिन हाल-फिलहाल में कोई आयोजन नहीं हुआ है। जाहिर है, यह काफी बड़ा आयोजन है। मुझे लगता है कि यह लीग स्थानीय फ्रेंचाइजी प्रणाली की बड़ी घटनाओं में से एक होगी। उन्होंने कहा, बहुत सारे युवा जो बड़े टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होते हैं, वे इसमें शामिल होंगे। इसलिए यह नये लोगों के लिये अच्छा होगा और निश्चित रूप से उन लोगों के लिये जो लंबे समय से क्रिकेट खेल रहे हैं। इसी बीच, केशव महाराज ने कहा कि यह उनके लिये नये चेहरों के साथ खेलने का और उनसे सीखने का अवसर होगा। डर्बन सुपर जायंट्स के लिये खेलने वाले महाराज ने कहा, मैं कुछ नये चेहरों के साथ कंधे से कंधा मिलाने की उम्मीद कर रहा हूं। कुछ टी20 विशेषज्ञों से खेल के बारे में अधिक सीखने की उम्मीद है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं मैदान पर और बाहर नयी दोस्ती बना रहा हूं और विशेष रूप से अपने गृहनगर डरबन में खेल रहा हूं। उल्लेखनीय है कि दक्षिण अफ्रीका की घरेलू फ्रेंचाइजी लीग एसए20 का आयोजन 10 जनवरी से किया जायेगा। इस लीग में एमआई केप टाउन, डर्बन सुपर जायंट्स, पार्ल रॉयल्स, प्रिटोरिया कैपिटल्स, सनराइजर्स ईस्टर्न केप और जोबर्ग सुपर किंग्स सहित कुल छह टीमें हिस्सा ले रही हैं।

कोरिया ने उरुग्वे को ड्रॉ पर रोका

अल रैयान, 24 नवंबर। दक्षिण कोरिया ने शानदार डिफेंस के दम पर गुरुवार को फीफा विश्व कप 2022 के ग्रुप-एच मुकाबले में उरुग्वे को ड्रॉ पर रोककर एक और हैरतंगेज नतीजे को अंजाम दिया। दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे और 28वीं रैंकिंग की दक्षिण कोरिया ने शून्य गोल के ड्रॉ के बाद एक-एक अंक अर्जित किया।

एजुकेशन सिटी स्टेडियम पर खेले गये मैच में उरुग्वे के डिफेंडर डिएगो गोडिन और मिडफील्डर फेडेरिको ने गोल के लिये प्रयास किये लेकिन बॉल नेट तक नहीं पहुंच सकी और 41,663 दर्शकों के सामने मैच 0-0 के स्कोर पर समाप्त हुआ।

उरुग्वे के कप्तान गोडिन ने प्रथम हाफ की समाप्ति से ठीक पहले हेडर मारा लेकिन बॉल गोलपोस्ट के बाएं पोल पर जा लगी। दूसरी ओर, वालवर्डे ने आधिकारिक समय के आखिरी मिनट में बॉल को नेट तक पहुंचाने का प्रयास किया लेकिन बॉल गोलपोस्ट के ऊपरी बार पर जा लगी।

अपनी बाईं आंख के फ्रेक्चर को ढकने के लिये ब्लैक मास्क पहनकर खेल रहे सॉन ह्युंग-मिन ने दक्षिण कोरिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। उनके साथी ह्वांग ईई-जो दक्षिण अफ्रीका का खाता खोलने वाले थे लेकिन उन्होंने गोल के बेहद करीब आकर बॉल को पोस्ट से ऊंचा मार दिया।

कनाडा की विश्वकप में वापसी यादगार नहीं बनने दी बेल्जियम ने

अल रेयान, 24 नवंबर। मिकी बात्सुयाइ के पहले हॉफ के आखिरी क्षणों में किए गए गोल की मदद से बेल्जियम ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं करने के बावजूद कनाडा को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता में अपने अभियान की जीत से शुरुआत की।

कनाडा 36 साल बाद विश्वकप में भाग ले रहा है। उसने अच्छे प्रयास किए, लेकिन बात्सुयाइ के 44वें मिनट में किए गए गोल से उसकी वापसी यादगार नहीं बन पाई। विश्व में दूसरे नंबर की टीम बेल्जियम किसी भी समय अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई। उसके गोलकीपर थिबाउट कौरटोइस ने अगर शुरू में पेनल्टी नहीं बचाई होती तो परिणाम इसके उलट भी हो सकता था।

बेल्जियम के लिए जीत के अलावा मैच में जश्न मनाने वाली कोई अन्य चीज नहीं रही। यहां तक कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक केविन डी ब्रूएन भी अपने और टीम के प्रदर्शन से निराश थे। जब उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया तो वह इस फैसले पर भी हैरान थे। डी ब्रूएन ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि मैंने अच्छा खेल दिखाया। मैं नहीं जानता कि मुझे यह ट्रॉफी क्यों दी गई। मुझे लगता है कि मेरे नाम के कारण मुझे यह पुरस्कार मिला।" बेल्जियम की उम्रदराज टीम को कुछ अवसरों पर कनाडा ने कड़ी चुनौती दी। कनाडा ने विश्वकप के इतिहास में अब तक जो चार मैच खेले हैं वह उन सभी में गोल करने में नाकाम रहा है। उसने 1986 के विश्वकप में तीन मैच खेले थे जिनमें वह गोल नहीं कर पाया था।

कनाडा ने शुरू से आक्रामक रवैया अपनाया जिसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उसने गोल पर 21 शॉट जमाए जबकि बेल्जियम नौ शॉट ही जमा सका। कनाडा के इन शॉट में उसके स्टार खिलाड़ी अल्फोंसो डेविस का पेनल्टी पर लिया गया शॉट भी शामिल है जिसे बेल्जियम के गोलकीपर ने रोक दिया था। कनाडा के पास विश्वकप में गोल करने का यह सबसे सुनहरा मौका था जो उसने गंवा दिया। कनाडा के कोच जॉन हेर्डमैन ने अपने खिलाड़ियों के बारे में कहा, "उन्होंने दिखाया कि वह इस स्तर पर खेलने के लिए तैयार है और इस स्तर के खिलाड़ी हैं।" मैच का निर्णायक पल 44वें मिनट में आया जब बेल्जियम ने बढ़त हासिल की। तब हालांकि डी ब्रूएन का थ्रो या ईडन हजार्ड का पास अच्छा नहीं था लेकिन कनाडा की रक्षा पंक्ति छितर गई जिसका फायदा उठाकर बात्सुयाइ ने गोल दाग दिया। बेल्जियम के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने स्वीकार किया कि छह साल पहले कोच पद संभालने के बाद यह उनकी टीम का सबसे खराब प्रदर्शन था।

विश्व टीम शतरंज : फ्रांस को हराकर भारत अंतिम चार में

यरूसलम, 24 नवंबर। भारत ने टाईब्रेकर तक चले मुकाबले में फ्रांस को पराजित करके फिडे विश्व टीम शतरंज चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले दोनों मुकाबलों में दोनों टीम बराबरी पर रही जिसके बाद ब्लिट्ज टाईब्रेकर का सहारा लिया गया जिसमें भारत ने 2.5- 1.5 के अंतर से जीत दर्ज की। भारत की जीत के नायक निहाल सरीन और एस एल नारायणन रहे जिन्होंने क्रमशः जूल्स मौसर्ड और लॉरेंट फ्रेसिनेट को हराया। भारत के शीर्ष खिलाड़ी विदित गुजराती ने फ्रांसीसी स्टार मैक्सिम वाचियर लाग्रेव को 45 चाल में बराबरी पर रोका जबकि के शशिकिरण को मैक्सिमे लेगार्ड ने 55 चाल में पराजित किया। ऐसे में सरीन और नारायणन की जीत से भारत आगे बढ़ने में सफल रहा। सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला उज्बेकिस्तान से होगा। उज्बेकिस्तान ने यूक्रेन को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। इससे पहले शुरुआती मुकाबले में गुजराती ने लाग्रेव को जबकि नारायणन ने फ्रेसिनेट को हराया। सरीन और शशिकिरण ने अपनी बाजियां ड्रा खेली जिससे भारत ने यह मुकाबला 3-1 से जीता। फ्रांस ने हालांकि दूसरे मुकाबले में इसी अंतर से जीत दर्ज करके मैच को टाईब्रेकर तक खींचा। दूसरे मुकाबले में लाग्रेव ने गुजराती को जबकि फ्रेसिनेट ने नारायणन को हराया। सरीन और शशिकिरण ने फिर से अपनी बाजियां ड्रा खेली। अन्य मुकाबलों में स्पेन ने अजरबैजान और चीन ने पोलैंड को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां यह दोनों टीम आमने-सामने होंगी।

स्विट्जरलैंड 1-0 से जीता
एम्बोलो के गोल से हारा कैमरून

अल वकराह, 24 नवंबर। स्विट्जरलैंड ने कैमरून में जन्मे ब्रील एम्बोलो के गोल की बदौलत गुरुवार को फीफा विश्व कप 2022 के ग्रुप-जी मुकाबले में कैमरून को 1-0 से मात दी। एम्बोलो ने दूसरे हाफ के तीसरे मिनट में गोल जमाकर स्विट्जरलैंड को ग्रुप तालिका के शीर्ष पर पहुंचाया। विश्व कप में 20 साल बाद अपनी पहली जीत तलाश रही कैमरून ने इससे पहले मुकाबले पर पकड़ बना रखी थी, लेकिन एम्बोलो का गोल स्विस टीम की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

एम्बोलो का जन्म कैमरून की राजधानी यॉन्डे में हुआ था लेकिन उनका परिवार पहले फ्रांस, और फिर स्विट्जरलैंड में जा बस गया था। एम्बोलो के गोल के बाद अल जनूब स्टेडियम में मौजूद मुट्ठी भर स्विस समर्थक जश्न में झूम उठे, हालांकि 25 वर्षीय फुटबॉलर इस जश्न में शामिल नहीं हुए। लगातार 10वीं हार के बाद विश्व कप में कैमरून का खराब सफर जारी रहा। अफ्रीकी देश ने 1990 विश्व कप में डियेगो माराडोना की अर्जेंटीना को हराकर बड़ा उलटफेर किया था लेकिन उसके बाद फिर किसी करिश्मे को अंजाम नहीं दे सके हैं। इस मैच के शुरुआती हिस्से में हालांकि कैमरून की जीत की संभावना ज्यादा लग रही थी। ब्रायन एम्बेउमो ने मैच के 10वें मिनट में गोल का प्रयास किया जिसे स्विस गोलकीपर यान सोमर ने इसे रोक दिया। इसके बाद कार्ल टोको-एकांबी ने भी कैमरून को बढ़त दिलाने का प्रयास किया लेकिन बॉल नेट के ऊपर से निकल गयी।

मैच का पहला हाफ समाप्त होने तक स्विस टीम ने सिर्फ एक असफल मौका बनाया था, लेकिन दूसरे हाफ में प्रवेश करते ही उन्होंने बढ़त बना ली। जरदान शाकिरी ने 48वें मिनट में दाईं ओर से क्रॉस दिया, जिसे एम्बोलो ने कैमरून के नेट में पहुंचा दिया। एम्बोलो ने अपनी टीम को बढ़त दिलाने के बाद जश्न के लिये हाथ हवा में उठाये, हालांकि उन्होंने फौरन ही हाथ नीचे भी कर लिये। इस जीत के साथ स्विट्जरलैंड तीन अंक हासिल करके ग्रुप-जी के शीर्ष पर आ गयी है। स्विस टीम का अगला मुकाबला ब्राजील से होगा, जबकि कैमरून को सर्बिया का सामना करना है।

बेल्जियम की विदेश मंत्री ने विश्वकप के दौरान पहना 'वन लव' आर्मबैंड

दोहा, 24 नवंबर। बेल्जियम की विदेश मंत्री हद्जा लहबीब ने कनाडा के खिलाफ अपने देश के विश्व कप मैच के दौरान जब फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो से मुलाकात की तो उस समय उन्होंने 'वन लव' आर्मबैंड (बांह की पट्टी) पहन रखा था। लहबीब की बुधवार को एक तस्वीर सामने आई जिसमें उन्होंने रंगीन आर्मबैंड पहन रखा है। इस तरह के आर्मबैंड को विविधता में एकता का प्रतीक माना जाता है। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने बेल्जियम सहित सात यूरोपीय देशों के कप्तानों को इस तरह का आर्मबैंड पहनने से रोक दिया था। वे विश्वकप के मेजबान कतर के मानव अधिकारों के खराब रिकॉर्ड की निंदा करने के लिए इसे पहनना चाहते थे। लहबीब ने ट्विटर पर एक तस्वीर पोस्ट की है जिसमें उन्होंने अपनी बायीं बांह पर यह आर्मबैंड पहन रखा है। फीफा ने यूरोप के सात फुटबॉल महासंघों को चेतावनी दी थी अगर उनके खिलाड़ियों ने इस तरह का आर्मबैंड पहना तो उन्हें सजा दी जाएगी।

सर्बिया के खिलाफ उलटफेर से बचना चाहेगा ब्राजील

दोहा, 23 नवंबर। ब्राजील के दिग्गज खिलाड़ी नेमार ने विश्व कप में पहुंचने के बाद से सार्वजनिक रूप से एक शब्द भी नहीं बोला है और इससे टूर्नामेंट को लेकर उनके इरादे जाहिर होते हैं। विश्व कप का खिताब छठी बार जीतने के इरादे से यहां पहुंची ब्राजील की टीम गुरुवार को देर रात ग्रुप जी में सर्बिया के खिलाफ अपने अभियान को शुरू करेगी।

पेरिस सेंट जर्मन के स्टार दिग्गज नेमार ने जब कतर के लिए रवाना हो रहे थे तब उनके कपड़े पर ब्राजील की टीम लोगो (प्रतिक चिह्न) में पांच की जगह छह सितारे थे। ब्राजील के अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ी रिचार्लिसन ने कहा, "यही (विश्व कप का छठा खिताब) हमारा सपना है। नेमार ने यह तस्वीर पोस्ट की क्योंकि यह उनका भी सपना है। वह इसे जीतना चाहते है और हम जानते हैं कि वह इसे जीतने के लिए कितना इच्छुक है। वह जो चाहे कर सकता है। अगर नेमार यहां खुश हैं तो हम भी खुश होंगे। यह सबसे महत्वपूर्ण बात है।"

विश्व कप में ब्राजील का अभियान काफी हद तक नेमान के फॉर्म और प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। नेमार 2018 विश्व कप के बाद से चोटों से परेशान रहे है। टीम उनकी मौजूदगी में पिछले विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम से हार गयी थी। ब्राजील के कप्तान थियागो सिल्वा ने कहा, "हमें नेमार की इस बेहतरीन लय का फायदा उठाने की जरूरत है।"

ब्राजील के कोच टिटे को अपने सभी खिलाड़ियों को शुरुआती मैच के लिए उपलब्ध रखना चाहिए। नेमार ने ब्राजील के लिए 75 गोल किये हैं और महान खिलाड़ी पेले के रिकॉर्ड से वह दो गोल पीछे हैं। इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने के लिए उनके लिए विश्व कप से बेहतर जगह और क्या हो सकती है।

सर्बिया स्वतंत्र देश के तौर पर चौथी बार विश्व कप में भाग ले रहा है जहां उसकी कोशिश पहली बार ग्रुप चरण से आगे बढ़ने की होगी। सर्बिया की इस टीम में 2015 में अंडर 20 विश्व कप जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी है। तब टीम ने फाइनल में ब्राजील को ही हराया था।

रूट ने आईपीएल नीलामी के लिये नाम दर्ज करवाया

मुंबई, 24 नवंबर। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2023 सीजन से पहले होने वाली नीलामी में अपना नाम दर्ज करवाया है। क्रिकबज ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रूट इंग्लैंड के लिये 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 35.72 की औसत से 893 रन बना चुके हैं लेकिन मई 2019 के बाद से उन्होंने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में देश का प्रतिनिधित्व नहीं किया है।

इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान रूट ने डेली मेल अखबार को दिये गये हालिया साक्षात्कार में कहा था कि टेस्ट कप्तानी छोड़ने के बाद उनका कार्यभार कम हुआ है और अब वह टी20 में भी अपनी संभावनायें तलाशेंगे। रूट ने इससे पहले 2018 की आईपीएल नीलामी में भी अपना नाम दर्ज किया था।

डेली मेल ने रूट के हवाले से कहा था, मैं आईपीएल नीलामी में जाने पर विचार करूंगा और मुझे टूर्नामेंट में मौका मिलने की उम्मीद है। बयान में कहा गया था, संन्यास लेने, धीमा होने या कम प्रारूप खेलने के बारे में मेरे मन में कोई विचार या भावना नहीं है। कुछ भी हो, मैं अपने समय के साथ थोड़ी अधिक स्वतंत्रता महसूस करता हूं। मुझे हमेशा टी20 सीरीज के दौरान आराम मिलता था और मुझे लगता है कि मैं प्रारूप से अलग हो गया क्योंकि मैंने इसे पर्याप्त नहीं खेला। आप यह महसूस कर सकते हैं कि आप पीछे छूट गये हैं। अब अपने कुछ साल यह पता लगाने का अच्छा समय हो सकता है कि मैं उस प्रारूप में अपने खेल के कितनी दूर ले जा सकता हूं। उल्लेखनीय है कि एकदिवसीय विश्व कप 2023 की मेजबानी भारत को दी गयी है।

स्पेन को हराकर क्रोएशिया डेविस कप के सेमीफाइनल में

मलागा, 24 नवंबर। अनुभवी खिलाड़ी मारिन सिलिच ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीन घंटे तक चले मुकाबले में स्पेन के पाब्लो कोरेनो बुस्टा को पराजित करके क्रोएशिया को डेविस कप टेनिस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचाया। सिलिच ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में वापसी की लेकिन निर्णायक सेट के टाईब्रेकर में एक समय वह 1-4 से पीछे चल रहे थे। सिलिच ने यहीं पर अपने अनुभव का इस्तेमाल किया और 5-7, 6-3, 7-6 (5) से जीत दर्ज करके क्रोएशिया को स्पेन पर 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई। इससे पहले बोर्ना कोरिच ने पहले एकल मैच में रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट को 6-4, 7-6 (4) से उलटफेर का शिकार बनाकर क्रोएशिया को बढ़त दिलाई थी। क्रोएशिया की डेविस कप में स्पेन पर यह पहली जीत है।

रोमांचक मैच में पुर्तगाल ने घाना को 3-2 से हराया

16 मिनट में दोनों टीमों ने चार गोल दागे

दोहा, 24 नवंबर। पुर्तगाल ने ग्रुप-एच के मुकाबले में घाना को 3-2 से हरा दिया। इस रोमांचक मैच में हाफ-टाइम तक दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकी थी। पांचों गोल दूसरे हाफ में आए। 65वें मिनट में पुर्तगाल के कप्तान रोनाल्डो ने मैच का पहला गोल दागा और इतिहास रच दिया। वह फीफा वर्ल्ड कप के पांचवें संस्करण में गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए।

इसके बाद 73वें मिनट में घाना की ओर से कप्तान आंद्रे एयू ने गोल दाग घाना की वापसी कराई। हालांकि, 78वें मिनट में जोआओ फेलिक्स और 80वें मिनट में राफेल लियाओ ने गोल दाग पुर्तगाल को 3-1 से आगे कर दिया।

89वें मिनट में घाना के ओसमान बुकारी ने गोल दाग घाना को मैच में वापस लाने की कोशिश की। इंजरी टाइम में पुर्तगाल के गोलकीपर डिओगो कोस्टा ने बड़ी गलती की। वह गेंद छोड़ चुके थे, तभी घाना के खिलाड़ी विलियम्सन ने उनसे गेंद छीन ली, लेकिन पुर्तगाल के डिफेंडर्स की सूझबूझ के चलते गोल नहीं कर सके। इस गलती पर रोनाल्डो ने भी सर पकड़ लिया था। हालांकि, गोल नहीं होने पर उन्होंने राहत की सांस ली। ऐसे में पुर्तगाल की टीम घाना को हराने में कामयाब रही। इस जीत के साथ पुर्तगाल की टीम ग्रुप-एच में तीन अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गई है। वहीं, उरुग्वे और कोरिया रिपब्लिक के एक-एक अंक हैं। घाना की टीम सबसे नीचे चौथे स्थान पर है।

मैच फिक्सिंग के आरोपों की जांच के लिये श्रीलंका ने मार्शल को आमंत्रित किया

कोलंबो, 24 नवंबर। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने संसद में लगे मैच फिक्सिंग के आरोपों की जांच के लिये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भ्रष्टाचार-विरोधी इकाई के अध्यक्ष एलेक्स मार्शल को आमंत्रित किया है। श्रीलंका क्रिकेट ने यहां जारी बयान में कहा, आईसीसी के एक पूर्ण सदस्य के रूप में श्रीलंका क्रिकेट यह मानता है कि उपरोक्त सांसद द्वारा हाल ही में लगाये गये आरोपों के आलोक में कार्रवाई का यह सही तरीका है। इससे श्रीलंका क्रिकेट और उसके हितधारकों की प्रतिष्ठा को भारी नुकसान पहुंचाया है। श्रीलंकाई सांसद नलिन बंदारा ने पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच जुलाई में खेले गये पहले टेस्ट में मैच फिक्सिंग का आरोप लगाया था। पाकिस्तान ने इस टेस्ट में 342 रन का लक्ष्य हासिल करके दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली थी। बंदारा ने इसी माह संसद में कहा था, पिछली पाकिस्तान श्रृंखला में हमारी टीम ने करीब 400 रन बनाये थे और फिर भी आखिरी पारी में हार गये। पिच पर रोलर चलाने वाले व्यक्ति सहित सभी लोगों को पैसे दिये गये थे। (श्रीलंका क्रिकेट) बोर्ड जुआरियों का अड्डा बन गया है। बंदारा ने हालांकि अपने आरोप के लिये कोई सबूत नहीं दिया था। बंदारा ने इस भाषण के दौरान एसएलसी के कथित कुप्रबंधन पर रोशनी डालने के अलावा बोर्ड अध्यक्ष शम्मी सिल्वा के साथ अपने झगड़े की बात भी कही थी। आईसीसी की भ्रष्टाचार-विरोधी इकाई आमतौर पर अपनी जांच को लेकर कोई टिप्पणी नहीं करती है, और उसने इस मैच के संबंध में भी कोई बयान जारी नहीं किया है।

तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मैच आज

न्यूजीलैंड दौरे से विश्व कप 2023 की तैयारी शुरू करेगा भारत

ऑकलैंड, 24 नवंबर। भारतीय क्रिकेट टीम शिखर धवन की कप्तानी में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में शुक्रवार को एकदिवसीय विश्व कप 2023 की तैयारी शुरू करेगी। भारत में होने वाले विश्व कप में 12 माह से भी कम का समय रह गया है और मेजबान होने के नाते प्रतियोगिता के लिये क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम इसी श्रृंखला के साथ अपनी एकादश को मूर्तरूप देने में व्यस्त हो जायेगी। यही कारण है कि टी-20 और टेस्ट टीम से बाहर रहने वाले 36 वर्षीय धवन को श्रृंखला के लिये कप्तानी सौंपी गयी है।

बाएं हाथ के अनुभवी बल्लेबाज विश्व कप के 10 मैचों में 53.7 की औसत से 537 रन बना चुके हैं और अगले आयोजन के लिये भी बतौर ओपनर भारत की पहली पसंद होंगे। धवन ने हालांकि पिछली कुछ एकदिवसीय श्रृंखलाओं में संघर्ष किया है और अगर वह न्यूजीलैंड के विरुद्ध अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते, तो टीम प्रबंधन युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को भी ओपनर बनाने पर विचार कर सकता है।

गिल ने इस वर्ष 50 ओवर के क्रिकेट में 75.71 की औसत और 107.50 की स्ट्राइक रेट से 530 रन बनाये हैं। इस सीरीज में इसी तरह का प्रदर्शन उन्हें विश्व कप में सलामी बल्लेबाज की भूमिका का दावेदार बना सकता है। रोहित शर्मा, विराट कोहली, लोकेश राहुल, रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह जैसे बड़े खिलाड़ियों को भले ही इस श्रृंखला से आराम दिया गया है, लेकिन भारत के पास इनके विकल्प परखने का सुनहरा अवसर है। श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत और संजू सैमसन जहां टीम के मध्यक्रम को संबल देंगे, वहीं दीपक हुड्डा बल्ले से योगदान देने के साथ-साथ टीम के छठे गेंदबाजी विकल्प भी साबित हो सकते हैं। भारत के पास वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर के रूप में ऐसे गेंदबाज हैं जो बल्लेबाजी में गहराई प्रदान करते हैं। इस सीरीज में तेज गेंदबाज उमरान मलिक के एकदिवसीय पदार्पण करने की भी संभावना है।

दूसरी ओर, आईसीसी की शीर्ष वनडे टीम न्यूजीलैंड ने भी मार्टिन गप्टिल के स्थान पर फिन ऐलन को एकदिवसीय टीम का सलामी बल्लेबाज बनाकर विश्व कप की तैयारियों का अंदेशा दे दिया है। टी20 सीरीज 1-0 से हारने वाले ब्लैक कैप्स 50 ओवर वाली श्रृंखला जीतकर दोबारा लय हासिल करना चाहेंगे। तीसरे टी-20 से बाहर रहने के बाद कप्तान केन विलियम्सन भी टीम में वापस आ गये हैं, और उनके साथ विकेटकीपर टॉम लैथम न्यूजीलैंड के मध्यक्रम को मजबूती प्रदान करेंगे। साथ ही तेज गेंदबाज मैट हेनरी को भी एकदिवसीय टीम में तलब किया गया है। ऑकलैंड के ईडन पार्क की बाउंड्री छोटी होने के कारण पहले वनडे में बड़ा स्कोर बनने की संभावना है।

सुंदर-हुड्डा की स्पिन जोड़ी न्यूजीलैंड के चार बाएं हाथ के बल्लेबाजों को चुनौती दे सकती है, जबकि यह भारतीय बल्लेबाजी को गहराई भी देंगे। भारत ने अपने पिछले पांच में से चार वनडे मुकाबले जीते हैं, जबकि न्यूजीलैंड को पिछले पांच में से तीन मुकाबलों में हार मिली है।

हमारी तैयारियां विश्व कप पर केंद्रित : धवन

ऑकलैंड, 24 नवंबर। न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिये भारत के कप्तान शिखर धवन ने गुरुवार को कहा कि यह सीरीज अगले साल स्वदेश में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप 2023 की तैयारी पर केंद्रित है। धवन ने पहले वनडे की पूर्व संध्या पर यहां संवाददाताओं से कहा, हमारी तैयारी विश्व कप पर केंद्रित है। युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हमें इस बात का अंदाजा है कि कौनसे खिलाड़ी विश्व कप टीम का हिस्सा होंगे। भारत ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिये रोहित शर्मा, विराट कोहली और भुवनेश्वर कुमार जैसे बड़े खिलाड़ियों को आराम दिया है, जबकि धवन को टीम की कमान सौंपी गयी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) 12 महीने से भी कम समय में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के लिये टीम को मूर्तरूप देने पर विचार कर रहा है और यह युवा खिलाड़ियों के लिये अपनी क्षमता साबित करने का एक अच्छा अवसर है।

द्विपक्षीय श्रृंखलाओं को अधिक प्रासंगिक बनाने की जरूरत : विलियम्सन

ऑकलैंड, 24 नवंबर। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा कि अत्याधिक क्रिकेट खेला जाना हाल में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे श्रृंखला के दौरान दर्शकों की कम उपस्थिति का कारण हो सकता है और स्टेडियमों में प्रशंसकों को आकर्षित करने के लिए द्विपक्षीय श्रृंखलाओं को अधिक प्रासंगिक बनाना होगा। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच हाल की वनडे श्रृंखला में बहुत कम दर्शक स्टेडियम में पहुंचे। इनमें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया अंतिम मैच भी शामिल है। यह श्रृंखला इंग्लैंड के टी20 विश्व कप जीतने के चार दिन बाद ही शुरू हो गई थी। विलियमसन ने भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संध्या पर कहा, "यह देखना दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन इससे पता चलता है कि कितनी अधिक क्रिकेट खेली जा रही है। इसमें कोई संदेह नहीं कि आईसीसी के टूर्नामेंट लोकप्रिय है और काफी क्रिकेट खेली जा रही है। ऑस्ट्रेलिया में विश्वकप भी हुआ था, इसलिए वहां काफी क्रिकेट खेली गई।"

'यह तो अशोक गहलोत का पुअर डिफैंस व फेस सेविंग है'

डॉ. सतीश पूनिया ने यह भी कहा, गहलोत की बात से लगता है कि, पार्टी की लड़ाई और विखराव को ढकने के लिए उन्होंने एक कुतर्क का सहारा जरूर लिया है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 24 नवम्बर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को गद्दार कहने और पायलट समर्थक विधायकों को सरकार गिराने के लिए 10-10 करोड़ रुपए भाजपा मुख्यालय से पहुंचाए जाने के आरोपों को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने सिरे से खारिज किया है।

सतीश पूनिया ने एनडीटीवी को दिये इंटरव्यू में साफ कहा कि भाजपा से सचिन पायलट का कोई लेना-देना नहीं है। ये कांग्रेस का भीतरी झगड़ा है। उसके दोषी हम कैसे हो सकते हैं? वर्ष 2018 में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद राजस्थान में खुलकर नारे लगे थे, "हमारा मुख्यमंत्री कैसा हो...सचिन पायलट जैसा हो।" राजभवन में भी दो-दो मुख्यमंत्रियों के नारे लगे थे, वह नारे भाजपा ने थोड़े ही लगवाए थे। गहलोत के आरोपों में कोई दम नहीं है। हम पायलट से न कभी मिले, ना बात की। ना पहले जरूरत थी, ना आज है। भाजपा को तो आरोप लगाने का माध्यम अशोक गहलोत ने अपने बचाव के लिए बना लिया है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस की पुरानी फिल्म सामने आ गई है। फिल्म का नाम है-गद्दार कौन ? गहलोत ने अपने इंटरव्यू में आरोप लगाया है कि भाजपा के लोग राजस्थान में सरकार गिराने के षड्यंत्र में शामिल थे। लेकिन अभी कांग्रेस यह तय नहीं कर पाई गलती किसने की, सजा किसको होगी। राजस्थान की जनता 4 साल से भुगत रही है। सचिन पायलट, भाजपा के नहीं, बल्कि उनके खुद के पीसीसी चीफ और डिप्टी सीएम थे। अशोक गहलोत भूल जाते हैं कि वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में उनको मैंडेट नहीं था। कांग्रेस की 99 सीट थीं। 13 निर्दलीय और 6 बसपा विधायकों को उन्होंने मर्ज किया।

- 'ये तो सियासी आरोप हैं, मैं भी कह सकता हूँ कि अशोक गहलोत ने सरकार बचाने के लिए कितने अनैतिक काम किए होंगे। इसलिए इन सियासी आरोपों का कोई मतलब नहीं।'
- पूनिया ने कहा, पायलट अपनी मर्ज़ी से अलग हुए। वो हमारे विधायक नहीं थे। उनके पी.सी.सी. चीफ थे। हमने उनको नहीं भेजा। ना उकसाया, ना आमंत्रित किया। कोई अपनी पार्टी से टूटकर जाना चाहे तो क्या करें।

भाजपा हेडक्वार्टर से पायलट समर्थक विधायकों को पैसा पहुंचाए जाने के आरोपों पर सतीश पूनिया ने कहा कि, "ये तो सियासी आरोप हैं, मैं भी कह सकता हूँ कि अशोक गहलोत ने सरकार बचाने के लिए कितने अनैतिक काम किए होंगे। इसलिए इन सियासी आरोपों का कोई मतलब नहीं है। राजस्थान की जनता और कांग्रेस आलाकमान जानता है कि किसका कंडक्ट कैसा था? यह तो अशोक गहलोत का पूअर डिफेंस और फेस सेविंग है। मुझे लगता है कांग्रेस ने कुर्सी बचाने के लिए क्या-क्या अनैतिक काम किया होगा। लेकिन उसका मेरे पास कोई सबूत नहीं है। राजनीति में चलती-फिरती बात की कोई तवज्जो नहीं है। गहलोत की बात से लगता है कि पार्टी की लड़ाई और बिखराव को ढकने के लिए उन्होंने एक कुतर्क का सहारा जरूर लिया है। मुझे इसमें सियासी दम नजर नहीं आता है।"

क्या भाजपा नेता, सचिन पायलट और विधायकों से नहीं मिले? इस सवाल पर सतीश पूनिया ने कहा कि "क्यों मिले होंगे, क्या कारण है ? पायलट अपनी मर्जी से अलग हुए। वो हमारे विधायक नहीं थे। उनके पीसीसी चीफ थे। हमने उनको नहीं भेजा। ना उकसाया, ना आमंत्रित किया। कोई अपनी पार्टी से टूटकर जाना चाहे तो हम क्या करें।

भाजपा मुख्यालय से कैश भेजे जाने के सवाल पर पूनिया ने कहा कि कोई अंधा आदमी भी इस आरोप को स्वीकार नहीं करेगा। अशोक गहलोत जिस तरह की सियासत करते हैं, वो इस तरह के आरोप हमेशा लगाते हैं, जिनका कोई आधार और तर्क नहीं होता है। वह केवल उनके अपने फ्रस्टेशन और निराशा को जाहिर करने का एक तरीका है कि बीजेपी के माथे पर ठीकरा फोड़ा जाए।।"

नेता प्रतिपक्ष गुलाब चन्द कटारिया ने भी गहलोत पर तंज कसते हुए मीडिया में बयान दिया कि प्रदेश में जिस तरह का बखेड़ा चल रहा जिसके बाद बड़ा उलट फेर होने वाला है। गहलोत तो सी एम का पद कभी भी नहीं छोड़ेंगे, अगर छोड़ेंगे तो पायलट के पक्ष में तो कभी भी नहीं छोड़ेंगे, "चाहे इससे पार्टी टूटे या डूबे वे इस सीमा तक भी जा सकते हैं।" उन्होंने आगे कहा इस पूरे मामले में बीच का रास्ता नहीं निकल सकता है कि सी एम गहलोत, सी.पी. जोशी को सी.एम. पद पर बिठा दें। ताकि गहलोत के काम भी चलते रहे।

उप नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने भी इस मामले में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत का अपने प्रतिद्वंद्वियों को नकारा, निकमा और धोखेबाज कहना "एस.ओ.पी. है। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री कहते हैं कि उनके पास सबूत है कि सरकार को गिराने के लिए 10-10 करोड़ रुपये दिये गये थे। इसमें भाजपा शामिल थी तो मुख्यमंत्री इतने समय तक चुप क्यों थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के सहयोगी महेश जोशी ने चार-चार एफआईआर दर्ज की थी, "इन एफआईआर की जांच आगे क्यों नहीं बढ़ी। अगर मुख्यमंत्री इस मामले से जुड़े हुए हैं तो इस मामले की जांच सी.बी.आई. को क्यों नहीं दे देते?"

उन्होंने कहा कि सी एम का यह बयान मुख्यमंत्री का फ्रस्टेशन दर्शाता है शायद मुख्यमंत्री को आला कमान से जाने का नोटिस मिल गया है, इसलिए यह सब हो रहा है।

उदयपुर के दो रियल एस्टेट कारोबारियों पर इन्कम टैक्स की रेड

इन्कम टैक्स विभाग ने अंकुर एवं एक्मे ग्रुप के कुल 37 ठिकानों पर एक साथ रेड की, तलाशी अभी भी जारी है

उदयपुर, 24 नवम्बर (कासं)। उदयपुर में दो रियल एस्टेट कारोबारियों पर इनकम टैक्स की रेड में बड़ी मात्रा में नकदी और जेवरात मिले हैं। इनकम टैक्स की टीम ने 100 करोड़ से ज्यादा संपत्तियों के दस्तावेज जब्त कर उनकी जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी अनुसार अंकुर और एक्मे ग्रुप के कुल 37 ठिकानों पर फिलहाल सर्चिंग जारी है। इस समूह के पार्टनर के साथ ही समूह के मालिक के करीबी कर्मचारियों से भी पूछताछ चल रही है। सूत्रों की मानें तो यह कार्रवाई शुक्रवार तक चल सकती है। विभाग द्वारा हरेक संबंधित व्यक्ति से गहन पूछताछ के बाद उसे क्रॉस चेक भी किया जा रहा है। पूछताछ में निर्मल जैन, रमेश जैन और कालूलाल जैन से इन संपत्तियों के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं मिले हैं। टीम को अब तक कार्रवाई में आठ किलो से ज्यादा सोने के जेवरात और 1 करोड़ से अधिक का नकद मिला है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक्मे समूह के निर्मल जैन, रमेश जैन, अनिल चित्तौड़ा, रॉयल के अशोक जैन,

- सौ करोड़ रू. से ज्यादा सम्पत्तियों के दस्तावेज जब्त किए गए हैं और आठ किलो से ज्यादा सोने के जेवरात और 1 करोड़ रू. से ज्यादा का कैश मिला है।

भूपेंद्र जैन, अनीश धींग, बंशीलाल सुहालका, पंकज जैन सहित इनसे जुड़े करीब 40 लोगों से लंबी पूछताछ चल रही हैं। गुरुवार सुबह से चल रही कार्रवाई में राजस्थान के कई शहरों के साथ ही मुंबई के कई बड़े प्रोजेक्ट में निवेश किए जाने से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। कालूलाल जैन और उसके सहयोगियों के 17 से ज्यादा अघोषित लॉकर भी सामने आए हैं। दोनों ग्रुप के कारोबारियों द्वारा उदयपुर के रामी रॉयल रिसोर्ट समेत एक दर्जन रिसोर्ट में भी निवेश की बात सामने आई है। सॉफ्ट स्टोन कारोबार में इन्वेस्टमेंट के साथ ही मोटे ब्याज पर लोगों को ऋण देने की फाइल भी मिली है। बड़ी प्रॉपर्टी के दस्तावेजों की जांच हो रही है। जयपुर के साथ ही राजस्थान के कई शहरों की इनकम टैक्स की टीम इसमें शामिल हैं।

टीम हवाला के पैसों से खरीदी गई जमीनों के दस्तावेजों की जांच कर रही है। यही नहीं टीम आय के बारे में भी विस्तार से जानकारी ले रही हैं। उदयपुर में इन समूहो के पास एक हजार करोड़ से ज्यादा की प्रॉपर्टी हैं। उदयपुर के सवीना में रहने वाले कालूलाल जैन की 500 करोड़ रूपए से ज्यादा की जमीनें हैं। काया, बलीचा, तितरडी और नेला में भी उनकी प्रॉपर्टी है। ऋषभदेव में 2 मार्बल माइंस और क्रेशर गट्टी के प्लांट भी हैं।

वहीं निर्मल जैन का उदयपुर में हाउसिंग फाइनेंस का काम ज्यादा है। निर्मल का सवीना में एक्मे रियल एस्टेट का कारोबार है। नेला में उनकी सर्वाधिक जमीन है। हालांकि लंबे समय से उनका कई लोगों से निवेश को लेकर विवाद चल रहा है। कालूलाल जैन के जरिए ही निर्मल और रमेश ने प्रॉपर्टी में निवेश किया था। लोगों को वक्त पर रिटर्न नहीं मिलने से यह आपसी विवाद चल रहा है। मूल रूप से सराड़ा क्षेत्र के रहने वाले भूपेन्द्र जैन भी बढ़ी जमीनों के सौदों में कालूलाल और निर्मल के साथ शामिल हैं।

मु.मंत्री बड़ा दिल रखें, इस्तीफा दें, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शर्मा जैसे दिवंगत हो चुके विधायकों को भी कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। इससे उनके परिवार पर क्या बीत रही होगी ?

राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान को अब विधायक दल की बैठक करवानी चाहिए, क्योंकि आलाकमान ने जो नोटिस दिए थे, न तो उन पर कार्रवाई हुई, उल्टा मुख्यमंत्री इस तरह से बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत निकम्मा, नकारा ,गद्दार वह सब कुछ बोलते रहते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि सचिन पायलट से बेहतर राजस्थान में कांग्रेस पार्टी की सेहत के लिए कोई भी अच्छा नहीं हो सकता है।

उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री भले ही यह दावा कर रहे हैं कि पायलट के पास 10 विधायक नहीं हैं। उन्हें मैं बता दूं कि उनके साथ होटल में रहे 102 विधायकों में से आज भी पायलट के साथ चार्टर प्लेन में चार विधायक मध्य प्रदेश गए हैं, एक मैं खड़ा हूं। ऐसे में मुख्यमंत्री गलत बोल रहे हैं।

गुढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री अगर इतने आश्वस्त हैं तो फिर काउंटिंग क्यों नहीं करा लेते हैं, 80 फीसदी एमएलए सचिन पायलट के साथ नहीं हो तो हम दावेदारी छोड़ देंगे। मुख्यमंत्री पैसे लेने वालों में जिसका नाम निकाल रहे हैं, उनमें से 5 लोग तो उनकी कैबिनेट में हैं। उनको क्यों बैठा रखा है, अब बार बार उनको गद्दार क्यों बोल रहे हो ,क्या इन 19 लोगों को टिकट नहीं दोगे। गुढ़ा ने कहा कि कांग्रेस विधायक कांग्रेस आलाकमान के साथ हैं। कांग्रेस आलाकमान के आशीर्वाद से सब एमएलए बने, उनके आशीर्वाद से ही मंत्री और मुख्यमंत्री हैं। अगर कांग्रेस छोड़ते हैं तो यह विधायक अपने दम पर गांव के सरपंच नहीं बन सकते, नगरपालिका और निगम में पार्षद भी नहीं बन सकते। यह नेता विधायक इसलिए बनकर बैठे हैं क्योंकि कांग्रेस हाईकमान का इन्हें आशीर्वाद है।

दूसरी ओर अशोक गहलोत समर्थक निर्दलीय विधायक और मुख्यमंत्री के सलाहकार बने हुए संयम लोढ़ा ने कहा कि आज भी 101 विधायक अशोक गहलोत के साथ है और अशोक गहलोत पूरे 5 साल मुख्यमंत्री रहेंगे। मंत्री रामलाल जाट की मौजूदगी में सिरोही के कार्यक्रम में लोढ़ा ने कहा कि मंत्री ने आज यहां इतनी उपलब्धियां गिनाई है, वह सब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कारण है। उन्होंने कहा कि मैं अखबारों में पढ़ता हूं, आपके ही कुछ सहयोगी बातें करते रहते हैं कि मुख्यमंत्री बदलो, परिवर्तन करो। अरे भाई आपकी पार्टी ने तो अभी अभी चुनाव के जरिए अध्यक्ष का फैसला किया है तो फिर से हाथ खड़े करवा देते है।"

गहलोत की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"अपने युवा सहयोगी सचिन पायलट के साथ अपने जो भी मतभेद उन्होंने बताए हैं, उन्हें पार्टी में इस तरह से सुलझाया जाएगा जिससे पार्टी को पार्टी को मजबूती मिलेगी।"

उन्होंने कहा कि अभी हरेक कांग्रेसी कार्यकर्ता का कर्तव्य है कि पहले से ही बड़े पैमाने पर सफल हो रही भारत जोड़ो यात्रा को उत्तर भारतीय राज्यों में और ज्यादा असरदार बनाया जाए।

मांगें नहीं मानीं गईं तो राहुल गांधी की यात्रा रोकेंगे: विजय बैंसला

गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति राहुल की यात्रा रोकने पर अडिग

कोटा, 24 नवम्बर (निसं)। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा रोकने पर अडिग है। गुरुवार को आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला कोटा पहुंचे। इससे पहले वह झालावाड़ रूट पर भारत जोड़ो यात्रा का मार्ग देखकर आए हैं। वे यह पता लगा रहे हैं कि यात्रा को किस जगह पर रोका जा सकता है। कोटा में पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि अगर उनकी मांगे नहीं मानी गई तो वे राहुल गांधी की यात्रा रोकेंगे। हालांकि विजय बैंसला ने यह नहीं बताया कि वे किस जगह पर यात्रा को रोकेंगे और उनका विरोध का तरीका किस तरीके का होगा। लेकिन उनके एक साथी ने कहा है कि यात्रा मध्य प्रदेश और राजस्थान के बॉर्डर पर ही झालावाड़ में रोकी जाएगी और जब तक मांगे नहीं मानी जाती तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

- इससे पहले विजय बैंसला झालावाड़ रूट पर भारत जोड़ो यात्रा का मार्ग देखकर आए हैं। वे देख रहे हैं कि यात्रा को किस जगह पर रोका जा सकता है।
- बैंसला ने कहा है कि, सरकार का अब केवल एक साल बचा है। अगले 3 महीने बाद ब्यूरोक्रैसी मंत्रियों की और सरकार की बात मानना बंद कर देगी। इसके बाद हमारा समझौता फिर अटक जाएगा।

विजय बैंसला ने कहा कि राजस्थान सरकार हमारी भावनाओं को ठेस पहुंचा रही है 4 साल पहले जो समझौता हुआ था उसे अभी तक लागू नहीं किया गया है। हम नई मांगे नहीं कर रहे, पुराने समझौते को लागू करने की ही बात कर रहे हैं। जब बैंसला से यह पूछा गया कि आप पर यह आरोप लग रहे हैं कि आप यह सब भाजपा के पक्ष में और सचिन पायलट के विरोध में कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि यह कोई पॉलिटिकल स्टैंड नहीं है । समाज के हित में बात की जा रही है। इसमें से पॉलिटिक्स हट जानी चाहिए। जब उनसे यह पूछा गया कि क्या विरोध हाडोती में होगा तो उन्होंने कहा कि विरोधी राजस्थान में किया जाएगा।

बैंसला ने कहा कि जब भिड़ंत होगी राहुल गांधी की यात्रा में विघ्न होगा इसके बाद सरकार बात करेगी तो इसका मतलब है कि सरकार यह खुद चाहती है। हमने पिछले 4 सालों में सीएमओ से लेकर विधायक स्तर तक हर जगह बात की है।

बैंसला ने कहा है कि सरकार को अब केवल 1 साल बचा है । अगले 3 महीने बाद ब्यूरोक्रेसी मंत्रियों की और सरकार की बात मानना बंद कर देगी। इसके बाद हमारा समझौता फिर अटक जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सचिन पायलट को सीएम बनाने की मांग वह पहले भी कर चुके हैं। यह केवल अकेली मेरी मांग नहीं है यह समाज का सैंटीमैंट है। समाज बड़े स्तर पर प्रभुत्व चाहता है। हमारी संख्या यहां पर 7 प्रतिशत है।

'जिसके पास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हूं। राजस्थान में सरकार आना जरूरी है। मैं तीन बार सीएम रह चुका। मेरे लिए सीएम रहना जरूरी नहीं है। आप सर्वे करवा लीजिए कि मेरे मुख्यमंत्री रहने से सरकार आ सकती है तो मुझे रखिए। अगर दूसरे चेहरे से सरकार आ सकती है तो उसे बनाइए। नया चेहरा सरकार रिपीट नहीं करवा सकता और सचिन पायलट को स्वीकार नहीं कर सकते।"

सचिन पायलट के साथ अदावत पर गहलोत बोले कि "जब 2009 में लोकसभा चुनाव में राजस्थान से 20 सांसद जीते तो मुझे दिल्ली बुलाया गया। राजस्थान से मंत्री बनाने के बारे में मुझसे पूछा गया। सचिन पायलट को जानकारी है, मैंने पायलट को केंद्र में मंत्री बनाने की सिफारिश की थी। उस समय वसुंधरा राजे की सरकार में 70 गुर्जर मारे गए थे, यहां गुर्जर-मीणाओं में झगड़ा था। बाद में मेरे पास सचिन पायलट का फोन आया था कि मेरी सिफारिश कीजिए, जबकि मैं तो पहले ही सिफारिश कर चुका था। जिस आदमी के दिल में प्यार होगा, तभी तो वह नौजवान की सिफारिश करेगा।

राजस्थान में 25 सितंबर की घटना को लेकर भी गहलोत ने सचिन पायलट के सिर ठीकरा फोड़ते हुए कहा कि 25 सितंबर को पायलट की वजह से माहौल बिगड़ा। मुझे कोई टेंशन नहीं है। थाड़े बहुत मतभेद सब जगह होते हैं, 25 सितंबर को बगावत नहीं हुई थी। वर्ष 2019 में बगावत हुई थी, 34 दिन होटलों में रहे। पच्चीस सितंबर को 90 लोग इकट्ठे हुए, ये वे लोग थे, जिन्होंने सरकार बचाने में सहयोग किया, वर्ना सरकार बच नहीं सकती थी।

बिना हाईकमान कोई सीएम सरकार बचा ही नहीं सकता। कांग्रेस का कोई मुख्यमंत्री ऐसा नहीं है जो हाईकमान के बिना विधायकों का समर्थन ले ले। जिसने पार्टी के साथ गद्दारी की, गद्दारी किए हुए आदमी को हमारे विधायक कैसे स्वीकार कर सकते हैं। उस दिन भी एक बात फैलाई गई कि पायलट को सीएम बनाया जा रहा है। पायलट ने खुद ऐसा व्यवहार किया कि वे सीएम बनने जा रहे हैं। उन्होंने कई विधायकों को फोन किए कि पर्यवेक्षक आ रहे हैं, उन्हें यह कहना है। इस हालात में एमएलए को यह भ्रम हो गया कि पायलट विधायक दल की बैठक के दूसरे दिन ही शपथ ले रहे हैं। इसलिए 90 विधायक इकट्ठे हो गए थे। वे सब निष्ठावान हैं और हाईकमान के साथ हैं।

गहलोत ने कहा कि मानेसर में पायलट के साथ बगावत करने वाले विधायक गए थे। जिस रिसोर्ट में मध्यप्रदेश के विधायकों को ठहराया गया था, उसी में पायलट समर्थक विधायकों को रोका गया था। हम उम्मीद नहीं कर सकते थे कि पार्टी का अध्यक्ष अपनी ही पार्टी की सरकार गिराने के लिए विपक्ष से मिला हुआ है। इतिहास में आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ। इसी वजह से विधायक पायलट का नाम सुनते ही नाराज थे।

गहलोत ने कहा कि मानेसर जाकर आने के बाद यदि वो माफी मांग लेते तो मुझे माफी नहीं मांगनी पड़ती। माहौल बदल जाता, वो नौजवान हैं, यह नौबत नहीं आती। पायलट माफी मांग लेते तो 25 सितंबर की घटना ही नहीं होती। विधायक दल का नेता होने के कारण मेरी मॉरल ड्यूटी थी, वह बैठक नहीं हो सकी, इसलिए मैंने माफी मांगी।

पायलट और समर्थक विधायकों को साइडलाइन करने के आरोप को खारिज करते हुए गहलोत बोले कि सवाल ही पैदा नहीं होता। उनके सपोर्टर सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि सब काम होते हैं। पायलट समर्थक विधायक अजय माकन को अकेले में कह चुके हैं कि मुख्यमंत्री की तरफ से कोई शिकायत नहीं है, जो मांगते हैं, वह काम करते हैं। वापस आने के बाद से अच्छा बर्ताव किया, कोई भेदभाव नहीं किया।

इस सवाल पर कि आपके कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरने की तैयारी थी। सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद आपने नामांकन नहीं भरा। इस बात पर गहलोत बोले कि यह हमारा अंदर का मामला है इस बारे में मैं कुछ नहीं बोल सकता।

राहुल गांधी की दाढ़ी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले, मोदी ने अपनी दाढ़ी को स्वतंत्र रूप से बढ़ने दिया, जिस पर मीडिया ने टिप्पणी की थी कि वे गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर जैसे दिखाई देना चाहते हैं।

विशिष्ट हेयर कट तथा दाढ़ी की स्टाइल परम्परागत रूप से पॉप स्टारों, वैज्ञानिकों, लेखकों तथा बुद्धिजीवियों से सम्बद्ध रहे हैं। जब स्वर्गीय ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भारत के राष्ट्रपति बन गये थे, तब अखबारों के कार्टूनिस्टों ने उनके लम्बे बालों को अपने मन चाहे अंदाज में दिखाया था। सार्वजनिक जीवन में "इमेज मेकओवर" आम चीज है। जब गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी "विकास पुरुष" के रूप में प्रोजैक्ट किये जा रहे थे, तो उनके फोटो ज्यादातर डिजायनर कुर्तों तथा जैकिटों में खींचे जाते थे, जो उनके व्यक्तित्व की पहचान बन गये थे, उसके साथ एकाकार हो गये थे।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री "नेहरू जैकिट" पहना करते थे तथा कोट के काज में एक गुलाब लगाया करते थे। पूर्व प्रधानमंत्री वी.पी.सिंह अधिकांशतः कश्मीरी टोपी पहने दिखाई देते थे। स्टाइल संबंधी ऐसे बयान, जैसे दाढ़ी बढ़ाना- को महानता का सार्वभौमिक पासपोर्ट नहीं माना जा सकता। दोस्तोव्स्की तथा टॉल्सटॉय दाढ़ी रखते थे लेकिन एल्बर्टो कामू या जीन पॉल क्लीन-शेव रहते थे। विनोबा भावे दाढ़ी रखते थे, किन्तु महात्मा गांधी, राम मनोहर लोहिया या सरदार पटेल क्लीन शेव थे। राहुल के संदर्भ में, राजनैतिक रणनीतिकार दिलीप चेरियन ने बड़ी रोचक बात कही है: "दाढ़ी तभी मददगार होती है, जब इसके साथ ही जमीनी कार्य (ग्राउण्ड वर्क) भी हो। चुनाव जीतने के मामले में, केवल दाढ़ी ही पर्याप्त नहीं हो सकती।"

चुनाव आयोग की नियुक्तियों पर फैसला सुरक्षित

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को जब चुनाव आयोग की नियुक्तियों के मुद्दे का परीक्षण किया और नियुक्ति प्रक्रिया पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया, तब यह भी पूछा कि अरूण गोयल को चुनाव आयुक्त नियुक्त करने की इतनी जल्दी क्या थी। केन्द्र ने हालांकि कोर्ट की टिप्पणियों का जोरदार विरोध और एटॉर्नी जनरल आर. वैंकटरमानी ने कहा कि इस मुद्दे को गहराई से देखना चाहिए। 5 जजों की संविधान पीठ जिसके प्रमुख जस्टिस के.एम. जोसफ हैं, ने केन्द्र सरकार से प्राप्त गोयल की नियुक्ति की मूल फाइल को ध्यान से पढ़ा और पूछा "ये कैसा इवैलुएशन है। हम गोयल की विश्वसनीयता पर नहीं बल्कि प्रक्रिया पर सवाल कर रहे हैं।"

'सचिन पायलट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे थे। तो पीछे से बाजार में मौजूद युवाओं ने जमकर मुख्यमंत्री मुर्दाबाद, सचिन पायलट आई लव यू के नारे लगाए, जिसे देखकर यकायक बाजार में सन्नाटा सा छा गया और प्रशासन देखता ही रह गया। एक तरह से कहा जाए तो जब ये लोग बाजार में मुख्यमंत्री मुर्दाबाद और सचिन पायलट आई लव यू के नारे लगा रहे थे तो वहां पुलिस कर्मी भी नजर नहीं आए। इस दौरान अलीपुरा सरपंच हीरा सिंह गुर्जर का कहना था कि जब सचिन पायलट प्रदेश अध्यक्ष थे तो उस समय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा था कि युवा मुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

युवाओं को रोजगार दिया जाएगा, लेकिन यहां श्री महावीरजी में इस महोत्सव कार्यक्रम के कारण मंदिर कमेटी की ओर से सब्जी वाले, हाथ ठेला की मजदूरी करने वाले सब को हटा दिया है। उन्हे बेघर कर दिया है। क्या उन लोगों को जीने का अधिकार नहीं है। उन्हें रोजगार करने का अधिकार नहीं है। ग्रामीण हरिओम का कहना है कि युवा मुख्यमंत्री होता तो 18 घंटे काम करता, युवाओं को रोजगार देता। महावीर जी में मंदिर कमेटी ने सब्जी विक्रेता, ठेला वालों को हटा दिया है, जो कि गलत है।

मु.मंत्री ने श्रीमहावीरजी में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के विचारों को धारण किया। इन्हीं विचारों से ही देश में स्वतन्त्रता आंदोलन प्रेरित हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तीर्थ स्थल महावीरजी के विकास के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। श्री महावीरजी में गत वर्षो से शिक्षा, चिकित्सा,स्वच्छता सहित अन्य क्षेत्रों मे उत्कृष्ट प्रबन्धन के साथ मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विकास किया गया है। भगवान श्रीमहावीरजी के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने पंचकल्याणक व महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम की स्मारिका का भी विमोचन किया।

समारोह में पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह, ग्रामीण विकास व पंचायतराज मंत्री रमेश मीणा, सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव, हिण्डौन विधायक एवं पूर्व मंत्री भरोसीलाल जाटव, करौली विधायक एवं

- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरूवार को करौली के महावीरजी में पंचकल्याणक महोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि, पंचकल्याणक महोत्सव का झण्डारोहण कर शुभारम्भ करने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है।

गहलोत ने मन्दिर परिसर में बनाए गए म्यूज़ियम की सराहना करते हुए कहा कि विशिष्ट शैली में निर्मित इस म्यूजियम में बहुत ही सुन्दर मूर्तियों की स्थापना की गई है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भगवान महावीर की 24 फीट ऊंची प्रतिमा की स्थापना पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने महामस्तकाभिषेक व पंचकल्याणक महोत्सव के ध्वजारोहण के पश्चात मंदिर में डांग विकास बोर्ड अध्यक्ष लाखन सिंह, सवाईमाधोपुर विधायक दानिश अबरार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संभागीय आयुक्त भरतपुर सांवरमल वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक भरतपुर गौरव श्रीवास्तव, जिला कलैक्टर करौली अंकित कुमार सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक करौली नारायण टोगस सहित प्रशासनिक अधिकारी व भारी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

हाई कमान को आभास था, भारत जोड़ो यात्रा का अगला...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जैसे राजनैतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों में होकर टेढ़े-मेढ़े रास्तों से गुजरना होगा, जहाँ कांग्रेस का बहुत कुछ दाँव पर लगा हुआ है।

संक्षिप्त किन्तु उल्लेखनीय रूप से पुष्ट समाचार के अनुसार, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी आज सुबह उस समय अपने भाई राहुल गांधी के नेतृत्व वाली यात्रा में शामिल हो गई, जब देश को जोड़ने वाली, नफरत को मिटाने वाली तथा प्रेम का प्रसार करने के मिशन वाली यह यात्रा मध्य प्रदेश से गुजरने के लिये आगे बढ़ गई। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट भी यात्रा में शामिल हो गये। गांधी भाई-बहिन की तस्वीर साझा करते हुये, कांग्रेस के अधिकृत हैन्डल ने हिन्दी में ट्वीट किया, "जब हम साथ-साथ चलेंगे तो हमारे कदम और ज्यादा मजबूत होंगे।" आज गांधी भाई-बहिन के नेतृत्व में, कांग्रेस समर्थकों ने खन्डवा के बोरगाँव से आगे की पदयात्रा शुरू कर दी। खरगोन की तरफ बढ़ने से पूर्व सब लोग सबसे पहले स्वतंत्रता सेनानी तथा आदिवासी दिग्गज टंट्या भील की जन्मस्थली पहुँचे तथा उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। अपनी यात्रा के दौरान, खास तौर से जब राहुल गांधी आदिवासियों को "वनवासी" कहने की बजाय, "आदिवासी" कह कर संबोधित करते हैं तथा इस प्रकार आर.एस.एस. की शब्दावली एवं कांग्रेस के शब्द-चयन के स्पष्ट अन्तर प्रस्तुत कर देते हैं, राहुल के आदिवासी समुदाय पर फोकस के फलस्वरूप भाजपा एवं आर.एस.एस. बौखलाकर हतोत्साहित एवं उत्तेजित हो जाती हैं। राहुल आदिवासियों से कहते हैं कि ये जंगल और जमीन उनके हैं तथा वे ही इनके प्रथम मालिक है तथा जिसका प्रतिवाद करने का निश्चय भाजपा कर चुकी है। इसके प्रतिकार की कार्यवाही के अन्तर्गत, सत्तारूढ़ भाजपा ने कल टंट्या भील के जन्म स्थान से "जन जातीय गौरव यात्रा" शुरु कर दी है। इस पदयात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह तथा चार मंत्री उपस्थित थे। हालाँकि राज्य के भाजपा नेताओं ने इस बात से इंकार किया है कि उनकी यात्रा का उद्देश्य कांग्रेस की पदयात्रा का जवाब देना है तथा यह तर्क दे रहे हैं कि "हम, कांग्रेस की तरह, चुनावों से पहले ही यात्रा नहीं निकालते", लेकिन अनौपचारिक बातचीत में उनका डर साफ जाहिर होता दिखाई देता है।

राहुल गांधी के नेतृत्व वाली इस यात्रा का अगला गन्तव्य राजस्थान है, जहाँ कांग्रेस के लिये एक बड़ा संकट हिलोरें ले रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा शीर्ष कांग्रेस नेता सचिन पायलट के गुटबंदी का झगड़ा एक बार फिर संकटपूर्ण चरम स्थिति पर पहुँच गया है। ज्ञातव्य है कि सचिन पायलट ने 2020 में एक विद्रोह का नेतृत्व किया था, जिसके फलस्वरुप गहलोत सरकार गिरने के कगार पर पहुँच गई थी।

एक सामुदायिक संगठन ने धमकी दे दी है कि अगर पायलट राजस्थान के मुख्यमंत्री नहीं बनाये जाते हैं तो यात्रा में बाधा डाली जायेगी। किन्तु इस कांग्रेस नेता ने स्वयं को इस धमकी से अलग कर लिया है तथा भाजपा पर आरोप लगाया है कि वह "गड़बड़" पैदा करने की कोशिश कर रही है। इस क्षेत्र के राजनैतिक महत्व को पूरी-पूरी मान्यता देते हुये, गांधी ने कल भाजपा पर कड़ा हमला बोला तथा पार्टी पर आरोप लगाया कि उसने कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को गिराने के लिये पार्टी-विधायकों को रिश्वत दी थी, जबकि पार्टी 2018 में राज्य के चुनावों में जीतकर सत्ता में आई थी। उन्होंने बुरहानपुर में कहा, "हमने मध्य प्रदेश चुनाव जीते थे। लेकिन उन्होंने (भाजपा) 20-25 भ्रष्ट विधायकों को करोड़ों रूपये दिये थे और उन्हें खरीद लिया था।"

उन्होंने कहा कि कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा शुरु करने के लिये इसलिये मजबूर हो गई थी, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के शासन में "सारे लोकतांत्रिक रास्ते बंद हैं।" उन्होंने आगे कहा, "लोकसभा, चुनावी रास्ता, प्रैस-इस चीज बंद कर दी गई है। सारी संस्थाएं-आर.एस.एस./भाजपा ने घेर रखी है, उनमें अपने लोग भर दिये हैं। न्यायपालिका दबाव में है। आगे बढ़िये, लोगों को गले लगाइये, किसानों की सुनिये, मजदूरों की, छोटे व्यापारियों की सुनिये तथा उनके साथ हो जाइये।"

राहुल गांधी के नेतृत्व में देश के एकजुट करने के उद्देश्य से संचालित भारत जोड़ो यात्रा ने 77वें दिन जैसे ही यात्रा सोशल मीडिया पर ट्रोल्स का निशाना बन गई।

ट्रोल का बिन्दु राजस्थान की विधायक दिव्या महीपाल मदेरणा का वह फोटो बन गया था, जिसमें वे राहुल गांधी के साथ-साथ चलती दिखाई जा रही हैं तथा राहुल गांधी उनके मस्तक को चूम रहे हैं। ट्रोल्स में वो प्रोफाइल भी शामिल थी, जिनमें कहा गया था कि उनकी भाजपा के प्रति निष्ठा ने, ट्विटर सहित, सोशल मीडिया पर यौन संकेतों के ढ़ेर लगा दिये हैं।

अरूण यादव ने ट्विटर हैन्डल पर अपने मित्रों तथा फॉलोअर्स को इस फोटो का कैप्शन देने के लिये उकसाया। असम के मुख्यमंत्री हेमन्त बिस्वा सरमा ने गुजरात में राहुल की तुलना सद्दाम हुसैन से की। जहाँ एक तरफ, राहुल गांधी का यह मिशन दक्षिणपंथी हिन्दुत्ववादी ताकतों की चुनौतियों का सामना कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ, केन्द्रीय नेतृत्व को दिये गये गहलोत की खुली चुनौती ने भाजपा को एक अवसर प्रदान कर दिया है कि वह उस यात्रा की मजाक उड़ाये, जिसे जनता का अपार समर्थन मिल रहा है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908